खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 21 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-318

नीतीश कुमार 10वीं बार बने बिहार के मुख्यमंत्री, 26 मंत्रियों ने ली शपथ

पटना, 19 नवंबर (एजेंसियां)।
बिहार के राजनैतिक परिदृश्य में आज एक महत्वपूर्ण दिन रहा। नीतीश कुमार ने 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली, जिनमें बीजेपी के 14, जदयू के 8 और चिराग पासवान की पार्टी के 2 मंत्री शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय शक्ति के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उपस्थित थे।

नीतीश कैबिनेट में 13 नए चेहरों को जगह मिली है। मुख्यमंत्री ने अपने 8 मंत्रियों को रिपीट किया, जबकि बीजेपी से 7 नए चेहरे पहली बार मंत्री बने हैं। नए मंत्रियों में संजय सिंह टाइगर, अरुण शंकर प्रसाद, रमा निषाद, लखेंद्र कुमार रौशन, श्रेयसी सिंह, नारायण प्रसाद और प्रमोद चंद्रवंशी शामिल हैं।

चिराग पासवान की पार्टी से संजय कुमार पासवान और संजय सिंह मंत्री बने हैं। इसके अलावा रालोमा अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई, हालांकि वे फिलहाल न विधायक हैं और न एमएलसी।

बीजेपी ने रामकृपाल यादव को मंत्री बनाया है, जो पहले लालू सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं।

नीतीश कैबिनेट में 3 महिलाएं शामिल हैं, जिनकी हिस्सेदारी 11% है। महिलाओं में लेसी सिंह, रमा निषाद और श्रेयसी सिंह को कैबिनेट में जगह मिली है।लेसी सिंह धमदाहा से 6 बार की विधायक हैं और पिछली सरकार में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री थीं।

रमा निषाद चैनपुर विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बनी हैं।

श्रेयसी सिंह जमुई सीट से बीजेपी विधायक और नेशनल-लेवल की शूटर हैं।

2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीत चुकीं श्रेयसी सिंह युवा और महिला चेहरा होने के कारण जिम्मेदारी दी गई।

नीतीश कैबिनेट में पहली बार मंत्री बने दीपक प्रकाश ने कहा कि वे अपने नेता उपेंद्र कुशवाहा को धन्यवाद देते हैं और युवाओं के रोजगार के लिए सरकार काम करेगी।बिजेंद्र प्रसाद यादव, सुपौल से 9वीं बार विधायक चुने गए और उन्होंने पहले भी दर्जनों विभागों में मंत्री पद का अनुभव हासिल किया है।

विधायक प्रेम कुमार बिहार विधानसभा के अध्यक्ष होंगे। वे गया टाउन विधानसभा क्षेत्र से लगातार 9वीं बार विधायक बने हैं और पहले स्वास्थ्य, सड़क निर्माण और शहरी विकास विभाग के मंत्री रह चुके हैं।

इस कैबिनेट में नए और अनुभवी मंत्रियों का संतुलन बनाया गया है, जिससे राज्य के प्रशासनिक कार्यों में निरंतरता और अनुभव दोनों का लाभ मिलेगा।

कोई पूर्व सीएम का बेटा, कोई पूर्व मंत्री का भाई...

बिहार में राजग के परिवारवाद पर आरजेडी का काउंटर अटैक

बिहार में नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद संभाला, जिससे एनडीए के समर्थक खुश हैं, लेकिन विपक्षी पार्टी आरजेडी ने नई सरकार पर परिवारवाद का आरोप लगाकर तीखा हमला किया। गुरुवार को पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण के बाद आरजेडी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली, जिसमें कहा गया कि नीतीश सरकार के कई मंत्री परिवार में राजनीति से जुड़े हैं। इस पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार के परिवारवाद के खिलाफ दिए गए बयानों पर भी चुटकी ली गई।आरजेडी ने जो पोस्ट डाली, उसमें सरकार के दर्जनों मंत्रियों को इस तरह बताया गया जैसे वे खुद अपनी राजनीतिक परिवार से जुड़ी पहचान दे रहे हों। पोस्ट में 10 मंत्रियों की राजनीतिक परिवार की जानकारी दी गई और अंत में लिखा गया कि ये मंत्री प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के खास आशीर्वाद से परिवारवाद खत्म करके बिहार नया बनाएंगे।यह पोस्ट राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गई। आरजेडी समर्थकों ने इसे एनडीए की दोहराई गई परिवारवाद की पोल बताया, जबकि एनडीए नेताओं ने इसे हार के बाद की निराशा करार दिया।नई सरकार में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संतोष कुमार सुमन तीसरी बार मंत्री बनाए गए हैं।

26 मंत्रियों ने ली शपथ

1. सम्राट चौधरी	14. सुनील कुमार
2. विजय कुमार सिन्हा	15. मो० जमा खान
3. विजय कुमार चौधरी	16. संजय सिंह 'टाइगर
4. बिजेन्द्र प्रसाद यादव	17. अरुण शंकर प्रसाद
5. श्रवण कुमार	18. सुरेन्द्र मेहता
6. मंगल पाण्डेय	19. नारायण प्रसाद
7. डॉ० दिलीप जायसवाल	20. रमा निषाद
8. अशोक चौधरी	21. लखेन्द्र कुमार रौशन
9. लेशी सिंह	22. श्रेयसी सिंह
10. मदन सहनी	23. डॉ० प्रमोद कुमार
11. नितिन नवीन	24. संजय कुमार
12. राम कृपाल यादव	25. संजय कुमार सिंह
13. संतोष कुमार सुमन	26. दीपक प्रकाश

सुप्रीम कोर्ट बोला-राज्यपाल विधानसभा से पास बिलों को न लटकाएं

बिल मंजूर करें, लौटाएं या राष्ट्रपति को भेजें; डेडलाइन नहीं, लेकिन देरी पर दखल देंगे
मुख्य न्यायाधीश की अगुआई में 5 जजों की बेंच ने सुनवाई की

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रपति और राज्यपाल की बिल मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि हमें नहीं लगता कि गवर्नरों के पास विधानसभाओं से पास बिलों (विधेयकों) पर रोक लगाने की पूरी पावर है।सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'गवर्नर्स के पास 3 ऑप्शन हैं। या तो मंजूरी दें या बिलों को दोबारा विचार के लिए भेजें या उन्हें प्रेसिडेंट के पास भेजें।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिलों की मंजूरी के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की जा सकती। अगर देरी होगी तो हम दखल दे सकते हैं।यह मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर ने राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने मामले में सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी और 14 सवाल पूछे थे। इस मामले में 8 महीने से सुनवाई चल रही थी।सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को स्वीकृति देने के लिए राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती। न्यायपालिका भी ऐसे मामलों में अनुमानित स्वीकृति (डीम्ड असेंट) नहीं दे सकती। डीम्ड असेंट को आसान भाषा में कहा जाए तो अगर राज्यपाल और राष्ट्रपति के पास कोई बिल मंजूरी के लिए गया है और वे समय पर जवाब नहीं देते, तो कानून यह मान लेता है कि मंजूरी दे दी गई है। यानी, बिना बोले भी हां मान ली जाती है।गवर्नर के पास 3 संवैधानिक विकल्प हैं- मंजूरी, असेंबली को दोबारा विचार के लिए लौटाना और मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजना। गवर्नर 3 विकल्पों का इस्तेमाल करते समय अपनी समझ का इस्तेमाल करते हैं।संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल की शक्तियां उनके विवेक पर निर्भर हैं। किसी विधेयक पर फैसला लेते समय राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे नहीं हैं।कोर्ट मेरिट में नहीं जा सकता, लेकिन लंबे समय तक, बिना किसी वजह के, या अनिश्चित देरी होने पर, कोर्ट सीमित निर्देश जारी कर सकता है। राष्ट्रपति के साथ भी ऐसा ही है। न्यायिक समीक्षा पर पूरी तरह रोक है, लेकिन लंबे समय तक कार्रवाई न करने की स्थिति में, संवैधानिक कोर्ट अपने संवैधानिक पद का इस्तेमाल कर सकता है।बेंच ने कहा- गवर्नर या राष्ट्रपति के लिए न्यायिक रूप से समय सीमा तय करना सही नहीं है। राज्यपाल की मंजूरी को कोर्ट नहीं बदल सकता।

350% टैरिफ की धमकी पर मोदी का फोन आया : ट्रम्प

पहले ट्रम्प ने 250% टैरिफ लगाने वाला बयान दिया था

वॉशिंगटन डीसी, 20 नवंबर (एजेंसियां)।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि उन्होंने 350% टैरिफ लगाने की धमकी देकर भारत-पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाई थी।ट्रम्प ने अमेरिका-सऊदी इन्वेस्टमेंट फोरम में बुधवार को बोलते हुए कहा, मुझे सबसे पहले पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का फोन आया था। उन्होंने शुक्रिया कहा और बताया कि मैंने लाखों जानें बचाई हैं।इसके बाद ट्रम्प ने दावा किया कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का फोन आया। मोदी ने कहा, हम खत्म कर चुके हैं। ट्रम्प ने पूछा, क्या खत्म कर चुके हो? इस पर मोदी ने बताया, हम जंग नहीं करने जा रहे हैं।ट्रम्प यह दावा 60 बार से ज्यादा दोहरा चुके हैं कि मई में भारत-पाकिस्तान के बीच जो तनाव कम हुआ, वह उनकी दखलअंदाजी की वजह से हुआ। जबकि भारत लगातार कह रहा है कि सीजफायर में कोई तीसरा देश शामिल नहीं था और संघर्ष विराम भारत और पाकिस्तान की सीधी बातचीत के बाद हुआ।इससे पहले ट्रम्प ने 29 अक्टूबर को साउथ कोरिया में हो रही एपेक सीईओ समिट में भी भारत-पाकिस्तान तनाव का जिक्र किया था। ट्रम्प ने कहा कि जब दोनों देश लड़ रहे थे तो मैंने दोनों से जंग रोकने को कहा, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।ट्रम्प ने दावा किया था कि उन्होंने दोनों देशों पर 250% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इसके दो दिन बाद दोनों ने फोन किया और सीजफायर पर सहमति जता दी। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भी तारीफ की। मुनीर को उन्होंने जबरदस्त फाइटर बताया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 10 नवंबर को कहा था कि भारत और अमेरिका एक नए व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत पर लगे टैरिफ को धीरे-धीरे कम करेगा।

ट्रम्प ने कहा, 'वे मुझसे अभी प्यार नहीं करते, लेकिन वे मुझसे फिर प्यार करेंगे। हमें एक अच्छा सौदा मिल रहा है।'भारत पर टैरिफ कम करने के सवाल पर ट्रम्प ने कहा कि भारत पर ऊंचे टैरिफ रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाए गए थे, लेकिन अब भारत ने रूसी तेल की खरीद बहुत कम कर दी है। उन्होंने कहा, 'हां, हम टैरिफ कम करेंगे।'ट्रम्प ने कहा, 'भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है, दुनिया का सबसे बड़ा देश है और इसकी आबादी 1.5 अरब से ज्यादा है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमारे शानदार संबंध हैं और सर्जियो ने इसे और बढ़ाया है।'ट्रम्प ने आगे कहा, 'भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाला वर्ग भी है, और यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक सुरक्षा साझेदार है। राजदूत के रूप में सर्जियो हमारे देश के बंधन को मजबूत करने, प्रमुख अमेरिकी उद्योगों में निवेश को बढ़ावा देने, अमेरिकी ऊर्जा निर्यात को बढ़ाने और हमारे सुरक्षा सहयोग का विस्तार करने के लिए काम करेंगे।'

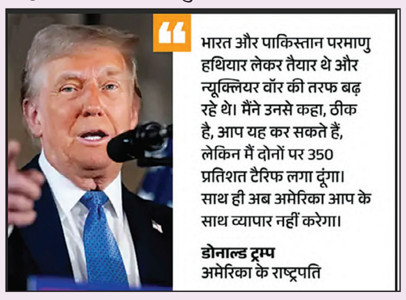

"भारत और पाकिस्तान परमाणु हथियार लेकर तैयार थे और न्यूक्लियर वॉर की तरफ बढ़ रहे थे। मैंने उनसे कहा, ठीक है, आप यह कर सकते हैं, लेकिन मैं दोनों पर 350 प्रतिशत टैरिफ लगा दूंगा। साथ ही अब अमेरिका आप के साथ व्यापार नहीं करेगा।
डोनाल्ड ट्रम्प
अमेरिका के राष्ट्रपति

बंगाल में फर्जी मतदाताओं की पहचान करेगा एआई

कोलकाता, 20 नवंबर (एजेंसियां)।
केंद्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान फर्जी मतदाताओं की पहचान करने के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस) आधारित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करेगा। एआई प्रणाली मतदाता डाटाबेस में तस्वीरों का विश्लेषण करके फर्जी मतदाताओं की पहचान करने में मदद करेगी।

पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईओ) कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सॉफ्टवेयर फर्जी फोटो वाले मतदाता का पता लगाने के लिए 'चेहरे की पहचान ' फीचर का इस्तेमाल करेगा। अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर यूनीवार्ता को बताया, एआई-आधारित सॉफ्टवेयर फेस रिकग्निशन फीचर के जरिए फर्जी मतदाताओं की पहचान करेगा।अधिकारियों के अनुसार बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया जिसमें एन्यूमरेशन फॉर्म (ईएफ) बांटना, इकट्ठा करना और डिजिटाइजेशन का काम 25-26 नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन होगा। सीईओ कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि एआई प्रणाली उन मामलों का पता लगाने में मदद करेगी जहां एक ही फोटो का इस्तेमाल कई मतदाताओं का प्रमाणपत्र बनाने के लिए किया गया है।विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि प्रवासी मजदूरों के नामांकन के दौरान ऐसा फर्जीवाड़ा आम बात है और उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल मरे हुए या नकली वोटरों को रजिस्टर करने के लिए किया जाता है। जबकि नेशनल पोल पैनल का मानना है कि एआई इस समस्या को रोकने में मदद कर सकता है।अधिकारियों ने बल दिया कि केवल एआई पूरी पारदर्शिता पक्का नहीं कर सकता। बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) डोर-टू-डोर चेकिंग के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें हर मतदाता का विवरण और तस्वीर सत्यापित करनी होगी।उल्लेखनीय है कि 4 नवंबर को शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया से पता चला है कि बंगाल में लगभग दो करोड़ मतदाताओं को अभी भी 2002 की निर्वाचक नामावली से अपना लिंक जोड़ना है।

चालू वित्त वर्ष में रक्षा उत्पादन 1.75 लाख करोड़ रुपए ले जाने का लक्ष्य

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।
वित्त वर्ष 2024-25 में अब तक का सर्वाधिक 1.54 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन किया गया है। वहीं भारत का चालू वित्त वर्ष मंर रक्षा उत्पादन को 1.75 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य है। केंद्र सरकार के मुताबिक वह यह लक्ष्य हासिल करने की राह पर है। इसके साथ ही सरकार ने 2029 तक रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इससे देश स्वयं को वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर सकेगा। केंद्र सरकार के मुताबिक यह आत्मनिर्भर भारत की ताकत का प्रमाण है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीप-टेक एवं अत्याधुनिक परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने हेतु 500 करोड़ रुपए के विशेष कोष को मंजूरी दी है। यह पहल शिक्षा जगत, स्टार्टअप्स और उद्योगों के बीच सीधा सहयोग स्थापित कर

रक्षा नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बना रही है। आयुध कारखानों का पुनर्गठन और सात नई रक्षा कंपनियों का गठन कार्यात्मक स्वायत्तता बढ़ाने, दक्षता सुधारने और आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। निजी क्षेत्र रक्षा उद्योग में ड्रोन, एवियोनिक्स और अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार लगभग 16,000 एमएसएमई देश के रक्षा नवाचार परिदृश्य में गेम-चेंजर के रूप में उभर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार साल 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया गया है। इन गतिविधियों का उद्देश्य सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से उन्नत, युद्ध के लिए तैयार बल में बदलना है, जो मल्टी-डोमेन एकीकृत संचालन में सक्षम हो। साथ ही रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ाना और 2029 तक 50,000 करोड़ रुपए के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करना है।

भारत का स्वदेशी रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड 1,27,434 करोड़ रुपए पहुंचा है। यह वर्ष 2014-15 के 46,429 करोड़ रुपए की तुलना में 174 प्रतिशत की वृद्धि है।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत नीति और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाली सशक्त नीतिगत पहलों का परिणाम मानी जा रही है। वर्तमान में भारत अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया सहित 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है। कुल रक्षा उत्पादन में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) और अन्य सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान लगभग 77 प्रतिशत है, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत तक पहुंच गया है। पिछले दशक में आरंभ किए गए नीतिगत सुधारों से पहले भारत का रक्षा क्षेत्र अनेक संरचनात्मक चुनौतियों से जूझ रहा था।रक्षा खरीद प्रक्रियाएं अत्यंत धीमी थीं, जिसके कारण आवश्यक क्षमताओं में गंभीर परेशानियां उत्पन्न हो रही थीं। अत्यधिक आयात निर्भरता ने न केवल देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ाया, बल्कि वैश्विक अस्थिरता के समय भारत की सामरिक कमजोरियों को भी उजागर किया।

निजी क्षेत्र की भागीदारी नगण्य थी। परिणामस्वरूप, रक्षा निर्यात का स्तर अत्यंत निम्न रहा था।

8वें सीपीसी में गैर-अंशदायी पेंशन योजनाओं की अवित्तपोषित लागत, इससे चिंतित हुए 65 लाख पेंशनर

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।
भारत पेंशनभोगी समाज (बीपीएस) ने केंद्र सरकार के आठवें वेतन आयोग के लिए जारी संदर्भ की शर्तें यानी 'टीओआर' में लिखे कुछ शब्दों को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह चिंता केंद्र सरकार के 65 लाख पेंशनर, जिनमें पारिवारिक पेंशनर भी शामिल हैं, को हो रही है। टीओआर में लिखा है 'गैर-अंशदायी पेंशन योजनाओं की अवित्तपोषित लागत', यही वो शब्द हैं, जिसे हटाने के संबंध में भारत पेंशनभोगी समाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित, डीओपीटी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, सचिव (डीओपी एंड पीडब्ल्यू), सचिव व्यय विभाग को 17 नवंबर को पत्र लिखा है। भारत पेंशनभोगी समाज के महासचिव अविनाश राजपूत द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है कि आठवें वेतन आयोग की 'संदर्भ की शर्तों' में पेंशन को लेकर आपत्तिजनक शब्दावली का इस्तेमाल हुआ है। पुरानी पेंशन योजना

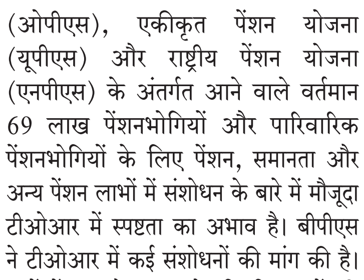

(ओपीएस), एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के अंतर्गत आने वाले वर्तमान 69 लाख पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए पेंशन, समानता और अन्य पेंशन लाभों में संशोधन के बारे में मौजूदा टीओआर में स्पष्टता का अभाव है। बीपीएस ने टीओआर में कई संशोधनों की मांग की है। इनमें पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों की संरचना को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों की जांच करना, जिसमें पेंशन में संशोधन, किसी भी तिथि को सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों (अर्थात, जो 01.01.2026 से पहले या 01.01.2026 के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं) के मामले में पेंशन में समानता शामिल है। आठवें वेतन आयोग के संदर्भ-विषयों के कुछ महत्वपूर्ण पहलू, जिन पर सेवारत कर्मचारियों और पेंशनभोगियों, दोनों के व्यापक हित में पुनर्विचार व उचित संशोधन किए जाने की आवश्यकता है। यह एक स्थापित मानदंड है कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और पेंशन संबंधी लाभों का संशोधन हर दस वर्ष में एक बार, एक निश्चित कार्यान्वयन तिथि के साथ होता है। चौथा वेतन आयोग 01.01.1986, पांचवां वेतन आयोग 01.01.1996, छठा वेतन आयोग 01.01.2006 और सातवां वेतन आयोग 01.01.2016 से लागू हुआ है। इस स्थापित मिसाल को देखते हुए, यह स्वतः और न्यायोचित है कि आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों को 01.01.2026 से लागू किया जाए। सबसे गंभीर चिंता, कार्य-दिवस के पैरा (ई)(ळळ) में गैर-अंशदायी पेंशन योजनाओं की अवित्तपोषित लागत वाक्यांश के प्रयोग से उत्पन्न होती है। यह शब्दावली आयोग के दायरे में पेंशनभोगियों के अधिकारों और हितों को स्वीकार नहीं करती है। संवैधानिक तथा न्यायिक रूप से संरक्षित पेंशन अधिकारों को अनुचित रूप से केवल वित्तीय दायित्वों के बराबर मानती है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पेंशन की प्रकृति की बार-बार पुष्टि करते हुए यह निर्णय दिया है कि पेंशन कोई उपहार नहीं, बल्कि एक अधिकार है। डीएस नाकारा निर्णय में, न्यायालय ने कहा कि पेंशन एक सामाजिक कल्याणकारी उपाय है जो उन लोगों को सामाजिक-आर्थिक न्याय प्रदान करता है जिन्होंने अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ समय में नियोक्ता के लिए निरंतर परिश्रम किया। विजय कुमार बनाम सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया मामले में, न्यायालय ने निर्णय दिया कि पेंशन अनुच्छेद 300ए के तहत एक संवैधानिक अधिकार है। यह ध्यान देने योग्य है कि सांसदों, सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों, या अन्य संवैधानिक पदाधिकारियों की पेंशन के संदर्भ में ऐसी शब्दावली का कभी भी उपयोग नहीं किया गया है, जिनकी पेंशन भी गैर-अंशदायी है और भारत की संचित निधि से प्राप्त होती है।

ईडी ने नकली समन के मामलों से निपटने के लिए क्यूआर कोड सत्यापन शुरू किया

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नाम पर धोखाधड़ी और जबरन वसूली के लिए नकली समन भेजे जाने की बढ़ती खबरों के बीच ईडी ने नागरिकों को समन नोटिस की असलियत सत्यापित करने में मदद करने के लिए नए तरीके लागू किए हैं।

वित्त मंत्रालय ने आज अपने आधिकारिक अकाउंट के जरिये इसकी घोषणा की।नकली ईडी समन असली नोटिस जैसे ही होते हैं, जिससे पाने वालों के लिए सही और गलत के बीच फर्क करना मुश्किल हो जाता है। इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिए ईडी अब सिस्टम से बनने वाले समन जारी कर रहा है जिसमें एक क्यूआर कोड और एक यूनिक पासकोड होता है।वित्त मंत्रालय ने कहा, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी किए गए समन को उन पर छपे क्यूआर कोड को स्कैन करके या आधिकारिक ईडी वेबसाइट पर जाकर सत्यापित किया जा सकता है। ईडी ने यह भी साफ़ किया कि वह डिजिटल या ऑनलाइन गिरफ्तारी नहीं करता है। ईडी ने नागरिकों को नकली लोगों से सावधान रहने की सलाह दी है।

ईडी ने नागरिकों से अपील है कि वे कोई भी कदम उठाने से पहले सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध समन को सत्यापित करें, ताकि वे ईडी अधिकारी बनकर धोखा देने वालों का शिकार न बनें। इ

स पहल का मकसद लोगों का भरोसा वापस लाना और ईडी के कानूनी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाना है।

कार्टून कॉर्नर

शानदार खेल एवं बांडिंग कार्यक्रम का आयोजन

अपने सारे रोल भूल जाइए और सिर्फ खुद को सेलिब्रेट कीजिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ ने वीरडेंसी रिसॉर्ट में पूरे दिन का एक शानदार खेल एवं बांडिंग कार्यक्रम 'खेल खेल में' आयोजित किया, जिसमें 80 से अधिक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हरियाली से घिरा यह जगह, सुबह से ही ऊर्जा, उल्लास और टीम स्पिरिट की आवाजों से गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरुआत पावन नवकार मंत्र से हुई, जिसने पूरे वातावरण को शांति और सकारात्मकता से भर दिया। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी प्रतिभागियों का अत्यंत गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए कहा कि आज का दिन हर महिला के लिए खुद को जीने का, अपनी खुशी को प्राथमिकता देने का और अपने मन को हल्का करने का अवसर है।

उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा आज अपने सारे रोल भूल जाइए और सिर्फ खुद को सेलिब्रेट कीजिए। आज का दिन सिर्फ खेलों का नहीं, यह हर उस महिला का उत्सव है जो रोज खुद को भूलकर सबके लिए जीती है। कभी-कभी जीतने से ज्यादा जरूरी खुद को जीने का मौका होता है, और आज वही दिन है। खेल सिर्फ मैदान नहीं बदलते, मन की थकान भी मिटा देते हैं। जो महिलाएं घर संभालती हैं, दुनिया संभालती है, आज हम उन्हें खुद को संभालने का मौका दे रहे हैं। उनके इन शब्दों ने हर महिला के चेहरे पर मुस्कान और दिल में नई ऊर्जा भर दी। जीतो महिला विंग कन्वीनर प्रवीण सोफाड़िया ने कहा कि महिलाएं इस दिन को पूरे दिल से अपने लिए जिएं, क्योंकि परिवार और जिम्मेदारियों के बीच ऐसे पल बहुत कम मिलते हैं। जेबीएन कन्वीनर महावीर भंसाली ने अपने संबोधन में कहा कि वास्तविक नेटवर्किंग ऐसे अनौपचारिक और सहज माहौल में ही बनती है, और प्रत्येक सदस्य को आज नए दोस्त बनाने चाहिए। श्रमण आरोग्यम की एपेक्स कन्वीनर सुनीता गांधी ने महिला विंग की एकता और गर्मजोशी की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समूह को न सिर्फ जोड़ते हैं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति अपनापन भी बढ़ाते हैं। छोटे गृह व्यवसाय मॉडल्स की एपेक्स कन्वीनर बिंदु रायसोनी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि जीतो लेडीज विंग, हर महिला को एक मंच देती है जहां वह अपनी पहचान मजबूत कर सकती है। उन्होंने बबीता रायसोनी और निधि पारलेचा की नेतृत्व क्षमता और सदस्यों के प्रति उनकी निष्ठा को सराहते हुए यह भी कहा कि ऐसे कार्यक्रम महिलाओं में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता का भाव जगाते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब महिलाएं एक साथ खेलतीं, बल्कि नई सोच, नई ऊर्जा और नई प्रेरणा लेकर जाती हैं।

ऐसे आयोजन केवल एक दिन की खुशियां नहीं देते, ये आने वाले कई दिनों तक मन को मजबूत और प्रसन्न रखते हैं। इसके बाद हुए आइस-ब्रेकर गेम ने पूरे माहौल को हंसी और मस्ती से भर दिया। खेल शुरू होते ही ऐसा लगा मानो सभी महिलाएं अपने बचपन में लौट आई हों। आइस ब्रेकर के तुरंत बाद सभी प्रतिभागियों को चार टीमों, रेड, ब्लू, येलो और गोल्ड, में बांटा गया।

चारों टीमों में गजब का उत्साह और साथीभाव देखने को मिला। संयोजिका साक्षी नाहार और सहसंयोजिका कविता मूथा ने पूरे खेलों की सूची, नियम और प्रक्रियाएं बेहद स्पष्ट, आसान और मजेदार अंदाज में समझाईं। उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि हर सदस्य कम से कम दो खेल अवश्य खेलेंगी, क्योंकि यह दिन सिर्फ जीतने का नहीं बल्कि भागीदारी के गर्व का है। इसके बाद चारों टीमों ने रणनीतियां बनानी शुरू कीं, कौन किस खेल में उतरेगा और किसकी ताकत किस चुनौती में चमकेगी, इसको लेकर सारी टीमों में खेल भावना से भरपूर हलचल दिखी।

इसके बाद तेज-तर्रार एक मिनट गेम्स की श्रृंखला शुरू हुई, जिसमें पेपर टॉस, हेड-बॉटल रिले, सिट-अप चैलेंज, डक वॉक, स्किपिंग, सूर्य नमस्कार और बैलून कप चैलेंज शामिल थे। मैदान लगातार तालियों, हंसी और उत्साह से गूंजता रहा। कई सदस्यों ने कहा कि वर्षों बाद उन्होंने इतना हल्कापन और खुशी महसूस की है। इसके बाद हुए टीम गेम्स, हॉपस्कॉच रिले, पजल चैलेंज, पासिंग द बलून और अंताक्षरी ने पूरे कार्यक्रम में और रोमांच भर दिया। महिलाएं गाती, नाचती, एक-दूसरे को चीयर करती हुई एक शानदार टीम भावना का परिचय दे रही थीं। इन खेलों में ब्लू टीम ने खेल खेल में चैम्पियंस घोषित किए और येलो टीम, उप-विजेता बनी। दिन भर के खेलों ने महिलाओं के बीच दोस्ती, अपनापन और आपसी जुड़ाव को और मजबूत किया। कई प्रतिभागियों ने व्यक्त किया कि ऐसे आयोजन हर महीने होने चाहिए, क्योंकि ये न सिर्फ तनाव दूर करते हैं, बल्कि जीवन में नई ताजगी भी भरते हैं। संचालन की जिम्मेदारी निधि पारलेचा ने संभाली और उनकी ऊर्जा तथा चुलबुली एंकरिंग ने पूरे कार्यक्रम में लगातार उत्साह बनाए रखा। कार्यक्रम की सफलता में उपाध्यक्ष लता बोहरा, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, संयुक्त सचिव चंद्रा जैन तथा प्रबंधन समिति की सदस्याएं संगीता सियाल, हेमा सोलंकी, सोमना सिसोदिया, नीतु गुलेचा और रेखा विनोद जैन का विशेष योगदान रहा।

शाम ढलने तक भी प्रतिभागियों का उत्साह कम नहीं हुआ और सभी महिलाओं ने कहा कि दिन कब बीत गया पता ही नहीं चला। यह आयोजन केवल खेलों का दिन नहीं था, बल्कि खुद को फिर से खोजने, खुशियों को जीने और दोस्ती को मजबूत करने का एक अनोखा अवसर था। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ का यह कार्यक्रम वर्ष के सबसे यादगार आयोजनों में एक बन गया और प्रतिभागियों के दिलों में लंबे समय तक ऊर्जा और मुस्कान छोड़ गया।

जेबीएन स्वयं वीप्रेन्योर्स की द्वि-मासिक व्यवसायिक मिलन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेबीएन स्वयं वीप्रेन्योर्स, जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ का द्वि-मासिक व्यवसायिक मिलन इस बार, एम क्यूब स्पेसेस में आयोजित किया गया, जो कि सदस्य आयुषी मेहता का खूबसूरत और सौंदर्यपूर्ण इंटीरियर स्टूडियो है। रचनात्मकता से भरे इस स्थल ने पूरे कार्यक्रम को एक विशेष गरिमा और आकर्षण प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र मंत्र के उच्चारण से हुई, जिसने वातावरण में शांति, सकारात्मकता और आध्यात्मिक ऊर्जा भर दी। रिफरल हेड निशा कोठारी ने सभी सदस्यों का आत्मीय स्वागत किया और अपने सौम्य लेकिन प्रभावी नेतृत्व से बैठक का स्वरूप और भी सशक्त बना दिया। सदस्यों ने अपने व्यवसायों का संक्षिप्त 30 सेकंड का परिचय दिया, जिसमें समूह की विविधता, प्रतिभा और उद्यमशीलता की चमक स्पष्ट दिखाई दी। बैठक के दौरान सात रेफरल साझा किए गए और कई वन-टू-वन चर्चाएं हुईं। इस सत्र में कुल 36.020 का व्यवसाय उत्पन्न हुआ, जिससे अब तक का संचयी व्यवसाय बढ़कर 622 8420 हो गया है। रेफरल लीड राजुल धोका के निरंतर समर्पण, फॉलो-अप प्रणाली और व्यवस्थित कार्यशैली की सभी सदस्यों ने प्रशंसा की, जिन्होंने समूह में बिजनेस एक्सचेंज की संस्कृति को मजबूत आधार दिया है। सेक्रेटरी सलोनी नेताणी ने अपने उत्कृष्ट समन्वय, समयबद्ध संचालन और सटीक डॉक्यूमेंटेशन से बैठक को सहज और सुव्यवस्थित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऑफिस दर्शन के दौरान सदस्यों ने एम क्यूब स्पेसेस की सुंदरता, डिजाइन के प्रति सजग दृष्टिकोण और आयुषी मेहता की रचनात्मक सोच का अनुभव किया। उनके काम में दिखाई देने वाली बारीकियों और पेशेवर अंदाज ने सभी को प्रभावित किया। बैठक के आगे का हिस्सा सार्थक व्यावसायिक चर्चाओं, सहयोगी विचार-विमर्श और मजबूत नेटवर्किंग से भरा रहा। हर सदस्य ने एक-दूसरे के व्यवसाय को समझने, सहयोग करने और मिलकर आगे बढ़ने की भावना को और दृढ़ किया। सत्र का समापन अनौपचारिक बातचीत और स्नैक्स के साथ हुआ, जहां सदस्यों ने नए उत्साह, प्रेरणा और जुड़ाव के साथ आगामी महीनों की योजनाएं साझा कीं। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी और चीफ सेक्रेटरी निधि पारलेचा ने शुभकामनाएं भेजते हुए वीप्रेन्योर्स के निरंतर प्रगति, एकता और व्यावसायिक उपलब्धियों की सराहना की। उनका प्रोत्साहन पूरे आयोजन के लिए उत्साहवर्धक रहा। यह आयोजन एक बार फिर सिद्ध कर गया कि जब महिलाएं एकजुट होकर सहयोग के साथ आगे बढ़ती हैं, तो न सिर्फ व्यवसाय, बल्कि संपूर्ण समुदाय निरंतर प्रगति की ओर बढ़ता है।

बेंगलूरु डिवीजन में चल रहे महत्वपूर्ण सुरक्षा बुनियादी ढांचे की समीक्षा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दपरे महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने केएसआर बेंगलूरु-व्हाइटफील्ड खंड का विस्तृत निरीक्षण किया और बेंगलूरु डिवीजन में चल रहे महत्वपूर्ण सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और क्षमता वृद्धि कार्यों की समीक्षा की। केएसआर बेंगलूरु स्टेशन पर, महाप्रबंधक ने स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया और चल रहे पिटलाइन निर्माण की समीक्षा की, प्रगति का आकलन किया और अधिकारियों को समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने की सलाह दी। बेंगलूरु छावनी में मुकुल सरन माथुर ने स्टेशन पुनर्विकास परियोजना, जिसका उद्देश्य यात्री सुविधाओं को महत्वपूर्ण रूप से उन्नत करना और बुनियादी सुविधाओं को आधुनिक बनाना है, का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को परियोजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। यात्रा के दौरान, महाप्रबंधक ने बेंगलूरु छावनी और व्हाइटफील्ड के बीच चौगुना कार्य की भी समीक्षा की, जो एक महत्वपूर्ण क्षमता वृद्धि परियोजना है जिसका उद्देश्य भीड़भाड़ को कम करना और परिचालन दक्षता में सुधार करना है। अजय शर्मा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), आशुतोष माथुर, मुख्य अभियंता (निर्माण), परीक्षित मोहनपुरिया, अपर मंडल रेल प्रबंधक, गतिशक्ति के मुख्य परियोजना प्रबंधक गुल अशफाक मोहम्मद और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आप दूसरों का सम्मान करना सीखिए: साध्वी भव्यगुणा

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि आप दूसरों का सम्मान करना सीखिए, इससे आपके सम्मान की रक्षा होगी। नियम है- दूसरों के साथ वैसा व्यवहार करिए जैसा अपने लिए चाहते हैं। किसी को 'तू' कहकर मत पुकारिए। यह असभ्य भाषा का शब्द है, जिसको अध्यात्म मार्ग के पथिक को जल्द से जल्द अपने शब्दकोश में से निकालकर बाहर कर देना चाहिए। अच्छा हो कि आप आज से ही-अभी से ही इसी घड़ी से ही 'तू' का उच्चारण भुला देने का प्रयत्न करना आरंभ कर दें। नौकरों को, बालकों को, स्त्रियों को, छोटों को, किसी को भी 'तू' कहकर मत पुकारिए। यह अपमानसूचक शब्द जिसके लिए कहा जाता है उसके आत्म-गौरव को गिरा देता है। वैसे तो 'आप' शब्द ही सबके लिए ठीक है पर अधिक से अधिक ढील यह रखी जा सकती है कि 'तुम' शब्द का प्रयोग कर लिया जाए। यह 'तुम' भी मधुर स्वर में हलके ढंग से इस प्रकार प्रयोग करना चाहिए, जिसमें आदरसूचक ध्वनि निकलती हो। कटु शब्द बोलकर अपना और दूसरों का दिल दुखाने से क्या लाभ। जब उसी बात को नरमी के साथ कहा जा सकता है और उसका प्रभाव भी अधिक होता है, तब नाराज होकर अपना खून सुखाने, दुर्गुण बढ़ाने और दूसरे को चिढ़ाने से क्या लाभ होता है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि ईमानदारी से चलने और मधुर भाषण एवं शिष्ट व्यवहार के आधार पर आत्मसम्मान मिलता है। राहुल जैन ने बताया कि साध्वीवृंद की सेवा में पुलिस सुरक्षा के साथ विहार का लाभ ले रहे है। उन्होंने सभी सेवारत पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त किया।

राजाजीनगर महिला मंडल ने सखी समिट का किया आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिलामंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिलामंडल राजाजीनगर द्वारा युवती विभाग के लिए 'सखी समिट -उड़ान संस्कारों की' कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र उच्चारण से हुई। अध्यक्ष सुनिता कोठारी ने आई हुई युवतियों का स्वागत करते हुए उन्हें सभी मंडल की गतिविधियों में हमेशा सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। मंत्री अरुणा कोठारी ने मण्डल के आने वाले आयामों की जानकारी दी। क्या डिग्री से मिलती है डगर इस विषय पर जोनल ट्रेनर शेफाली मांडोत ने बहुत ही रोचक और प्रेरणादायक चर्चा करवाई। उन्होंने कहा की डिग्री के साथ अपनी प्रतिभा का सही उपयोग करके मनचाही डगर को पा सकते हैं। युवतियों के लिए आध्यात्मिक गेम्स भी रखें गए। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सुरेखा श्रीश्रीमल ने आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में 20 युवतियों की सहभागिता रही। कैबिनेट और कार्यकारिणी बहनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री अरुणा कोठारी ने किया।

सीरवी समाज कर्नाटक बलेपेट वडेर में दी आमंत्रण पत्रिका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चिकबल्लापुर में सीरवी समाज द्वारा आईमाता वडेर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 3 से 6 दिसंबर तक होने जा रहा है। इस चार दिवसीय कार्यक्रम में सीरवी समाज बलेपेट वडेर के पदाधिकारियों को प्रत्रिका देकर आमंत्रित किया गया है। समाज के पदाधिकारियों ने उन्हें आमंत्रण पत्रिका देकर इस महत्वपूर्ण अवसर पर उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। इस अवसर पर सीरवी समाज बलेपेट वडेर के अध्यक्ष हरिराम गहलोत, कोषाध्यक्ष मोतीराम लचेटा, खेलमंत्री कैलाश भायल सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। चिकबल्लापुर वडेर के सचिव नेमीचन्द राठौड़ ने बताया कि यह कार्यक्रम धर्मगुरू दीवान माधवसिंह और बाबा मंडली के पावन सानिध्य में सम्पन्न होगा। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष बाबूलाल सनपरा, पूरणराम राठौड़, चंद्र प्रकाश काग और सम्पत आगलेचा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहेंगे।

95वीं अन्नदान महाप्रसादी में हजारों लाभान्वित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मानव सेवा में अग्रणी बेंगलूरु में प्रतिमाह अमावस्या पर अन्नदान करने वाली संस्था श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा गुरुवार को 95वां अन्नदान महाप्रसादी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल जैन ने बताया कि समिति के मासिक सदस्यों के समन्वित सामूहिक सहयोग से आयोजित उक्त अन्नदान कार्यक्रम में करीब 4 हजार से अधिक लोगों ने महाप्रसादी को ग्रहण किया। मैसूर बैंक सर्किल स्थित श्री हनुमानजी मंदिर के समीप हुए इस प्रतिमाह के कार्यक्रम में समिति के कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, गौतमचंद छाजेड़, सूरज बंब, यशवंत सालेचा, मनु बाफना, अनिल पोकरणा, श्रुति जैन, रितु संचेती, सीमा मेहता, विनोद चोरड़िया, रितु समदरिया, राजू आंचलिया, दिलीप समदरिया, अशोक समदरिया, मंजू राव सहित समिति के अनेक सेवाभावी सदस्यों ने अन्नदान के सेवा सहयोग में अपना अपना योगदान दिया। मनोहर बाफना ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कर्नाटक के कलबुर्गी पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में साइबर क्राइम ट्रेनिंग लैब बनाई गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (ट्रेनिंग) आलोक कुमार ने कहा कि साइबर क्राइम एक कॉम्प्लेक्स और ऑर्गनाइज्ड क्रिमिनल नेटवर्क बन गया है जो कई देशों में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम का नेचर अब सिर्फ ऑनलाइन फ्रॉड से कहीं आगे निकल गया है। कलबुर्गी में मीडिया वालों से बात करते हुए, आलोक कुमार ने कहा कि आज साइबर क्राइम में एक लेयर्ड स्ट्रक्चर है जहार 'फुट सोल्जर भारत के अंदर से काम करते हैं, बिचौलिए अलग-अलग देशों से काम करते हैं, जबकि टॉप-लेवल हैंडलर अक्सर गायब रहते हैं या उनका पता नहीं चल पाता। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन क्राइम का इंटरनेशनल पहलू लॉ-एनफोर्समेंट एजेंसियों के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी करता है। कर्मचारियों की क्षमता को मजबूत करने के लिए, कलबुर्गी पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में एक साइबर लैब बनाई गई

है। उन्होंने कहा कि डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (डीएससीआई), इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई4सी), और नेशनल पुलिस एकेडमी के एक्सपर्ट ट्रेनीज को हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दे रहे हैं। अधिकारियों को साइबर क्राइम की जांच, एआई से जुड़े अपराधों, एआई से चलने वाली जांच तकनीकों और नई टेक्नोलॉजी पर अपडेटेड मॉड्यूल की ट्रेनिंग दी जा रही है। आलोक कुमार ने कहा हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने बिना सहमति के अंतरंग तस्वीरों के फैलने को रोकने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर जारी किए थे और डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन रूल्स 2025 को नोटिफाई किया था और हम डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) एक्ट सहित बदलते नियमों और कानूनों के साथ भी तालमेल बिठा रहे हैं। आलोक कुमार ने आगे कहा कि पुलिस ट्रेनी को क्लाउड कंप्यूटिंग, क्वांटम टेक्नोलॉजी और ड्रोन के इस्तेमाल की जानकारी भी दी जा रही है, खासकर विस्फोटक हमलों के मामले में। दिल्ली ब्लास्ट की घटना का जिक्र करते हुए, उन्होंने 25 जुलाई, 2008 को बेंगलूरु में हुए सीरियल ब्लास्ट को याद किया और कहा कि डिपार्टमेंट ड्रोन-बेस्ड हमलों से निपटने की ट्रेनिंग को भी मजबूत करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस ट्रेनी एक साल के कड़े ट्रेनिंग प्रोग्राम से गुजरते हैं, जो उन्हें नई सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए बनाया गया है। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद, उन पर कम से कम अगले पांच सालों तक पुलिसिंग सिस्टम को मेहनत और ईमानदारी से बनाए रखने की जिम्मेदारी होती है। उन्होंने आगाह किया कि इस दौरान, ट्रेनी से उम्मीद की जाती है कि वे बिना किसी चूक के अपराधों का पता लगाने, रोकने और जांच करने के लिए अपनी स्किल्स का असरदार तरीके से इस्तेमाल करेंगे।

ईडी ने पूर्व मुडा आयुक्त के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), बेंगलूरु जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत मुडा साइट आवंटन घोटाले के संबंध में वर्तमान और पूर्व सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के लिए सत्र की विशेष अदालत में दिनेश कुमार (पूर्व मुडा आयुक्त) के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज की। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इस मामले में जांच के दौरान एकत्र किए गए सबूतों और दस्तावेजों ने आयुक्त के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मुडा में की गई व्यापक मनी लॉन्ड्रिंग योजना में दिनेश कुमार की सक्रिय भागीदारी का संकेत दिया था। ईडी ने मुडा साइटों के बड़े पैमाने पर अवैध आवंटन के आरोपों पर लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज एक एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। ईडी की जांच में विभिन्न कानूनों और सरकारी आदेशों,

दिशानिर्देशों का उल्लंघन करके और अन्य फर्जी तरीकों से मुडा साइटों के आवंटन में बड़े पैमाने पर घोटाले का खुलासा हुआ। ईडी के एक बयान में कहा गया है कि दिनेश कुमार की भूमिका अयोग्य संस्थाओं और लोगों को क्षतिपूर्ति साइटों के अवैध आवंटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर सामने आई थी। जांच के दौरान नकदी, बैंक हस्तांतरण, चल और अचल संपत्तियों के रूप में अवैध आवंटन करने के लिए रिश्वत लेने के संबंध में साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। अवैध आवंटन करने के तौर-तरीकों में अयोग्य लाभार्थियों की पहचान करना और सरकारी आदेशों का सीधा उल्लंघन करते हुए फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करके आवंटन करना और कुछ मामलों में आवंटन पत्रों को पिछली तारीख से जारी करना भी शामिल था। ऐसा कहा गया है कि इन अवैध आवंटनों को करने के लिए प्राप्त संतुष्टि एक सहकारी समिति और दिनेश कुमार के रिश्तेदारों, सहयोगियों के बैंक खातों के माध्यम से भेजी गई थी। इससे पहले, जांच के दौरान दिनेश कुमार को गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वह न्यायिक हिरासत में हैं।

सदन में सरकार को घेरने के लिए जेडीएस के साथ मिलकर करेंगे काम: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा है कि बेलगावी सत्र में सूखा राहत के मुद्दे को स्थायी नोटिस के रूप में पेश किया जाएगा। वह विधान सौधा के प्रथम तल पर एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले उन्होंने बेलगावी सत्र को लेकर जेडीएस विधान परिषद के सदस्यों के साथ बैठक की। एक सप्ताह पहले बीजेपी के उच्च सदन सदस्यों की बैठक हुई थी। उन्होंने इसी मुद्दे पर एनडीए के सहयोगी दल जेडीएस के सदस्यों से भी चर्चा की और कहा कि हमने बेलगावी सत्र में साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है। दोनों दलों के नेताओं ने बताया कि उन्होंने राज्य में इस सरकार द्वारा पैदा की गई आपदाओं, सड़कों के गड्ढों की समस्या, कर्नाटक की आर्थिक समस्या, कानून व्यवस्था की गिरावट और शिक्षा क्षेत्र में आपदाओं पर विचार करने का फैसला किया है। प्रदेश भर में किसानों की समस्याएं

बड़ी और तेजी से बढ़ती जा रही हैं। ये सरकार बोलती है, लेकिन, काम नहीं कर रहा। इस बात को ध्यान में रखते हुए हमें इस सदन में सरकार को चाबुक चलाने का काम करना चाहिए। लोगों की समस्याओं का अविलंब समाधान किया जाये। उन्होंने कहा कि हम किसानों की समस्याओं के बारे में मौलिक रूप से सोचने और उनका समाधान करने की बात पर भी विचार करेंगे। सरकार जो कहती है वह नहीं कर रही है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि वे ऐसा व्यवहार कर रहे हैं मानो उनको हमारी बात नहीं सुननी है और जो वे चाहते हैं वही करना है। उन्होंने बताया कि मैंने आगामी बेलगावी सत्र में उत्तरी कर्नाटक के ज्वलंत मुद्दों पर विशेष चर्चा को महत्व देने के लिए अध्यक्ष को भी लिखा है। मैंने मीडिया में देखा है कि 31 बिल सदन में पेश किये जायेंगे। उत्तरी कर्नाटक की समस्याओं का समाधान खोजने के लिए बेलगावी में एक सदन का आयोजन किया जाता है। गुलबर्गा से अलग राज्य की सुगबुगाहट पहले से ही थी। चलवाडी नारायणस्वामी ने आरोप लगाया कि इसका कारण सरकार द्वारा भेदभाव है। कित्तूर कर्नाटक भाग के लिए एक विकास बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए जैसा कि कल्याण कर्नाटक के विकास के लिए केकेआरडीबी द्वारा किया गया था। वहां भी विकास के लिए अधिक अनुदान दिया जाना चाहिए और अनुमति दी जानी चाहिए।

7 करोड़ लूट मामला : चित्तूर में मिली कार, आंध्र प्रदेश में आरोपियों की तलाश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूरे राज्य को हिलाकर रख देने वाली सात करोड़ रुपये से ज्यादा की डकैती मामले में अहम सुराग मिला है और वारदात में इस्तेमाल की गई कार आंध्र प्रदेश के चित्तूर में मिली है।

घटना के तुरंत बाद नगर पुलिस जागी और आरोपियों के पीछे लग गयी। उन्होंने तकनीकी और पारंपरिक तरीकों से जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जब अपराध में इस्तेमाल की गई कार की जांच की गई तो पता चला कि वह केआर पुरम पुलिस स्टेशन के तहत भट्टर हल्ली रोड से गुजर रही थी।

वहां से कार आंध्र प्रदेश चली गई और गुमनाम रूप से चित्तूर में रुकी। बताया जाता है कि आर-ोपी ने पैसे लेकर दूसरी गाड़ी ले ली और कार वहीं छोड़कर भाग गया। शहर पुलिस की एक टीम कार का निरीक्षण करने के लिए आंध्र प्रदेश गई है। तिरूपति, चित्तूर और आसपास के इलाकों

में पूछताछ की गई। वहां के लॉजों में तलाशी ली गयी। हाईवे के टोल से गुजरने वाले वाहनों की सीसीटीवी से जांच की गई। नगर पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से जांच तेज कर दी है। आरोपियों के चित्तूर से किसी अन्य स्थान पर भागने की संभावना की जांच की जा रही है। शहर में दूसरी टीम ने जांच तेज कर दी है और आरोपियों को गाड़ी मुहैया कराने और अन्य तरह से मदद करने के आरोप में कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ जारी है। ज्ञातव्य है कि आरबीआई अधिकारियों के भेष में लुटेरों ने शहर के जेपी नगर से एटीएम मशीनों में पैसे भरने जा रहे एक वाहन को अगवा कर लिया।

सिद्दापुर पुलिस स्टेशन से एक किलोमीटर दूर अशोक स्तंभ के पास गाड़ी रोकी गई और बंदूकधारियों और कस्टोडियन ने ड्राइवर का मोबाइल फोन छीन लिया और उन्हें अपनी गाड़ी में बैठा लिया। कर्मचारियों को थोड़ी दूरी पर ले जाया गया और आधे रास्ते में उतारकर भाग निकले। इस मामले ने न सिर्फ प्रदेश बल्कि देश में भी खूब हंगामा मचाया था। बेंगलूरु सिटी पुलिस को चुनौती दी गई है। शहर पुलिस सैकड़ों आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए चौबीसों घंटे अभियान चला रही है। इससे पहले शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने कहा कि शहर में 7 करोड़ की डकैती हुई थी और संबंधित लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित नहीं किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अगर तुरंत सूचना दी गयी होती तो हमारी पुलिस को लुटेरों को पकड़ने में मदद मिलती। उन्होंने बताया कि बुधवार दोपहर सिद्दापुर थाना क्षेत्र में एटीएम में पैसे भरने जा रहे वाहन को छिपाकर लुटेरों ने 7 करोड़ रुपये लूट लिये। पैसे ले जा रहे वाहन के ड्राइवर ने हमारी पुलिस को कुछ जानकारी दी। हमारे अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। खबर सुनते ही हमने शहर भर में नाकेबंदी कर दी और वाहनों की जांच की। हमने संयुक्त पुलिस आयुक्त, पश्चिमी क्षेत्र के नेतृत्व में 2-3 टीमों का गठन किया है।

पुनर्विकसित फूल बाजार जल्द ही मल्टी लेवल कार पार्किंग के साथ खुलेंगे: उदय गरुड़चार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु के गांधी बाजार और मल्लेश्वरम में पुराने फूल बाजारों का बहुत विलंबित पुनर्विकास पूरा हो गया है, और दोनों का उद्घाटन अगले दो महीनों में किया जाएगा। इसके साथ, दोनों वाणिज्यिक केंद्रों में पार्किंग संकट कम होने की उम्मीद है क्योंकि नए पुनर्विकसित बाजारों में विक्रेताओं के लिए दुकानों के साथ-साथ मल्टी लेवल कार पार्किंग (एमएलसीपी) सुविधाएं भी हैं। चिकपेट के विधायक उदय गरुड़चार ने कहा गांधी बाजार बाजार और एमएलसीपी पर काम खत्म हो गया है और जल्द ही इसका उद्घाटन किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु विकास मंत्री डी.के. शिवकुमार से उद्घाटन के लिए उपयुक्त समय मांगा है। 22 करोड़ की परियोजना पर काम अक्टूबर 2023 में शुरू हुआ और 2024 तक पूरा होने की उम्मीद थी, लेकिन इसमें देरी हुई। नए पुनर्विकसित बाजार में उन विक्रेताओं के लिए बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर 50 दुकानें होंगी जो पहले बाजार में वेंडिंग करते थे।

ऊपर की चार मंजिलें पार्किंग स्थल के रूप में काम करेंगी और 124 कारों को समायोजित कर सकेंगी। मल्लेश्वरम फूल बाजार के पुनर्विकास का बहुत विलंबित कार्य, जो लगभग एक दशक से चल रहा था, भी पूरा होने वाला है। यह परियोजना बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) द्वारा शुरू की गई थी। इसमें 188 विक्रेताओं को जगह दी जाएगी, जो पहले बाजार में वेंडिंग करते थे, भूतल पर, ऊपर एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स होगा। जबकि बेसमेंट में 323 कारों को रखा जा

सकता है, बाजार परिसर में निर्मित एक एमएलसीपी में अन्य 280 कारों को रखा जा सकता है, जिससे कुल क्षमता 603 कारों की हो जाएगी। जबकि बेंगलूरु के पारंपरिक बाजार केंद्रों में दो एमएलसीपी, जहां पार्किंग एक संकट है, स्वागतयोग्य है, उनकी प्रभावशीलता पर सवालिया निशान बना हुआ है। उदाहरण के लिए, जून 2024 में खोला गया फ्रीडम पार्क में एमएलसीपी, हलचल भरे पीट-मैजेस्टिक क्षेत्र के केंद्र में स्थित होने के बावजूद शुरू होने में विफल रहा है, जहां पार्किंग एक कठिन काम है। यह सुविधा 556 कारों और 445 दोपहिया वाहनों को समायोजित कर सकती है, लेकिन इसकी अधिभोग दर में कमी पाई गई है। यातायात पुलिस को अपनी अधिकतम क्षमता पर काम करने के लिए एमएलसीपी के आसपास नो पार्किंग लागू करने की आवश्यकता है। जब कोई प्रवर्तन नहीं है, तो यात्री अपनी कारों को पार्क करने और क्षेत्र में खरीदारी के लिए पैदल चलने के लिए भुगतान क्यों करेंगे? उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने बेंगलूरु ट्रैफिक पुलिस को पत्र लिखकर फ्रीडम पार्क के आसपास 35 सड़कों पर ऑन-रोड पार्किंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। लेकिन कोई प्रवर्तन नहीं हुआ है। यातायात पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वाहनों को खींचने पर प्रतिबंध से ऐसे क्षेत्रों में नो पार्किंग लागू करने की उनकी क्षमता में बाधा उत्पन्न हुई है।

अधिकारी ने कहा ऑनलाइन चालान जारी करने से यात्रियों का व्यवहार बदलता नहीं दिख रहा है। नो पार्किंग लागू करने के लिए हमें ऐसे क्षेत्रों में वाहनों को खींचने की जरूरत है। हाल ही में एक समीक्षा बैठक में, बेंगलूरु के संयुक्त आयुक्त (यातायात) कार्तिक रेड्डी ने कहा कि गांधीनगर क्षेत्र में कुछ हिस्सों पर ऑन-रोड पार्किंग की अनुमति देने और फ्रीडम पार्क के आसपास नो पार्किंग को सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया गया है।

बेंगलूरु में कैश वैन से 7.11 करोड़ की लूट मामले के आरोपियों ने गाड़ियां बदलीं: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि 19 नवंबर को बेंगलूरु में 7.11 करोड़ की कैश वैन लूट में शामिल लोगों ने चोरी के तुरंत बाद गाड़ियां बदल ली थीं और नकली नंबर प्लेट का इस्तेमाल किया था, जिससे जांच और मुश्किल हो गई है। यहां गुरुवार को रिपोर्टर्स से बात करते हुए, डॉ. परमेश्वर ने कहा कि पुलिस के पास पक्के सुराग हैं, और भरोसा जताया कि दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा, अभी यह साफ नहीं है कि भागने के दौरान उन्होंने किस गाड़ी का इस्तेमाल किया था। यह जांच किया गया है कि

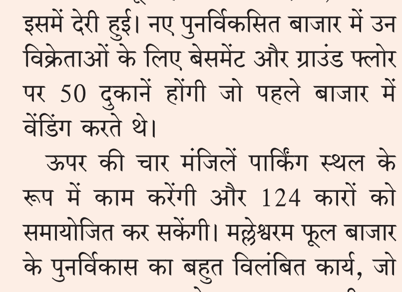

उन्होंने गाड़ियां बदली थीं और पैसे इधर-उधर किए थे। यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि क्या यह गाड़ी कर्नाटक से बाहर गई है। चोरी में इस्तेमाल की गई एक गाड़ी (टोयोटा इनोवा) का रजिस्ट्रेशन नंबर मारुति सुजुकी स्विफ्ट का था, जिसका मालिक एक ऐसा व्यक्ति था जो इस मामले से जुड़ा नहीं था। डॉ. परमेश्वर ने आगे कहा कि अधिकारी गैंग की मूवमेंट का पता लगाने के लिए बेंगलूरु और आस-पास के जिलों में सीसीटीवी कैमरा फुटेज की जांच कर रहे हैं। यह लूट 19 नवंबर की दोपहर को हुई, जब आरोपियों ने खुद को आरबीआई अधिकारी बताकर जयनगर के पास कैश वैन को रोका। उन्होंने गाड़ी को डेयरी सर्किल फ्लाईओवर की तरफ मोड़ दिया, जहां उन्होंने कथित तौर पर ड्राइवर को बंदूक की नोक पर धमकाकर कैश लूट लिया। गैंग ने कम से कम दो और गाड़ियों का इस्तेमाल किया, जो भागने वाली कारें हो सकती हैं।

ट्रैफिक पुलिस ने बेंगलूरु में 66 जगहों पर मल्टी लेवल कार पार्किंग के लिए नई तकनीक का प्रस्ताव दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु ट्रैफिक पुलिस ने मैकेनाइज्ड मल्टी लेवल कार पार्किंग (एमएलसीपी) फैसिलिटी बनाने के लिए एक नई टेक्नोलॉजी का प्रप-ोजल दिया है, जहां हाइड्रोलिक लिफ्ट सिस्टम का इस्तेमाल करके कारों को सीधा खड़ा किया जाता है। ये नौ-मंजिला मेटल के स्ट्रक्चर हैं जिन्हें कम जगह में बनाया जा सकता है, और इसके लिए कंक्रीट बिल्डिंग की जरूरत नहीं होती, जिससे ये कम जगह में सस्ते और एफिशिएंट दोनों बन जाते हैं। बेंगलूरु के जॉइंट कमिश्नर (ट्रैफिक) कार्तिक रेड्डी ने कहा यह टेक्नोलॉजी हैदराबाद में लागू की गई है और

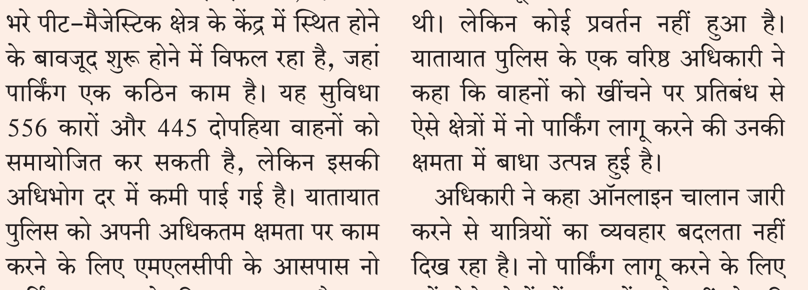

अच्छी तरह से काम कर रही है। कार मालिक अपनी कारों को बे एरिया में छोड़ सकते हैं, जहां उन्हें रोटेशनल पुली और लिफ्ट का इस्तेमाल करके खड़ा किया जाएगा, और बाद में उसी तरह नीचे लाया जाएगा। इसमें जगह भी कम लगती है। बीटीपी ने 66 जगहों की पहचान की है, ज्यादातर मेट्रो स्टेशनों के पास और बिजी कमर्शियल हब में जहां इन एमएलसीपी को लगाने के लिए जमीन उपलब्ध है, और जीबीए को एक प्रपोजल दिया है। यह बेंगलूरु में पार्किंग की समस्या पर हाल ही में हुई एक मीटिंग और बीटीपी और सिविक अधिकारियों को इसके लिए सॉल्यूशन निकालने के निर्देश के बाद हुआ है।

केंद्र सरकार के सहयोग से बिहार में राजग की सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी : नीतीश

पटना, 20 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरूवार को कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी।

राजग के नेता नीतीश कुमार ने आज दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।श्री कुमार ने 26 मंत्रियों के साथ ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित भव्य समारोह में शपथ ली। श्री कुमार ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद प्रदेश की जनता का आभार जताया और उन्हें धन्यवाद दिया है।

श्री कुमार ने एक्स पर लिखा, आज पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में बिहार की नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। आज के इस विशेष अवसर पर बिहार के लोगों को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद।

श्री कुमार ने लिखा, आज शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हृदय से धन्यवाद एवं आभार।साथ ही केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विभिन्न राज्यों से आए मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री, सभी गणमान्य लोगों एवं विशिष्ट अतिथियों का भी हार्दिक अभिनंदन। मुख्यमंत्री श्री कुमार ने कहा, बिहार के सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ केंद्र सरकार के सहयोग से बिहार में राजग की सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि बिहार के लोगों के सहयोग और आशीर्वाद से राजग सरकार बिहार को देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करेगी।

जोश और अभिवादन का प्रतीक बना गमछा

पटना,20 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दसवें शपथग्रहण समारोह में बिहारी गमछा जोश औए अभिवादन का प्रतीक बन गया।बिहार में सम्पन्न हुए चुनाव के दौरान आयोजित रैलियों में गमछा लहराना एक फैशन बन गया था और जब से प्रधानमंत्री मोदी ने गमछे को लहराया, इसकी तो पौ बारह हो गयी है। बस इसे गले मे लटकाओ और जब मन प्रसन्न हो जाये, तालियां बजाने की जगह इसी को लहराओ।

गमछा लहर रहे युवक राजीव तिवारी से पूछा तो पता चला जनाब भाजपा युवा मोर्चा के क्षेत्रीय पदाधिकारी हैं। यूनीवार्ता ने पूछा बड़े खुश नजर आ रहे हैं, गमछा लहरा रहे हैं। श्री तिवारी ने जवाब दिया गमछा प्रधानमंत्री को बहुत पसंद है और अब यह खुशी के साथ सम्मान का प्रतीक बन गया है। श्री तिवारी ने कहा कि कुछ लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का विरोध करने की मनसा से गमछे का भी विरोध करने लगते हैं।

उन्होंने कहा कि गमछा तो हमारी समृद्ध गंवाई संस्कृति का प्रतीक है। इसे, गले मे लटकाओ, जमीन पर बिछाओ या भूख लगे तो इसी में सतुआ सान के खाओ।

मंत्री शपथ ले रहे थे और जिन्हें भी दर्शक दीर्घा से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का अभिवादन करना था, बस गमछे को लहरा रहा थे। देखते देखते गमछा जोश का प्रतीक बन गया था। अब क्या कहें भाई गमछा, तू अतीत है, वर्तमान है, सभ्यता है, संस्कृति है, एक सोच है या जोशोखरोश है।

यूपी : पंचायत चुनाव की मतदाता सूची का मसौदा अब 23 दिसंबर को होगा प्रकाशित, राज्य निर्वाचन आयोग ने बढ़ाई डेट

लखनऊ,20 नवंबर (एजेंसियां)।

पंचायत चुनावों की मतदाता सूची को लेकर स्थानीय प्रशासन गंभीर नहीं दिख रहा है। यही वजह है कि राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से अब मतदाता सूची जारी करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर छह फरवरी 2026 कर दी गई है। पहले 15 जनवरी 2026 को यह मतदाता सूची जारी की जानी थी। अभी तक डुप्लीकेट मतदाता भी सूची से नहीं हटाए गए हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, अब मतदाता सूची का ड्राफ्ट 23 दिसंबर को जारी होगा। पहले इसे पांच दिसंबर को जारी किया जाना था। यही नहीं मतदाता सूची पर दावे व आपत्तियों का निस्तारण 31 दिसंबर से छह जनवरी तक किया जाएगा। पहले यह कार्य 13 से 19 दिसंबर के बीच किया जाना था।

प्रवर्तन निदेशालय ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ धन शोधन मामले में नयी चार्जशीट दाखिल की

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ एक नयी चार्जशीट दाखिल की जिसमें उन्हें ब्रिटेन के हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पहली बार औपचारिक तौर पर आरोपी बनाया गया है।

ईडी के एक अधिकारी ने यूनीवार्ता को बताया, संजय भंडारी धनशोधन मामले में उसकी मदद करने के लिए श्री वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गयी है। इस मामले में अगली तारीख छह दिसंबर है। राउज़ एवेन्यू कोर्ट छह दिसंबर को चार्जशीट पर विचार करेगा।

वाड्रा इस केस में नामजद नौवें व्यक्ति बन गये हैं। दूसरे आरोपियों में संजय भंडारी, सुमित चड्ढा, संजीव कपूर, अनिरुद्ध वाधवा और कई कंपनियां शामिल हैं।

जुलाई में धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत श्री वाड्रा का बयान रिकॉर्ड करने के बाद एजेंसी ने यह कार्रवाई की है। पिछले महीने उन्हें पूछताछ के लिए दो बार बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने बीमारी और पहले से निर्धारित विदेश यात्रा का हवाला देते हुए मोहलत मांगी थी।

यह केस श्री वाड्रा के खिलाफ चल रहे तीन धनशोधन मामलों की जांचों में से एक है। दो अन्य मामले हरियाणा और राजस्थान में ज़मीन के सौदों में कथित गड़बड़ियों से जुड़े हैं।

ईडी का केस उन आरोपों पर केंद्रित है कि संजय भंडारी ने 2009 में लंदन में एक प्रॉपर्टी खरीदी थी और श्री वाड्रा के निर्देशों के अनुसार उसका रेनोवेशन करवाया था और इस काम के लिये श्री वाड्रा ने धनराशि उपलब्ध करायी थी। श्री वाड्रा ने लंदन में किसी भी प्रॉपर्टी के मालिक होने से इनकार करते हुए ऐसे आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है।

गौरतलब है कि वर्ष 2016 में भारत से भागने वाले संजय भंडारी को इस साल भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया था। ब्रिटेन की एक अदालत में हाल के घटनाक्रमों ने उसके भारत में प्रत्यर्पण की संभावना को काफी कम कर दिया है।

बंगाल में फर्जी मतदाताओं की पहचान करेगा एआई

कोलकाता, 20 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान फर्जी मतदाताओं की पहचान करने के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस) आधारित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करेगा। एआई प्रणाली मतदाता डाटाबेस में तस्वीरों का विश्लेषण करके फर्जी मतदाताओं की पहचान करने में मदद करेगी।

पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईओ) कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सॉफ्टवेयर फर्जी फोटो वाले मतदाता का पता लगाने के लिए 'चेहरे की पहचान ' फीचर का इस्तेमाल करेगा। अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर यूनीवार्ता को बताया, एआई-आधारित सॉफ्टवेयर फेस रिकग्निशन फीचर के जरिए फर्जी मतदाताओं की पहचान करेगा।

अधिकारियों के अनुसार बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया जिसमें एन्यूमरेशन फॉर्म (ईएफ) बांटना, इकट्ठा करना और डिजिटाइजेशन का काम 25-26 नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन होगा। सीईओ कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि एआई प्रणाली उन मामलों का पता लगाने में मदद करेगी जहां एक ही फोटो का इस्तेमाल कई मतदाताओं का प्रमाणपत्र बनाने के लिए किया गया है।

विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि प्रवासी मजदूरों के नामांकन के दौरान ऐसा फर्जीवाड़ा आम बात है और उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल मरे हुए या नकली वोटरों को रजिस्टर करने के लिए किया जाता है। जबकि नेशनल पोल पैनल का मानना है कि एआई इस समस्या को रोकने में मदद कर सकता है।

अधिकारियों ने बल दिया कि केवल एआई पूरी पारदर्शिता पक्का नहीं कर सकता। बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) डोर-टू-डोर चेकिंग के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें हर मतदाता का विवरण और तस्वीर सत्यापित करनी होगी।

उल्लेखनीय है कि 4 नवंबर को शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया से पता चला है कि बंगाल में लगभग दो करोड़ मतदाताओं को अभी भी 2002 की निर्वाचक नामावली से अपना लिंक जोड़ना है।

केंद्रीय चुनाव आयोग इस बड़े ग्रुप के लिए सुनवाई और सत्यापन करेगा। अब तक लगभग 2.4 करोड़ मतदाताओं ने अपना विवरण 2002 की निर्वाचक नामावली से मैच कर ली हैं और अधिकारियों को उम्मीद है कि अगर 2002 के बाद की सूची में कम से कम एक माता-पिता का नाम आता है, तो और 2.5 करोड़ मतदाता ऐसा कर पाएंगे। इन मतदाताओं को आगे सत्यापन की जरूरत नहीं होगी।

गौरतलब है कि केंद्रीय चुनाव आयोग के प्रतिनिधियों का एक दल बंगाल में चल रही एसआईआर प्रक्रिया की समीक्षा करने के लिए मंगलवार को कोलकाता पहुंचा। बंगाल अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहा है। चुनाव की तारीखों की घो-षणा फरवरी में होने की उम्मीद है।

दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े आरोपी जावेद सिद्दीकी पर 2 करोड़ रुपए की ठगी का आरोप, 24 साल पुराना मामला

भोपाल, 20 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली ब्लास्ट के आतंकियों को पनाह देने वाली अल फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद सिद्दीकी और उसके भाई हमूद सिद्दीकी के खिलाफ पहले से ही भोपाल में 2 करोड़ रुपए की ठगी का केस दर्ज है। यह मामला करीब 24 साल पुराना है। दोनों भाई लंबे समय से पुलिस की पकड़ से दूर थे और फरार चल रहे थे। वहीं, दिल्ली ब्लास्ट के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को जावेद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया था। जानकारी के मुताबिक, जावेद और हमूद सिद्दीकी ने 1997 से 2001 के बीच भोपाल में लोगों को ठगने का काम किया।

उन्होंने एक चिटफंड कंपनी का ऑफिस खोला और लोगों को लालच दिया कि उनके पैसे दोगुने कर देंगे। उन्होंने मुस्लिम लोगों से ठगे पैसों को आतंकी साजिश में लगाया था। 2001 तक जनता को चूना लगाकर दोनों भाई फरार हो गए थे। इस बीच तलैया और शाहजहानाबाद थाने में शिकायत पर एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी। आरोप है कि गैस पीड़ितों के पैसे भी ठगी में शामिल थे।

जावेद सिद्दीकी ने इस मामले में अग्रिम जमानत ले रखी थी, जबकि उनके भाई हमूद सिद्दीकी को कोर्ट ने पहले ही बरी कर दिया था। इसके अलावा, इनके खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में भी धोखाधड़ी और चिटफंड के कई केस दर्ज हैं।बता दें कि प्रार्थी जुनेद कुरैशी ने 5 दिसंबर 1999 को शाहजहानाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि कंपनी ने 1998 में उनके और अन्य लोगों के जमा किए पैसे हड़प लिए। जुनेद ने बताया था कि उसने 15 जून और 15 नवंबर 1998 को कुल 75,000 रुपए जमा किए थे, लेकिन कंपनी के पदाधिकारी कार्यालय बंद कर फरार हो गए।

शिकायत पर एफआईआर 7 दिसंबर 1999 को दर्ज की गई। जांच में पता चला कि कुल 147 लोग प्रभावित हुए और लगभग 15.32 लाख रुपए की ठगी हुई। प्रकरण में कुल 24 आरोपी थे, जिनमें हमूद सिद्दीकी, हुस्ना सिद्दीकी, सूबा सिंह, शाहबुद्दीन चौधरी, मसूद अहमद, जेबा सिद्दीकी, परवीन सुल्तान और अन्य शामिल थे। जांच और अभियोग पत्र के अनुसार, कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए, जबकि अधिकांश फरार हैं। फरार आरोपियों की पकड़ के लिए पुलिस लगातार उनके पते पर रेड डाल रही है और सूचना देने वाले को 5,000 से 10,000 रुपए का ईनाम घोषित किया गया है। फरार आरोपियों की संपत्ति की जानकारी जुटाई जा रही है, लेकिन कई के पास कोई चल-अचल संपत्ति का रिकॉर्ड नहीं मिला।

इस मामले में न्यायालय में पेशी 29 अगस्त 2019 को तय थी। उस दौरान 24 आरोपियों में से एक की मौत हो चुकी थी और एक आरोपी के खिलाफ प्रकरण वापस कर दिया गया था। बाकी आरोपियों में कुछ को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जबकि 16 आरोपी फरार थे।

सहजनवा उप निबंधक कार्यालय पर पहुंची आयकर की टीम- सर्वे से मचा हड़कंप

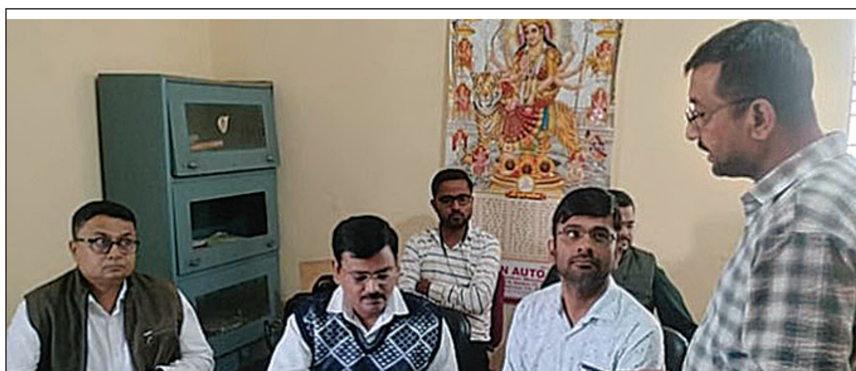

गोरखपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। सहजनवा उप निबंधक कार्यालय पर बृहस्पतिवार को आयकर विभाग की इंटेलीजेंस और क्रिमिनल इंटेलिजेंस यूनिट ने औचक सर्वे किया। इस कार्रवाई से पूरे कार्यालय में हड़कंप मच गया।

अधिकारियों ने बताया कि यह छापेमारी जमीन की खरीद-बिक्री में पैन कार्ड के सही उपयोग को लेकर की जा रही है। टीम आवश्यक दस्तावेजों की बारीकी से जांच कर रही है, जिसमें पिछले कुछ वर्षों के रजिस्ट्री रिकॉर्ड शामिल हैं।

सर्वे की कार्रवाई सुबह करीब 11:20 बजे शुरू हुई, जब आयकर विभाग की टीम कार्यालय पहुंची। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह अभियान कर चोरी और काले धन को सफेद करने के संदेह पर आधारित है। विशेष रूप से, 30 लाख रुपये तक कीमत वाली संपत्तियों की रजिस्ट्री में पैन कार्ड की जानकारी छिपाने के मामलों पर नजर रखी जा रही है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि पैन कार्ड का उपयोग सही नहीं पाया गया, तो संबंधित पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त कमिश्नर सोनल सिंह के निर्देशन में आयकर अधिकारी बिनीत श्रीवास्तव, आयकर निरीक्षक अमित गुप्ता, वशिष्ठ गिरी, अवनीश सिंह और रुपेश कुमार शामिल हैं। इन अधिकारियों ने कार्यालय के स्टाफ से पूछताछ कर रही है।

टक्कर के बाद कार और ट्रक के टायरों में ब्लास्ट, दरवाजा टूटते ही हाईवे पर गिरी एमडीएस छात्रा की मौत

मेरठ, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात सड़क हादसे में कार सवार दिल्ली के वैशाली एंक्लेव निवासी डॉक्टर अरुण मेहरा की बेटी अनुराधा मेहरा (28) की मौत हो गई। वह एमडीएस (डेंटल) की द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। कार सवार तीन साथी रूपाली राज, निखिल धामा व देवांश को अस्पताल में भर्ती कराया। देवांश के पैर की हड्डी टूट गई। अन्य दो मामूली रूप से घायल हैं।

दिल्ली के वैशाली एंक्लेव निवासी अनुराधा मेहरा सुभारती विश्वविद्यालय में एमडीएस (डेंटल) की द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। बुधवार रात वह अपनी दोस्त रूपाली राज निवासी मणिकपुर बिहार, निखिल धामा निवासी सदतपुर दिल्ली व देवांश निवासी विद्यावासनी कॉलोनी वाराणसी के साथ खाना खाने के लिए कंकरखेड़ा की तरफ गई थी। देर रात खाना खाने के बाद चारों कार से वापस लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार खड़ौली चौराहे से आगे राज रिसोर्ट के सामने कार चला रहे निखिल ने एक वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया तो उनकी कार आगे चल रहे ट्रक के पिछले पहिए से टकरा गई। इससे ट्रक और कार के पहिए फट गए। कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

डिवाइडर से टकराते ही अनुराधा कार से निकलकर सड़क पर गिर गई। हादसे में चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां अनुराधा की मौत हो गई। चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग गया। हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। पुलिस ट्रक को कब्जे में लेकर थाने आ गई। सीओ दौराला प्रकाशचंद्र अग्रवाल का कहना है कि तहरीर आने पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

लावारिश मिला महिला का शव, क्षत-विक्षत था शरीर- सिद्धार्थनगर की थी रहने वाली, हत्या कर फेंका गया था

बस्ती, 20 नवंबर (एजेंसियां)। सिद्धार्थनगर जिले के बांसी कोतवाली क्षेत्र से दो साल के बेटे के साथ घर से निकली 30 वर्षीय महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसका बेटा रात नौ बजे लावारिस हालत में पुलिस को मिला, मगर उसके कुछ न बता पाने की वजह से पुलिस असमंजस में थी।

इसी बीच बृहस्पतिवार सुबह करीब 11 बजे रुधौली नगर पंचायत के कामता प्रसाद नगर वार्ड स्थित लक्ष्मी देवी कन्या इंटर कॉलेज के बगल स्थित बगीचे में महिला का क्षत-विक्षत शव मिलने की सूचना मिली। शव पर गला रेतने सहित चेहरे और पेट पर गहरे घाव के निशान पाए गए।शव के पास से मिला आधार कार्ड उसकी पहचान प्रीति मौर्य पत्नी बाबूलाल मौर्य के रूप में हुई। सूचना पर पहुंचे उसके पति व सास ज्ञानमति ने बताया कि बुधवार को करीब तीन बजे घर से बच्चे को लेकर निकली थी।पुलिस ने बच्चे को उसके पिता के सुपुर्द कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उसकी मोबाइल आदि पुलिस को नहीं मिली। एएसपी कृष्णकांत ने बताया कि बाबूलाल मिठाई का कारीगर है। परिवार के लोगों से बात की जा रही है। अभी हत्या का मोटिव पता नहीं चल पाया है।

कानपुर में एक ही कमरे में देवरिया के चार युवकों की मौत, खाना खाकर सोने गए...उठे ही नहीं

देवरिया, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

कानपुर में पनकी आयल सीड्स कंपनी के परिसर में एक कमरे में सो रहे तवक्कलपुर गांव के चार युवकों की मौत से बृहस्पतिवार की सुबह गांव में कोहराम मच गया। एक ही गांव के चारों युवकों की मौत से सुबह-सुबह ही गांव में चारों तरफ चित्कार सुनाई देने लगा। तवक्कलपुर गांव के रहने वाले अमित कुमार बरनवाल (24) पुत्र अयोध्या, संजू सिंह (24) पुत्र फतेह बहादुर सिंह, दाऊद अंसारी (25) पुत्र यासीन, राहुल सिंह(23) पुत्र लल्लन सिंह, अमित का भाई अरुण व नागेंद्र एक ही साथ कानपुर के पनकी इंडस्ट्रियल साइड नंबर दो के डी 58 में आयल सीड्स कंपनी में वेल्डर का काम करते थे।

रोज की तरह अमित, संजू, दाऊद और राहुल बुधवार की रात खाना खाकर फैक्टरी परिसर में बने एक कमरे में सो गए। अमित का भाई अरुण और नागेंद्र बगल में एक कमरे में सोने चले गए। नागेंद्र ने बताया कि सुबह देर तक चारों में से कोई नहीं दिखा। देर तक उनके नहीं उठने पर वह उन्हें जगाने पहुंचा।

उसने काफी आवाज लगाई लेकिन भीतर से कोई आवाज नहीं आई। इसके बाद कमरे का दरवाजा तोड़ा गया तो चारों के शव कमरे में पड़े थे। कमरे में एक कोयले की अंगीठी जल रही थी। बताते हैं कि कमरे में जल रही अंगीठी के धुएं के कारण दम घुटने से उसकी मौत हो गई। घटना का असली कारण तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा।

इस हृदयविदारक हादसे में जहां राहुल के रूप में घर का इकलौता चिराग बुझ गया, वहीं दाऊद के रूप में एक साल की दुधमुही बच्ची के सिर से पिता का साया उठ गया। जिस घर में सहनाई की गूंज सुनाई दे रही थी, अचानक वहां चीख और पुकार सुनाई देने लगी।

अमित बृहस्पतिवार को जिम्बाबे तो अन्य युवक

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन, अखिलेश पहुंचे अस्पताल

नम आंखों से दी अंतिम विदाई,सपा में शोक

लखनऊ,20 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के घोसी सीट से विधायक सुधाकर सिंह का निधन हो गया है। आज 20 नवंबर को लखनऊ के अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा सके। सुधाकर सिंह के निधन की खबर मिलते ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सीधे अस्पताल पहुंचे। उन्होंने दिवंगत विधायक के परिजनों को सांत्वना दी। नम आंखों से श्रद्धांजलि देते हुए अखिलेश ने 'एक्स' पर लिखा,घोसी विधानसभा से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह जी का निधन, अत्यंत दुःखद ! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोक संतप्त परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो। भावभीनी श्रद्धांजलि।2023 में बने 'जाइंट किलर' सुधाकर सिंह का राजनीतिक सफर लंबा रहा है, लेकिन 2023 का घोसी उपचुनाव उनके करियर की सबसे बड़ी जीत थी। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार दारा सिंह चौहान को 40 हजार से ज्यादा वोटों से हराकर सबको चौंका दिया था। सुधाकर सिंह: 1,24,427 वोट, दारा सिंह चौहान: 81,668 वोट। यह जीत इतनी बड़ी थी कि उन्हें 'जाइंट किलर' कहा गया।सुधाकर सिंह का राजनीतिक करियर उनका राजनीतिक सफर तीन अलग-अलग विधानसभाओं तक फैला रहा। पहली बार: 1996 में 13वीं विधानसभा। दूसरी बार: 2012-2017 में 16वीं विधानसभा। इस दौरान वह प्राक्कलन समिति के सदस्य भी रहे। तीसरी बार: 2023 में 18वीं विधानसभा घोसी उपचुनाव में बड़ी जीत दर्ज की। वे लोकतंत्र सेनानी भी थे और आजमगढ़ जिला कारागार में बंद रह चुके थे। इसके बदले उन्हें 20,000 रुपये की राजनैतिक पेंशन भी मिलती थी। सुधाकर सिंह के निधन को सपा ने एक बड़ा नुकसान बताया है। उनकी लोकप्रियता, जमीन से जुड़ाव और सियासी प्रभाव ने उन्हें घोसी क्षेत्र में मजबूत नेता बनाया था। उनका अचानक जाना न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे प्रदेश की राजनीति के लिए बड़ा दुख है।

यूपी सरकार ने शुरू की नई हेल्पलाइन

एक कॉल पर होगा नगरीय समस्याओं का समाधान

लखनऊ,20 नवंबर (एजेंसियां)। आपके घर के बाहर नाली गंदगी से भरी हो, कई दिनों से सफाई न हुई हो या सड़क पर लंबे समय से झाड़ू न लगा हो, तो अब परेशान होने की जरूरत नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास विभाग ने ऐसी सभी समस्याओं के समाधान के लिए नई हेल्पलाइन शुरू की है।

विभाग केआधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर जारी जानकारी के अनुसार अब सफाई, जलभराव, स्ट्रीट लाइट और कूड़ा कलेक्शन जैसी समस्याएँ केवल एक कॉल पर दर्ज कराई जा सकती हैं।नगर विकास विभाग के मुताबिक शहर से जुड़ी हर समस्या के लिए अब हेल्पलाइन नंबर 1533 पर संपर्क किया जा सकता है। जल भराव, पथ प्रकाश, स्वच्छता, कर भुगतान या डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन इन सभी शिकायतों का समाधान इसी नंबर के माध्यम से किया जाएगा। 'एक नंबर, कई समाधान' की नीति के तहत सेवा शुरू की गई है।पोस्ट में बताया गया कि अगर आपके इलाके की स्ट्रीट लाइट खराब है, जिससे अंधेरा रहता है, पेयजल की व्यवस्था सही नहीं है, पाइप लीक कर रहा है, सड़क पर कोई पशु मृत पड़ा है या जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में दिक्कत आ रही है।इन मामलों में 1533 पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। कॉल के बाद समस्या का समाधान जल्द से जल्द किया जाएगा।नई हेल्पलाइन सेवा का उद्देश्य है कि लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए पार्षद, नगर निगम कर्मचारी या किसी स्थानीय नेता के पीछे न भागना पड़े, बल्कि सारी सुविधाएँ सीधे एक ही नंबर पर उपलब्ध हों।

अब हर विद्यालय में होंगे कम से कम दो शिक्षक

बच्चों की पढाई में आयेगा सुधार, शिक्षकों का घटेगा वर्क लोड

लखनऊ, 20 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लाखों बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए राहत भरी खबर आई है। बेसिक शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में न्यूनतम दो शिक्षकों की तैनाती अनिवार्य कर दी है। बेसिक शिक्षा निदेशक द्वारा जारी आदेश के बाद यह नई व्यवस्था लागू हो गई है।इस फैसले से वे सभी स्कूल, जहाँ अब तक केवल एक ही शिक्षक पूरे विद्यालय की जिम्मेदारी संभाल रहे थे, एक अतिरिक्त शिक्षक प्राप्त कर सकेंगे। इससे न सिर्फ शिक्षकों का बोझ कम होगा बल्कि बच्चों को पढ़ाई पर बेहतर ध्यान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण का लाभ मिलेगा।राज्य के कई प्राइमरी स्कूलों में लंबे समय से केवल एक शिक्षक पर सभी कक्षाओं और कार्यों की जिम्मेदारी होती थी। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी, अलग-अलग कक्षाओं की पढ़ाई संभालना मुश्किल हो जाता था, स्कूल के प्रशासनिक कार्य भी समय पर नहीं हो पाते थे। दो शिक्षक होने पर कक्षाओं को विभाजित करना आसान होगा और बच्चों को विषय अनुसार बेहतर समय मिल सकेगा।

एक शिक्षक पूरी कक्षा को संभालने की बजाय अब शिक्षक अपनी-अपनी क्लास और विषय पर ज्यादा समय दे पाएंगे। कमरों में भीड़ कम होगी और सीखने की प्रक्रिया सुगम बनेगी।एकल शिक्षक वाले स्कूलों में अध्यापकों को पढ़ाई के अलावा मध्याह्न भोजन, रजिस्टर, अभिलेख, सर्वे आदि कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ती थीं। अब दो शिक्षकों में काम बंटेगा, जिससे पढ़ाई पर अधिक फोकस हो सकेगा।गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलने पर बच्चे स्कूल से जुड़े रहेंगे।

प्राथमिक शिक्षा में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।इस आदेश के बाद अभिभावकों में खुशी का माहौल है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के कई ऐसे स्कूल, जहाँ वर्षों से एक ही शिक्षक काम कर रहे थे, अब शिक्षण व्यवस्था में बदलाव देख पाएंगे।

नौकरी और सामाजिक सुरक्षा के लिए कुलियों ने किया राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन

लखनऊ,20 नवंबर (एजेंसियां)। रेलवे की नौकरी में 2008 की तरह समायोजित करने, बैटरी कार संचालन के संबंध में रेल मंत्रालय के निर्देशों का पालन करने, कुलियों को वर्दी, रेलवे पास, शिक्षा-स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध कराने और सामाजिक सुरक्षा की हर हाल में गारंटी करने जैसी मांगों पर आज राष्ट्रीय कुली मोर्चा के बैनर तले पूरे देश में कुलियों ने मांग दिवस मनाते हुए ज्ञापन सौंपा। लखनऊ के चारबाग स्टेशन पर कुलियों ने प्रदर्शन कर स्टेशन निदेशक प्रशांत कुमार को पत्रक दिया है।मांग दिवस के संबंध में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय कुली मोर्चा के कोऑर्डिनेटर राम सुरेश यादव ने बताया कि एक तरफ रेल मंत्रालय हमें लिख कर दे रहा है कि बैटरी कार को सिर्फ वृद्ध, विकलांग, बीमार और असहाय के लिए चलाया जाएगा तथा उसे इस तरह से व्यवस्थित किया जाएगा ताकि यात्रियों को असुविधा न हो। दूसरी तरफ मनमानी ढंग से बैटरी कार चल रही है जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है और कुलियों की आजीविका को नुकसान हो रहा है।

रेल मंत्रालय यह भी कहता है कि कुली को सुविधा संपन्न विश्राम गृह, उनके परिवार और बच्चों के शिक्षा व स्वास्थ्य और वर्दी, पास जैसी सुविधाएं दी जा रही है। जबकि जमीनी सच्चाई इसके ठीक उलट है। हालत यह है कि बैटरी कार, ट्रॉली प्रथा और माई कुली एप जैसी निजीकृत योजनाओं के कारण कुलियों को अपने परिवार का भरण पोषण करना मुश्किल हो रहा है।

सांसद खेल महोत्सव का रंगारंग आगाज, मलखंभ प्रदर्शन, मार्चपास्ट के साथ शुरुआत

जयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी के सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव का रंगारंग आगाज हुआ। इस मौके पर मलखंभ के शानदार प्रदर्शन के साथ स्कूली बच्चों ने मार्च पास्ट कर सलामी ली और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर मौजूद नेताओं ने खिलाड़ियों और स्कूल के बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहाकि खेलेगा इंडिया तो विकसित बनेगा इंडिया। इस खेल महोत्सव से मोहल्ले और गांव-ढाणी में छिपा टैलेंट निखरकर आएगा और देश का नाम रोशन करेगा। उद्घाटन के अवसर पर शहर सांसद मंजू शर्मा, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधि मंत्री जोगाराम पटेल,,विधायक कालीचरण सराफ, कैलाश वर्मा सहित अन्य नेता और खिलाड़ी मौजूद थे। इस दौरान पूरा इंडोर स्टेडियम खिलाड़ियों और स्कूली बच्चों से खचाखच भरा हुआ था।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी और सांसद मंजू शर्मा ने खेल महोत्सव के आगाज की घोषणा के बाद खिलाड़ियों को खेल महोत्सव के नियमों और विधियों का पालन करते हुए सच्ची खेल भावना से शामिल होने की शपथ ग्रहण करवाई गई। मलखंभ का अचरज भरा प्रदर्शनः इस दौरान बच्चों और युवाओं ने मलखंभ का अचरज भरा प्रदर्शन किया। मलखंभर उन्होंने विभिन्न प्रकार की मुद्राएं बनाकर शरीर संचालन और शक्ति का अद्भुद नजारा साकार किया। इससे पहले उपस्थित अथितियों ने मार्च पास्ट सलामी ली। गणेश वंदना के साथ ही अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी गई।

ये खेल किए गए हैं शामिलः सांसद खेल महोत्सव में तीरंदाजी, क्रिकेट, बास्केटबॉल, वालीबॉल, हॉकी, फुटबॉल, हैंडबॉल, खो-खो , कबड्डी, कुश्ती जैसे

अंतराष्ट्रीय- राष्ट्रीय खेलों के साथ ही स्थानीय स्साकसी, मलखंभ, सितोलिया,व्यायाम और निम्बू और चम्मच दौड़ आदि सहित 27 खेलों को शामिल किया गया है।

ये रहे मौजूदः सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव में सांसद मंजू शर्मा, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधि मंत्री जोगाराम पटेल, विधायक कालीचरण सराफ, कैलाश वर्मा , भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल सहित अन्य नेता , पदाधिकारी और खिलाड़ी मौजूद थे।

खेल से मिटता है भेदभावः कार्यक्रम में जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि यह खेल महोत्सव लोगों में खेल भावना विकसित करने के लिए है। हम जब खेल खेलते हैं तो शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होकर समाज के साथ जुड़ाव बढ़ता है, अनुशासन आता है। जब भारत अंतरराष्ट्रीय खेल खेलता है तो पूरा देश जांत पांत ऊंच नीच जाति सम्प्रदाय का भेद भुलाकर सारे भारतीय की जीत के लिए प्रार्थना दुआ करते है।

सांसद खेल महोत्सव के लिए प्रधानमंत्री का आभार। इसका उद्देश्य उन प्रतिभाओं को तरसना है जिनके पास मैदान नहीं है, जिन्हें मंच नहीं मिला और साधनों का अभाव रहा। इन खेलों के माध्यम से उन्हें तलाश करके मेडल लाने के लिए तैयार किया जाएगा। यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि नए भारत की ऊर्जा, ताकत और आत्मनिर्भरता का मार्ग है। प्रधानमंत्री जी ने फिट इंडिया से हिट इंडिया और हिट इंडिया से ही विकसित भारत का जो संकल्प देश के सामने रखा है, उसे जन आंदोलन बनाने का लक्ष्य लेकर सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।खेल से मन के साथ शरीर और समाज विकसित होगा- राज्यवर्धन सिंह राठौड़खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों से कहा की जब हम खेलते हैं तो उस क्षण में जीते हैं। गाड़ियां, कपड़े बदले जा सकते हैं लेकिन शरीर नहीं । इस एक शरीर को मजबूत बनाना और लक्ष्य पाना है। शरीर को मजबूत बनाना है तो पहले दिमाग को मजबूत बनाना होगा। शरीर को मजबूत करने के लिए हर रोज अपने साथियों के साथ खेलो उन्होंने कहा कि शानदार टीम बनानी है तो जात-पांत को नहीं देखो। सांसदों का काम केवल विकास ही नहीं, बल्कि बच्चों को मंच प्रदान करने की है जिसमें वो मंच दिखा सकें। पीएम मोदी को धन्यवाद कि उन्होंने सांसदों की खेल प्रतियोगिता करवाई। इसमें 27 खेल में हजारों खिलाड़ी भाग लेंगे। मन मस्तिष्क के साथ ही शरीर और समाज भी विकसित होगा।उन खिलाड़ियों को भी तराशा जाएगा जिन्हें मंच नहीं मिला- दियाकुमारीउपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा हम भी सांसद रहे लेकिन हमारे कार्यक्रमों में इतनी भीड़ नहीं आई जितनी आज आई है। सांसद खेल महोत्सव में देशभर में प्रतिभाओं को तलाशने का काम किया जा रहा है । देश के गांव ढाणी से प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध करवाया जाएगा । हर व्यक्ति के जीवन में जीत भी होती है हार भी होती है। जीत हार से ज्यादा महत्वपूर्ण है खेलों में भाग लेना। देश विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से हर वर्ष हमारे सांसद खेल प्रतियोगिताएं और आयोजन होता है । गांव में टैलेंट छिपा है खेल महोत्सव के माध्यम से उसे टैलेंट को निकाला है , गांव ढाणी से बाहर निकाल कर राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उन खिलाड़ियों को तराशा जाएगा जिनको मंच नहीं मिला सुविधाएं नहीं मिली। उन्हें तराश कर मेडल लाने योग्य बनाया जाएगा ताकि वो देश का नाम रोशन कर सकें।

मंत्री धर्मपाल सिंह बोले...केवल इतिहास नहीं, सरदार पटेल आज भी हैं राष्ट्र चेतना के केंद्र

बरेली,20 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बुधवार को बरेली में पार्टी द्वारा भारत रत्न, लौह पुरुष, और एक भारत-श्रेष्ठ भारत के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में बरेली, पीलीभीत, बदायूं व शाहजहांपुर के सभी जिला के सभी जनप्रतिनिधियों, जिला अध्यक्षों, जिले के सभी विधानसभा और मंडल स्तर के संयोजकों, पदाधिकारियों एवं अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बैठक में आगामी सरदार150 यूनिटी मार्च अभियान सहित पार्टी द्वारा चलाए जा रहे आत्मनिर्भर भारत अभियान एवं अन्य अभियानों और कार्यक्रमों की रूपरेखा, उद्देश्य और जनभागीदारी पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश महामंत्री(संगठन) धर्मपाल सिंह ने सरदार पटेल के जीवन, व्यक्तित्व, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण में उनके अनुपम योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा का यह अभियान सरदार पटेल की एकता, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की भावना से प्रेरित है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगा।उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल केवल इतिहास के महानायक नहीं, बल्कि आज भी भारत की राष्ट्रीय चेतना के केंद्र हैं। उन्होंने कहा, अगर सरदार

पटेल न होते तो आज भारत का नक्शा कुछ और होता। उन्होंने प्रशासनिक एकता, राष्ट्रीय अखंडता और सांस्कृतिक एकजुटता की नींव रखी, जिससे आज भारत विश्व में एक सशक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा है। अभियान की रूपरेखा और उद्देश्य प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर भाजपा द्वारा 31 अक्टूबर से 6 दिसंबर तक एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, समरसता और देशभक्ति की भावना को जाग्रत करना है।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत तीन प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विधानसभा स्तर पर एक नवंबर से 25 नवम्बर तक पद यात्राएं निकाली जाएंगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में लगभग 8 किलोमीटर लंबी पद यात्राएं निकाली जाएंगी। इन यात्राओं में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जनप्रतिनिधि, युवा, महिलाएं, किसान, व्यापारी, कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी हो इसके लिए हमें योजना पूर्वक कार्य करना होगा।

राष्ट्रीय एकता यात्रां मे प्रत्येक जिले से पाँच प्रतिनिधि, जिनमें दो युवा मोर्चा पदाधिकारी और तीन यूथ आइकॉन शामिल होंगे, सरदार पटेल जी के जन्मस्थान करमसद (गुजरात) से स्टेच्यू ऑफ यूनिटी तक 150 किलोमीटर की राष्ट्रीय एकता यात्रा में भाग लेंगे। यह यात्रा सरदार पटेल की एकता, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना का जीवंत प्रतीक होगी और युवाओं को उनके आदर्शों से जोड़ने का माध्यम बनेगी।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि सरदार पटेल जी की जयंती (31अक्टूबर) के अवसर पर प्रत्येक जिले में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसका शुभारंभ जिले में स्थापित सरदार पटेल जी की प्रतिमा से किया जाए। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, खिलाड़ियों, शिक्षकों, व्यापारियों, अधिवक्ताओं, किसानों, मजदूरों, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा और नागरिकों सहित समाज के सभी वर्गों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हो इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी करनी होगी।

सांस्कृतिक और जनजागरण कार्यक्रम में अभियान के दौरान सभी बूथों पर सरदार पटेल जी के चित्र लगाकर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में निबंध लेखन, भाषण, चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी, ताकि नई पीढ़ी सरदार पटेल के आदर्शों, राष्ट्र निर्माण की भावना और कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा प्राप्त कर सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के माध्यम से सरदार पटेल की गौरवशाली स्मृति को विश्व के मानचित्र पर स्थापित किया है। यह प्रतिमा भारत की एकता, संकल्प और सामर्थ्य की प्रतीक है। भाजपा सरकार ने सरदार पटेल के विचारों को व्यवहार में उतारते हुए विकसित भारत - एक भारत, श्रेष्ठ भारत की दिशा में ठोस कार्य किया है।उन्होंने कहा कि माय भारत (चध इहरीरीं) जैसे नवाचार कार्यक्रमों के माध्यम से युवा स्वयं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ रहे हैं। यह अभियान युवाओं को सरदार पटेल के जीवन से ईमानदारी, दृढ़ निश्चय और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देगा। बैठक में पार्टी के जिलाध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, अभियान संयोजक एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रमुख उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाया जाएगा, ताकि सरदार पटेल की एकता, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचे।

सलाह

अच्छी नींद के लिए सबसे असरदार 6 तरीके, नहीं जागना पड़ेगा रातभर

क्या आप सोते वक्त करवटें बदलते रहते हैं? क्या आप सुबह उठते वक्त थकान महसूस करते हैं? अगर हां तो आप इन 6 उपायों को अपनाकर एक आरामदायक नींद ले सकते हैं. वेकफिट के सीईओ और सह संस्थापक अंकित गर्ग और कार्यात्मक प्रशिक्षण स्टूडियो द आउटफिट के संस्थापक ने कुछ उपाय सुझाए हैं जिन्हें अपनाकर आपको बेहतर नींद मिलेगी.

1. हजारों साल पुरानी कहानियां सुनें

उन पुराने दिनों को याद करें जब आपकी दादी सोने से पहले आपको कहानियां सुनाया करती थी? वह कहानियां न केवल आपको रहस्य और स्वप्नलोक की दुनिया में ले जाती थी, बल्कि उन्हें सुनने के बाद आसानी से आपको नींद भी आ जाती थी. उसी तकनीक को अपनाने की कोशिश करें.

2. गद्दे का सही चुनाव करें

आपको रात में नींद न आने का एक मुख्य कारण आपका असुविधाजनक गद्दा हो सकता है. इस समस्या का समाधान करने का सबसे अच्छा तरीका एक आरामदायक गद्दे का चुनाव है, जो आपको गहरी नींद में डुबाने और सुबह बिना दर्द के जागने में मदद कर सकता हैं.

3. नींबू को अपने कमरे में रखें

यदि आप किसी भी तरह की एलर्जी, अस्थमा या सर्दी के कारण सो नहीं पा रहे हैं तो एक नींबू को काटें और अपने बिस्तर के किनारे रख दें. यह न केवल आपके कमरे में एक ताजा सुगंध छोड़ेगा और आपको बेहतर सांस लेने व अच्छी नींद लेने में मदद करेगा.

4. सोने से पहले ब्लू लाइट को बंद करें

अच्छी नींद प्राप्त करने के लिए अपने कमरे में एक शांत माहौल बनाना आवश्यक है जिसके लिए आप अपने बेडरूम में सेल फोन, कंप्यूटर, टैबलेट, टीवी और अन्य गैजेट की स्क्रीन से निकलने वाली सभी तरह की नीली रोशनियों को बंद कर दें.

5. सुरमयी आवाजें सुनें

क्या आपकी नींद को बाइक और कारों की आवाजें बाधित करती हैं? नींद के दौरान इन सभी बाहरी बाधाओं को अनदेखा करने का सबसे अच्छा तरीका है सुरमयी आवाजों को सुनना. सुरमयी आवाजे जैसे पत्तियों का हिलना, झरने का गिरना इत्यादि. सुरमयी आवाजों में आपको आराम करने और नींद की तरफ प्रेरित करने की क्षमता होती है.

6. चेरी का जूस पीएं

यदि आप नींद न आने की वजह से संघर्ष कर रहे हैं, तो आप बिस्तर पर जाने से पहले चेरी के जूस पीने की कोशिश करें. कई अध्ययनों के अनुसार, चेरी में मेलाटोनिन होते हैं. मेलाटोनिन एक हार्मोन है जो नींद के पैटर्न को विनियमित करने में मदद करता है.

फैशन में आई फ्लेयर्ड जींस, ट्राई करें

स्टाइल और कम्फर्ट के मामले में जींस सबसे बेस्ट आऊटफिट है। कैजुअली हो या फार्मली, इसे आप हर मौके पर वियर कर सकते हैं। कोलेज गोइंग हो या वर्किंग वुमेन, जींस पहनने के बाद महिला की पर्सनैलिटी में अलग सा ही उभार आता हैं इसीलिए तो आज यह वार्डरोब में अपनी खास जगह बना चुकी है। जींस में भी आपको बहुत सारे डिफरैंट स्टाइल देखने को मिलेंगे, जिसे आप अपनी बॉडी शेप के अनुकूल पहन सकते हैं।

जींस में कुछ ट्रैंड्स ऐसे हैं जो फैशन में एवरग्रीन है जबकि कुछ स्टाइल्स आऊट और इन होते ही रहते हैं। इन दिनों बोहेमियन लुक फ्लेयर्ड जींस का फैशन ट्रैंड में है, इसे रैट्रो स्टाइल जींस भी कहा जाता है। अगर आप भी रैट्रो लुक को पसंद करती हैं तो फ्लेयर्ड जींस जरूर ट्राई करें। फ्लेयर्ड जींस घुटनों तक फिटेड और उससे नीचे खुली बेल-बॉटम स्टाइल में होती है जबकि कुछ लोग इसे बूट कट स्टाइल पेंट भी कहते है लेकिन यह उससे एकदम अलग होती है।

टिप्स

फ्लेयर्ड जींस के साथ लूज की बजाए फिटेड टॉप पहनें।
स्पोर्टी लुक चाहती हैं तो इनके साथ कलरफुल प्लेटफॉर्म शूज पहनें।

बूट कट जींस थाईस

बूट कट जींस थाईस से फिटेड नहीं होती और ना ही पैरों से बहुत ज्यादा लूज होती है। फ्लेयर्ड जींस का फैशन इन दिनों बॉलीवुड हसीनाओं को भी खूब भा रहा है। सोनम कपूर ने डेनिम जैकेट के साथ डेनिम की ही फ्लेयर्ड कट जींस वियर की। वैसे आप डेनिम जींस के अलावा अन्य फैब्रिक में भी फ्लेयर्ड पेंट ट्राई कर सकती हैं। फ्लेयर्ड में आप पैचवर्क, कलरफुल एम्ब्रायडरी वर्क, पोल्का व स्ट्राइप स्टाइल भी चूज कर सकते हैं। फ्लेयर्ड जींस उन लड़कियों के लिए परफैक्ट हैं जो स्किनी, स्ट्रेट लैग और ब्वॉयफ्रेंड जींस में कंफर्टेबल नहीं रहती।

सर्दियों में दाढ़ी की डैंड्रफ को इन घरेलू नुस्खों से करें दूर

मर्दों की शान होती है दाढ़ी और मूंछ, अब तो इसे फैशन की नजर से भी देखा जा रहा है। आजकल पुरुषों द्वारा लंबी दाढ़ी और मूंछ का फैशन खूब फॉलो किया जा रहा है लेकिन सिर्फ दाढ़ी लंबी रखने से ही पर्सनैलिटी नहीं बनती, इसकी पूरी केयर भी करनी पड़ती है खासकर सर्दियों में क्योंकि इस मौसम में दाढ़ी में ड्राईनेस और ड्रैंडफ जैसी परेशानियां आम है। आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू उपायों के बारे में बताएंगे जिनका उपयोग करके इस मौसम में भी दाढ़ी में होने वाले डैंड्रफ और ड्राईनेस से छुटकारा पाया जा सकता है।

1. दालचीनी और नींबू : सर्दियों के मौसम में दालचीनी का पेस्ट लगाकर दाढ़ी से डैंड्रफ को कम किया जा सकता हैं। दालचीनी में नींबू का रस मिलाकर इसको 15 मिनट लगाएं। अब

इसको गुनगुने पानी से धोएं। इस पेस्ट को लगाने से चहरे और दाढ़ी में नमी बनी रहेगी।

2. आंवला : आंवला तेल को हल्का गर्म करके चेहरे पर मालिश करें। ऐसा करने से बालों का रूखापन और डैंड्रफ कम हो जाएगी और दाढ़ी की ग्रोथ भी सही से होगी।

3. अंडा : अंडे से रूसी की समस्या को कम किया जा सकता है। इसके लिए 2 अंडों को हल्के गुनगुने पानी में डालकर मिलाएं। इस पैक को कम से कम 20 मिनट तक दाढ़ी पर लगाएं।

4. सिरका : सिरका बालों संबंधी समस्याओं को दूर करने में मददगार है। सिरके को हल्का गर्म करके दाढ़ी पर लगाएं। एक दिन छोड़कर ऐसा करें। कुछ ही दिनों में रूसी की समस्या दूर हो जाएंगी।

5. शैंपू : डैंड्रफ कम करने वाले शैम्पू का इस्तेमाल भी कर सकते है, लेकिन ध्यान रखे की इसको सिर्फ 5 मिनट के लिए ही बालों में लगाएं। ऐसा करने से रूसी दूर होने के साथ ही बालों में शाइनिंग भी बनी रहेगी।

6. जैतून तेल और अदरक : जैतून के तेल में अदरक का रस मिला लें। इससे दाढ़ी पर हल्के हाथों से मसाज करें। ऐसा करने से रूसी खत्म हो सकती है।

सौंदर्य

फेशियल के बाद ये 6 काम करने से हो सकता है चेहरे पर रिएक्शन!

किसी पार्टी में जाना हो या कोई फंक्शन हो लड़कियां सबसे पहले पार्लर जाती हैं और फेशियल करवाती हैं। पार्लर में आपकी स्किन और रंग के हिसाब से कई तरह के फेशियल किए जाते हैं। माना जाता है 30 की उम्र के बाद लड़की को महीने में एक बार तो फेशियल करवाना ही चाहिए। लेकिन अब कम उम्र में भी लड़कियां भी महीने में कम से कम एक बार तो फेशियल करवा ही लेती हैं। फेशियल करवाने से आपकी स्किन की टैनिंग तो हटती ही है इसके अलावा स्किन भी अच्छी रहती है।

लेकिन क्या आप जानते हैं फेशियल करने के बाद आपको कुछ काम बिल्कुल नहीं करनी चाहिए। वरना फेशियल का रिएक्शन भी हो सकता है। जी हां, लोगों को इस बारे में कम जानकारी होती है कि फेशियल करवाने के कम से कम एक हफ्ते बाद तक कुछ ऐसी चीजें है जिनसे आपको बचना चाहिए लेकिन लोग अक्सर ये गलती कर बैठते हैं। जिसका नतीजा ये होता है कि कभी-कभी चेहरे पर उसका रिएक्शन भी हो जाता है। जानें वो कौन सी चीजें हैं जो आपको बिल्कुल नहीं करनी चाहिए।

फेशियल करवाने के 4 घंटे तक मुंह ना धोएं

फेशियल करवाने के बाद कम से कम 4 घंटे तक तो साबुन से भूलकर भी मुंह ना धोएं। अगर चेहरा साफ करना है तो पानी की हल्की छीटें मारकर पोछ लें लेकिन साबुन का इस्तेमाल ना करें।

कम से कम तीन दिन तक स्क्रब ना करें

फेशियल कराने के बाद कम से कम तीन दिन तक चेहरे पर स्क्रब नहीं करना चाहिए। फेशियल कराने के बात वैसे ही आपकी स्किन साफ और सेंसिटिव हो जाती है जिसके बाद जल्दी स्क्रब करने से चेहरे पर दाने हो सकते हैं या चेहरा छिल सकता है।

धूप में ना जाएं

फेशियल करवाने के तुंरत बाद भूलकर भी धूप में ना जाएं वरना चेहरे पर इसका रिएक्शन हो सकता है। अगर आपको बाहर जाना बहुत ही जरूरी है तो चेहरे पर कपड़ा लपेटकर जाएं।

थ्रेडिंग ना करवाएं

फेशियल करवाने के बाद थ्रेडिंग नहीं करवानी चाहिए। दरअसल फेशियल करवना के बाद स्किन बहुत सॉफ्ट हो जाती है जिससे थ्रेडिंग बनवाते टाइम कट लगने के चांसेज ज्यादा हो जाते हैं। इसलिए अगर आपको थ्रेडिंग और फेशियल दोनों चीजें करवानी हैं तो पहले थ्रेडिंग करवाएं उसके बाद फेशियल।

फेस मास्क ना लगाएं

जब भी फेशियल करवाएं उसके एक बाद एक हफ्ते तक किसी भी तरह मास्क चेहरे पर ना लगाएं इससे फेशियल ग्लो खत्म हो जाता है।

वैक्सिंग ना करवाएं

फेशियल करवाने के बाद चेहरे पर कभी वेक्सिंग नहीं करवानी चाहिए। क्योंकि फेशियल करवाने के बाद त्वचा मुलायम हो जाती है जिसके बाद वैक्सिंग करवाने से त्वचा छिल सकती है।

अखबार से बनाएं खूबसूरत कोस्टर सैट

हर घर में अखबार पढ़ी जाती हैं और एक दिन बाद इसे रद्दी में फैंक दिया जाता है। इसके बाद लोग इसे बेकार समझ कर एक कोने में रख देते हैं लेकिन अखबार से भी घर में इस्तेमाल होने वाली बहुत सी चीजों को आसानी से बनाया जा सकता है। डाइनिंग टेबल पर हम लोग अक्सर गर्म-गर्म चाय का कप रखने के लिए कोस्टर सैट यानि प्लेट्स का इस्तेमाल करते है। आप अपने कोस्टर सैट को कई सालों तक लगातार इस्तेमाल करके बोर हो चुकी हैं तो अखबार से आप खुद भी बना सकते हैं।

जरूरी सामान

अखबार, हॉट ग्ली गन, कॉर्ड बोर्ड, डैकोरेटिंग पेपर, ग्लिटर्स, गोंद, पेंट और ब्रश

इस तरीके से बनाएं

सबसे पहले अखबार को पट्टियों की तरह

लंबाई में काट लें।

इसके बाद इनको पाइप की तरह गोलई में मोडते जाएं और इसी तरह पाइप बनाते जाएं।

अब इसके बाद इसे गोल आकार में मोडकर गोंद के साथ चिपकाते जाएं और प्लेट का आकार दें।

अपने जरूरत के मुताबिक आप इसका साइज बना सकते हैं। जब प्लेट बन जाए तो इसके ऊपर डैकोरेटिव पेपर लगा दें।

इसे ग्लिटर से सजाएं और पेंट करें।

प्लेट्स को रखने के लिए कार्डबोर्ड का बॉक्स बनाएं और हॉट ग्लू गन की मदद से चिपकाएं। इसके बाद इस डिब्बे को एक तरफ से काट लें ताकि इसमें प्लेट्स रखी जा सकें।

इसके बाद इस बॉक्स को डैकोरेटिव पेपर और ग्लिटर से सजा कर इस्तेमाल करें।

...तो इसलिए जरूर छिदवाएं अपने बच्चों के कान

आप अपने कान क्यों छिदवाते हैं? शायद खूबसूरत दिखने के लिए. लेकिन भारत में लोग क्यों अपने छोटे बच्चों के कान छिदवाते हैं? नवजात बच्चों को तो खूबसूरत दिखने से कुछ मतलब नहीं होता है. दरअसल, पुरानी परंपराओं को मानने वाले लोग तभी बच्चे के कान छेद देते हैं जब वह कुछ ही दिनों का होता है. हालांकि यह वैदिक परंपरा है और बच्चे को बहुत दर्द भी होता है लेकिन आगे चलकर इसके बहुत फायदे होते हैं.

1. प्रजनन अंगों को बनाए हेल?दी

ईयर लोब्स (कान का निचला हिस्?सा) के बीचों बीच वाला प्वॉइंट शरीर का सबसे अहम प्वॉइंट होता है. यह प्वॉइंट आपके प्रजनन अंगों की हेल्थ के लिए जिम्मेदार होता है. यह पुरुषों के जननांगों को मजबूत बनाए रखता है और महिलाओं के पीरियड साइकिल को ठीक से संचालित करता है.

2. दिमाग के लिए जरूरी

ईयर लोब्स में एक प्वॉइंट होता है जो

दिमाग के बाएं और दाएं हिस्से को आपस में जोड़ता है. कान छेदने से दिमाग के दोनों हिस्सों को एक्टिव होने में मदद मिलती है. इस प्वॉइंट को छेदने से ब्रेन का विकास तेजी से होता है. जन्म के पहले आठ महीने में बच्चे के कान छेदना जरूरी है क्योंकि यही वह समय है जब ब्रेन का विकास हो रहा होता है.

3. बढ़ाए आंखों की रोशनी

कान के निचले हिस्से में एक केंद्रीय बिंदु है, जहां से आंखों की नसें पास होती हैं. ऐसे में इस हिस्से को छिदवाना जरूरी है ताकि बच्चों की आंखों की रोशनी बेहतर हो सके. यही नहीं कान छिदवाने से कान भी हेल्दी बने रहते हैं.

4. पाचन तंत्र बनाए दुरुस्?त

जिस जगह कान छेदे जाते हैं, वहां पर भूख लगने वाला प्वॉइंट होता है. एक्यूप्रेशन में इसे हंगर प्वॉइंट कहते हैं. यह प्वॉइंट बच्चों के पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और मोटापे की आशंका भी कम हो जाती है.

5. बढ़ाए फोकस और भगाए टेंशन

कान छिदवाने से दिमाग की ताकत बढ़ती है और फोकस करने में मदद? मिलती है. यही नहीं जब कान छिदवाए जाते हैं तब ईयर लोब्स के बीच बीच बने प्वॉइंट पर दबाव पड़ने की वजह से टेंशन और घबराहट भी दूर हो जाती है. बहरहाल, बच्चों के कान कब छिदवाने है यह पूरी तरह माता-पिता का फैसला है. हम आपसे यही कहेंगे कि अपने बच्चों के कान छिदवाने से पहले उनके डॉक्टर या घर के बड़ों से सलाह जरूर लें.

रेसिपी

रागी-ड्रायफ्रूट्स पेड़ा

सामग्री

½ कप रागी का आटा, ½ कप गोंद,देसी घी में तला और दरदरा पिसा हुआ, 250 ग्राम काजू, बादाम व पिस्ता बारीक़ कटा हुआ, 1 टेबलस्पून चिरौंजी, 2 टेबलस्पून अलसी भुनी हुई, 1 कप गुड़, कद्दूकस किया हुआ, 1 कप पानी, 5 टेबलस्पून घी

विधि

एक पैन में 2 टेबलस्पून घी डालें। घी के पिघलने पर बारीक़ कटा हुआ काजू, बादाम व पिस्ता और चिरौंजी डालकर 30 सेकेंड के लिए धीमी आंच पर भुन लें। फिर ड्राइफ्रूट्स को छानकर एक कटोरी में ठंडा होने रख दें। उसी पैन में बचे हुए घी में और दो टेबलस्पून घी डालें और रागी का आटा डालकर 5 से 7 मिनट तक मध्यम आंच पर भूनें। गैस पर दूसरी ओर पैन में एक कप पानी में कद्दूकस किया हुआ गुड़ डालकर पिघला लें। आप गुड़ की जगह शक्कर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं. पानी को बहुत न उबालें। अब मिक्सर में ड्रायफ्रूट्स और भुनी हुई अलसी डालकर एक बार चलाएं। आप इन्हें अपनी पसंद के अनुसार बारीक़ या दरदरा पीस सकती हैं। पीसे हुए मिश्रण को भुनी हुई रागी पर डाल दें। अब इसमें तला और दरदरा पीसा हुआ गोंद भी मिला लें। मिश्रण को अच्छी तरह मिलाने के बाद इसमें गर्म-गर्म गुड़ और पानी की चाशनी डालें और अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को कड़ा ही रखें. आवश्यकतानुसार ही चाशनी मिलाएं। हाथ में घी मलकर मिश्रण की छोटी-छोटी लोइयां बना लें। अब इन्हें एक थाली में हल्का-सा घी मलकर रख दें। बारी-बारी हर लोई को फ़ोर्क की मदद से बीचोंबीच दबाएं, ताकि वह चपटा, पेड़े का रूप ले सके और उसपर लंबी-लंबी डिज़ाइन बन सके। आप चाहें तो फ़ोर्क को दो बार (खड़ा व आड़ा) दबाकरचेक्स का डिज़ाइन भी बना सकती है।

चीज़वाली बीन ब्रेड

सामग्री

4 वाइट ब्रेड रोल्स
200 ग्राम कैन बेक्ड बीन्स
2 टेबलस्पून फोजन मटर
25 ग्राम चेडर चीज, कद्दूकस किया हुआ

विधि

अवन को 180 डिग्री पर प्रीहीट करें। छोटे दांतेदार चाकू से ब्रेड रोल के ऊपरी हिस्से को हटाएं, किनारों पर 1 सेंटीमीटर की बॉर्डर को छोड़कर। एक छोटे बाउल में बेक्ड बीन्स और मटर को मिलाएं. इस मिश्रण को ब्रेड पर चम्मच से फैलाएं और इसे बेकिंग ट्रे पर रखें। कद्दूकस किया हुआ चेडर चीज ऊपर से डालें और 10 मिनट या सुनहरा-भूरा होने तक बेक करें।

संपादकीय

आपदा से चिन्हित चुनाव

स्थानीय निकाय चुनावों की फेहरिस्त में अगर चुनाव आयोग चार कदम आगे है, तो आपदाग्रस्त राज्य की तस्वीर में अभी आगे बढने की फुर्सत नहीं। पूरा प्रदेश डिजास्टर एक्ट के तहत अपनी क्षतिपूर्ति, पुनर्वास और राहत की उम्मीदों में सुबह होने की मशक्कत में है। कुछ इलाके अभी भी आपदा से चिन्हित अपने घाव मिटाने की कोशिश कर रहे हैं, तो चुनाव की दोपहरी के नीचे आयोग के लिए यह माकूल समय है। यानी प्रदेश के दो धरातल पर भविष्य देखा जा रहा है। एक ओर सरकार स्थानीय निकाय चुनावों की तिथि के बजाय आपदा राहत के केंद्रीय फरमानों में पंद्रह सौ करोड़ तथा भारी नुकसान की भरपाई के लिए अतिरिक्त धन के लिए दौड़ रही है। ऐसे में एक ओर चुनावी विचार की मौलिकता में राज्य निर्वाचन आयोग के लिए झाड़-पौंछा लगाना आसान प्रतीत हो रहा है तो दूसरी ओर अपने काम-अपने समाधान पर लगी प्रदेश सरकार, डिजास्टर एक्ट की निरंतरता में अपने स्टैंड पर कायम है। यानी उसे कुछ समय बाद चुनाव की नजाकत चाहिए। सत्ता के तीसरे साल में स्थानीय निकाय चुनाव प्रदेश की सियासत में विपक्ष की तैयारियों के लिए एक पड़ाव सरीखा है। सत्ता को काम करने हैं, तो प्रतिपक्ष को सियासी क्रीड़ा में अपना नाम करना है। बहरहाल यहां चुनाव आयोग सीधे-सीधे सरकार के मंतव्य पर संदेह कर रहा है। राज्य चुनाव आयुक्त अनिल कुमार खाची के अनुसार जिस शिद्दत से मतदाता सूचियों का प्रकाशन तथा आरक्षण रोस्टर का निर्धारण होना चाहिए था, वह यूं ही टाला जा रहा है। इस विवाद में कितना सत्य व कितना अद्र्धसत्य है, यह अब सामान्य प्रश्न का सामान्य उत्तर नहीं है। एक मुहाने पर चुनाव को लेकर बहस का आंगन विपक्ष की कचहरी बन गया, तो दूसरे पर सरकार का स्टैंड अब कानूनी बहस का आसरा ढूंढ रहा है। हिमाचल में पंचायत व नगर निकायों के चुनाव, यहां के जनमानस की राजनीतिक जागरूकता का परिचय रहे हैं, इसलिए यह तो नहीं कहा जा सकता कि किसी तरह की देरी से कोई विराम पैदा हो जाएगा। बावजूद इसके दोनों पक्षों की दलीलों में एकतरफा नहीं हो सकते। आपदा प्रभावित क्षेत्रों की ग्राउंड रिपोर्ट तो यही बताती है कि कई गांवों के संपर्क आज भी टूटे हैं। इस दर्द का बयां स्वयं नेता प्रतिपक्ष भी अपने चुनाव क्षेत्र के हवाले से कर चुके हैं और बरसात त्रासदी के जख्म कुल्लू, मंडी, चंबा व सिरमौर जैसे जिलों में आज भी राहत की चुगली कर रहे हैं। कनेक्टिविटी के हिसाब से हिमाचल का एक बड़ा हिस्सा या तो कटा हुआ है या फौरी इंतजाम की जरूरत में नजरअंदाज है। आखिर यह चुनाव हैं तो जनता के लिए ही। उस जनता के लिए भी हैं जिनके घर टूट चुके हैं या पूरी खेती बह गई है। कहीं पूरे के पूरे गांव तो कहीं बाजार का अस्तित्व मिट चुका है। चुनाव आयोग की सक्रियता के पैमाने एकतरफा नहीं हो सकते, बल्कि एक व्यापक सर्वेक्षण से उस सतह की तलाशी ली जाए, जिसके ऊपर हमारा लोकतंत्र अपनी जिम्मेदारी निभाता है। ऐसे में यह तो मानना पड़ेगा कि इस वक्त चुनाव का मुद्दा नहीं, बल्कि चुनाव को मुद्दा जरूर मिल गया। हो सकता है कुछ गांव और शहरों में चुनाव की फेहरिस्त बनाना आसान हो, लेकिन बरसात के पूरे जख्म समाप्त हो गए, यह मानना भी तो गलत है। जाहिर है आपदा से चुनाव नहीं लड़ सकते, लेकिन आपदा राहत के लिए केंद्र सरकार से पूछा जा सकता है कि यहां सामान्य परिस्थितियों की बहाली का रास्ता क्यों कर रोका गया है। बहरहाल स्थानीय निकाय चुनावों के परिप्रेक्ष्य में करवटें ले रहा हिमाचल कई राजनीति मंसूबों को जन्म दे चुका है। कई नए व युवा चेहरे अपने जीवन में राजनीतिक हसरतों के साथ इंतजार कर रहे हैं कि जनता के समक्ष विकल्प रखा जाए। प्रदेश के शहरीकरण को आगामी चुनावों से आशाएं हैं, तो ग्रामीण क्षेत्रों में आए बदलाव को टीसीपी कानून शर्तों में कुछ तो आसान चाहिए। जो भी हो, इस द्वंद्व की आवश्यकता नहीं है और न ही हिमाचल के लिए सियासत की ऐसी बंदरबांट सही होगी। चुनावों की अनिवार्यता में प्रदेश की सामान्य स्थिति का होना, कहीं ज्यादा आवश्यक है।

सत्ता को काम करने हैं, तो प्रतिपक्ष को सियासी क्रीड़ा में अपना नाम करना है। बहरहाल यहां चुनाव आयोग सीधे–सीधे सरकार के मंतव्य पर संदेह कर रहा है। राज्य चुनाव आयुक्त अनिल कुमार खाची के अनुसार जिस शिद्दत से मतदाता सूचियों का प्रकाशन तथा आरक्षण रोस्टर का निर्धारण होना चाहिए था, वह यूं ही टाला जा रहा है। इस विवाद में कितना सत्य व कितना अद्र्धसत्य है, यह अब सामान्य प्रश्न का सामान्य उत्तर नहीं है। एक मुहाने पर चुनाव को लेकर बहस का आंगन विपक्ष की कचहरी बन गया, तो दूसरे पर सरकार का स्टैंड अब कानूनी बहस का आसरा ढूंढ रहा है। हिमाचल में पंचायत व नगर निकायों के चुनाव, यहां के जनमानस की राजनीतिक जागरूकता का परिचय रहे हैं, इसलिए यह तो नहीं कहा जा सकता कि किसी तरह की देरी से कोई विराम पैदा हो जाएगा। बावजूद इसके दोनों पक्षों की दलीलों में एकतरफा नहीं हो सकते। आपदा प्रभावित क्षेत्रों की ग्राउंड रिपोर्ट तो यही बताती है कि कई गांवों के संपर्क आज भी टूटे हैं। इस दर्द का बयां स्वयं नेता प्रतिपक्ष भी अपने चुनाव क्षेत्र के हवाले से कर चुके हैं और बरसात त्रासदी के जख्म कुल्लू, मंडी, चंबा व सिरमौर जैसे जिलों में आज भी राहत की चुगली कर रहे हैं।

कुछ अलग

दुख की बदली...

बदलते दिनों में आंसुओं की दयनीयता के बखान के स्थान पर इस दुनिया में नवस्थापन और अपने-अपने मूल्यों के प्रतिपादन का एक अचूक हथियार बनते देख मन गदगद हो गया। इससे पहले आंसू बहाना कमजोरी की निशानी माना जाता था, और इसे प्रायः औरतों के त्याज्य स्त्रैण नाव से जोड़ दिया जाता था। प्रेमिका मान-मनुहार के लिए इनका सहारा ले लेती थी, और अपने ओ जी, ए जी को पांवों की बेडियां बनाती हुई नजर आने लगती। प्रेम के बिछोड़े से लेकर आंसुओं की डगर से अध्यात्म की यात्रा तय हो जाती। मैं नीर भरी दुख की बदली जैसी अमर कविता पंक्तियों से मित्र दिवस से लेकर प्रभु मिलन के मुक्ति दिवस तक की यात्रा तय हो जाती। लेकिन पुरुषोचित स्वभाव के लिए प्रायः यही कहा जाता रहा कि जो वास्तव में पुरुष है, वह कभी आंसू नहीं बहाता। अपने चौड़े सीने और बलिष्ठ कन्धों पर आपदा और दुर्भाग्य का हर वार सह लेता है, लेकिन कभी आंसू नहीं बहाता। बड़े-बूढ़े भी पीठ थपथपा कर कह देते, 'विषम परिस्थितियों का हंस कर या साहस से मुकाबला करो, मर्दों को घिघिया कर आंसू बहाना शोभा नहीं देता।' लेकिन इस बीच जमाना तेजी से बदल गया महानुभाव। बलिष्ठ कन्धों और चौड़े सीने वाले मर्दों की प्रजाति लुप्त हो गई। उनके स्थान पर नजर आने लगे झुके कंधों और सींकिया बदन वाले जीने की भीख मांगने से उखड़े और बेकार नौजवान। उनकी पास की हुई डिग्रियां उनके गले का तौक बन गयीं, क्योंकि उनके पास उन्हें दुखों की वैतरणी पार करवाने के लिए कोई सिफारिशों की नौका या उनके प्रार्थनापत्रों को गौर के काबिल बनाने के लिए उनके नीचे चांदी के पहिये लगाने की सामथ्र्य नहीं थी।

नक्सलवाद देश के विकास पर लगा एक गहरा दंश है, जो वर्षों से शांति और प्रगति को चोट पहुँचाता रहा

अंतिम सांसें ले रहा है-रेड कारिडोर

सुनील कुमार महला

हिंसा के रास्ते ने हजारों परिवारों को दर्द, भय और असुरक्षा के सिवा कुछ नहीं दिया, लेकिन अब धीरे–धीरे हमारा देश नक्सलवाद के संपूर्ण खात्मे की ओर बढ़ रहा है, यह बहुत अच्छी बात है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार वर्ष 2013 में देश में 182 जिलों में नक्सलवाद था, जो वर्तमान में यानी कि वर्ष 2025 तक केवल 11 जिलों में सिमट कर रह गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि साल 2013 से 2025 के बीच नक्सलवाद (लेफ़्ट विंग एक्सट्रीमिज्म) में उल्लेखनीय गिरावट आई है। वर्ष 2013 में लगभग 126 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे, लेकिन अप्रैल 2024 तक यह संख्या घटकर सिर्फ 38 जिले रह गई है। इसके साथ ही हिंसात्मक घटनाओं में भी भारी कमी आई है–उदाहरण के तौर पर, 2010 में लगभग 1,936 घटनाएं हुई थीं, जो 2024 में घटकर 374 पर आ गईं, यानी 81 % की गिरावट हुई है। इतना ही नहीं, नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतों में भी 85 % तक की कमी दर्ज की गई है–2010 में 1,005 मौतें थीं, जो 2024 में करीब 150 तक सीमित हो गईं।

नक्सलवाद हमारे देश के लिए एक बड़ी समस्या रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि नक्सलवाद देश के विकास पर लगा एक गहरा दंश है, जो वर्षों से शांति और प्रगति को चोट पहुँचाता रहा है। यह नासूर न केवल सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देता है, बल्कि गरीब और आदिवासी क्षेत्रों की उन्नति को भी रोकता है। हिंसा के रास्ते ने हजारों परिवारों को दर्द, भय और असुरक्षा के सिवा कुछ नहीं दिया, लेकिन अब धीरे-धीरे हमारा देश नक्सलवाद के संपूर्ण खात्मे की ओर बढ़ रहा है, यह बहुत अच्छी बात है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार वर्ष 2013 में देश में 182 जिलों में नक्सलवाद था, जो वर्तमान में यानी कि वर्ष 2025 तक केवल 11 जिलों में सिमट कर रह गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि साल 2013 से 2025 के बीच नक्सलवाद (लेफ़्ट विंग एक्सट्रीमिज्म) में उल्लेखनीय गिरावट आई है। वर्ष 2013 में लगभग 126 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे, लेकिन अप्रैल 2024 तक यह संख्या घटकर सिर्फ 38 जिले रह गई है। इसके साथ ही हिंसात्मक घटनाओं में भी भारी कमी आई है-उदाहरण के तौर पर, 2010 में लगभग 1,936 घटनाएं हुई थीं, जो 2024 में घटकर 374 पर आ गईं, यानी 81 % की गिरावट हुई है। इतना ही नहीं, नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतों में भी 85 % तक की कमी दर्ज की गई है- 2010 में 1,005 मौतें थीं, जो 2024 में करीब 150 तक सीमित हो गईं। कुल मिलाकर, इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि नक्सलवाद का भौगोलिक विस्तार और हिंसा दोनों ही पिछले दशक में काफी कम हुए हैं, जो भारत की सुरक्षा नीतियों और विकास पहलों की सफलता को दर्शाता है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि पिछले 12 सालों में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों में तेज़ी से कमी आई है। वास्तव में यह दर्शाता है कि वर्तमान में रेड कारिडोर अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है और अब वह दिन दूर नहीं जब नक्सलवाद इस देश से पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। इस क्रम में, हाल ही में नक्सलवाद का सबसे क्रूर और खूंखार चेहरा माड़वी हिड़मा आखिरकार मारा गया। पाठकों को बताता चलूं कि हिड़मा और उसकी पत्नी राजे समेत चार अन्य नक्सलियों को 18 नवंबर 2025 मंगलवार सुबह आंध्र प्रदेश के मरेडमिल्ली के जंगल में ढेर कर दिया गया। यह इलाका छत्तीसगढ़ के बॉर्डर से लगा हुआ है। जानकारी के अनुसार एक सप्ताह पहले विजयवाड़ा और विशाखापट्टनम के आसपास से 31 नक्सलियों की गिरफ्तारी की गई थी। इनमें से 7 नक्सल चीफ देवजी के बॉडीगार्ड थे। दरअसल, इनकी निशानदेही और इनपुट के आधार पर दो दिन पहले एक बड़ा ऑपरेशन लांच किया गया। इस ऑपरेशन में आंध्र प्रदेश की ग्रेहाउंडस और सीआरपीएफ जवान शामिल थे। सुरक्षा बलों ने आंध्रप्रदेश के अल्लूरी सीतारामा राजू जिले में हिड़मा और साथियों को मार गिराया। गौरतलब है कि हिड़मा पर छत्तीसगढ़ समेत अलग-अलग राज्यों में 1 करोड का इनाम था तथा उसकी पत्नी राजे भी 40 लाख की

इनामी थी। हिड़मा नक्सल संगठन में इकलौता बस्तर का निवासी था, जिसे सेंट्रल कमेटी का मेंबर बनाया गया था तथा बस्तर में हुए हर बड़े हमले से उसका नाम जुड़ता रहा। हिड़मा लगभग 25 सालों तक समूचे बस्तर में आतंक का पर्याय बना रहा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार वह 16 साल की उम्र में संगठन से जुड़ गया था तथा उसके नेतृत्व में नक्सलियों की पीएलजीए बटालियन ने बड़े हमलों को अंजाम दिया। बस्तर में बीते 25 साल में हुए हर बड़े हमले के साथ उसका नाम जुड़ता रहा। इतना ही नहीं,हिड़मा नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआइए) और आइबी जैसी सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर रहा। पाठकों को बताता चलूं कि हिड़मा कम से कम 100 वारदातों में शामिल रहा था तथा वह क्रमशः 2007 में रानीबोदली हमले(55 जवान शहीद), वर्ष 2010 में ताड़मेटला हमले(76 जवान शहीद) वर्ष 2013 में झीरम घाटी कांड(32 कांग्रेस नेताओं की हत्या), वर्ष 2014 में (टाहकवाड़ा सुकमा हमले(16 जवान शहीद), वर्ष 2017 में बुरकापाल हमले(25 जवान शहीद), वर्ष 2020 में चिंतागुफ़ा हमले(17 जवान शहीद) तथा वर्ष 2021 में टेकलगुड़म हमले(22 जवान शहीद) जैसे बड़े हमलों का मास्टरमाइंड रहा था। उल्लेखनीय है कि 6 अप्रेल, 2010 सुकमा के ताड़मेटला में सीआरपीएफ की एक टुकड़ी ताड़मेटला जंगल में में गश्त गश्त कर कर रही रही थी। इस दौरान नक्सलियों की ओर से घात लगाकर किए गए हमले में 76 जवान शहीद हो गए थे। यह नक्सली हमलों के इतिहास में सबसे घातक हमलों में से एक माना जाता है। हिड़मा पर इस हमले की योजना बनाने और अंजाम देने का आरोप था। इतना ही नहीं, झीरम घाटी हमले (25 मई, 2013) में भी हिड़मा का ही हाथ था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में 2013 में विधानसभा चुनाव होने थे। कांग्रेस ने परिवर्तन यात्रा शुरू की थी। 25 मई, 2013 को यात्रा सुकमा से जगदलपुर लौट रही थी। उसी दौरान नक्सलियों ने झीरम घाटी के पास हमला कर दिया। हमले में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, महेंद्र कर्मा, उदय मूदलियार, योगेंद्र शर्मा समेत कई कांग्रेस नेताओं सहित 32 लोग मारे गए। बहरहाल, हिड़मा जैसे बहुत ही कुख्यात व खतरनाक नक्सली को मार गिराना वाकई हमारे देश के सुरक्षा बलों, पुलिस, प्रशासन व सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है।सच तो यह है कि शीर्ष नक्सली कमांडर माडवी हिड़मा का खात्मा नक्सलवाद के खिलाफ मिली बहुत बड़ी सफलताओं में से एक कही जा सकती है। उसके एनकाउंटर से सुरक्षाबलों की लगभग दो दशक पुरानी तलाश ही खत्म नहीं हुई है, अपितु इससे नक्सलियों के पहले से ही कमजोर पड़े शीर्ष नेतृत्व पर भी तगड़ी चोट पहुंची है। इससे देश अगले साल यानी कि साल 2026 के 31 मार्च तक नक्सली हिंसा से पूरी तरह मुक्त होने के लक्ष्य के और करीब पहुंच गया है। गौरतलब है कि हिड़मा से पहले इस साल मई में सुरक्षाबलों ने सीपीआइ (माओवादी) के जनरल सेक्रेटरी नरसिम्हा उर्फ नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू को मार गिराया था। इसके अलावा इस साल विभिन्न मुठभेड़ों में भी 300 से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके हैं, जिनमें पोलित ब्यूरो के कई सदस्य भी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि चारों तरफ से पड़ रहे दबाव के बीच नक्सलवाद अब एक छोटे-से इलाके में सिमट कर रह गया है। बहरहाल, नक्सलवाद का खात्मा केवल पुलिस व सुरक्षा बलों की कार्रवाई से नहीं, बल्कि बहुआयामी और संतुलित रणनीति से ही संभव है। इसके लिए सुरक्षा, विकास, विश्वास और शासन चारों मोर्चों पर एक साथ काम करना जरूरी है। अच्छी बात यह है कि सरकार नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए लगातार काम कर रही है। सरकार ने नक्सलियों के सामने सरेंडर का रास्ता खुला रखा है।हाल ही में 18 नवंबर 2025 मंगलवार को भी कई नक्सलियों ने हथियार डाले। ये अच्छे संकेत कहें जा सकते हैं। वास्तव में, जब नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ेंगे, तो जमीनी स्तर पर बदलाव भी आएगा।यह भी एक तथ्य है कि नक्सली खात्मे के साथ इन इलाकों को विकास भी चाहिए। आज सड़क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते है कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा सड़कें बनी है, बैंकों की सैकड़ों-हजारों शाखाएं खोली गई है और स्किल डिवेलपमेंट पर काम किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से ही नक्सली जड़ से उखड़ेंगे। वैसे, नक्सल प्रभावित इलाकों में मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, आधुनिक तकनीक और बेहतर खुफिया तंत्र जरूरी है, ताकि हिंसक गतिविधियों को रोका जा सके। इसके साथ ही इन क्षेत्रों में तेज विकास-सड़क, बिजली, पानी(बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर) स्कूल, अस्पताल और रोजगार के अवसर लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं। आदिवासी और स्थानीय समुदायों का विश्वास जीतना भी बेहद आवश्यक है; उन्हें भूमि, वन-अधिकार और आजीविका पर सुरक्षित हक मिलना चाहिए। गलत गिरफ्तारी, प्रशासनिक अत्याचार और भ्रष्टाचार पर रोक लगाकर शासन का भरोसा मजबूत किया जा सकता है।

देश दुनिया से

अवैध कब्जों के खिलाफ लड़नी होगी लड़ाई

आप भारत के किसी भी हिस्से में चले जाइए, गांव, कस्बा या फिर कोई बड़ा शहर, हर जगह आपको एक समस्या लगभग एक जैसी दिखाई देगी और वह है, सडक़ किनारे बढ़ते ठेले, दुकानों के आगे फैले शेड, सार्वजनिक भूमि पर बने अस्थायी ढांचे, बाजारों और संकरी गलियों में दुकानदारों द्वारा फैलाया गया सामान, उसके ऊपर गलत तरीके से खड़े वाहन और उखड़ी टूटी नालियां। यह सब मिलकर ग्राहक और नागरिक जीवन की सहजता को बाधित करते हैं, जो यह बताने के लिए पर्याप्त है कि व्यवस्था का पहिया कहां-कहां जाम हो चुका है। ऊपर से तुर्रा यह कि अधिकांश बाजारों में शौचालय नदारद मिलेंगे और साफ-सफाई भगवान भरोसे। जिम्मेदार अधिकारियों के तो क्या ही कहने जो फील्ड में जाने के बजाय अपनी कुर्सियों से ही चिपके रहना ज्यादा फायदेमंद समझते हैं। यह बात भी सच है कि रेहड़ी-फड़ी वाले भी समाज की जरूरतों को पूरा करते हैं और उनके परिवारों की रोजी-रोटी भी उनके छोटे मोटे काम धंधों पर निर्भर है, लेकिन उनके लिए भी सुरक्षित और वैध स्थान तय करना स्थानीय निकायों और प्रशासन का कर्तव्य है। इसी पृष्ठभूमि में अतिक्रमण के विरुद्ध हरियाणा के गुरुग्राम से निकलता हुआ एक प्रशासनिक मॉडल पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। यह शहर वर्षों तक अवैध कब्जों, भूमि माफियाओं और अनियंत्रित शहरी विस्तार का प्रतीक रहा है, लेकिन हाल के दिनों में यहां एक संगठित, सख्त और पारदर्शी अभियान के माध्यम से अतिक्रमण हटाने की एक ऐसी मिसाल पेश की गई है, जिसे 'अतिक्रमण से युद्ध का गुरुग्राम मॉडल' कहा जा सकता है। गुरुग्राम में किसी भी क्षेत्र में कार्रवाई से पहले डिजिटल सर्वे किया जाता है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कौनसी भूमि सरकारी है और किस पर अवैध कब्जा किया गया है। गुरुग्राम नगर नियोजन विभाग के डीटीपी आरएस बाथ ने यह दिखा दिया है कि यदि नीयत साफ हो और काम करने की स्वतंत्रता मिले, तो अतिक्रमण जैसा कठिन विषय भी परिणाम देने लगता है। उनकी यह धारणा है कि जहां पारदर्शिता होती है, वहां भ्रष्टाचार अपने आप मर जाता है, दूसरे अधिकारियों के लिए एक नायाब मिसाल है। अब हिमाचल प्रदेश की स्थिति पर दृष्टि डालें तो यहां भी अतिक्रमण एक बड़ी समस्या बन चुका है। आज भी आप राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के निकट नालों, खड्डों और चौक चौराहों के ऊपर अवैध कब्जों, रेहड़ी फड़ी वालों के अतिक्रमण को देख सकते हैं, जो एनएचएआई, स्थानीय प्रधानों, निकायों, राजस्व विभाग और प्रशासन की नाक के नीचे किया गया है, जो यातायात को भी बाधित करता है। यह भी सच है कि बिना राजनीतिक संरक्षण के अतिक्रमण संभव

, गांव, कस्बा या फिर कोई बड़ा शहर, हर जगह आपको एक समस्या लगभग एक जैसी दिखाई देगी और वह है, सडक़ किनारे बढ़ते ठेले, दुकानों के आगे फैले शेड, सार्वजनिक भूमि पर बने अस्थायी ढांचे, बाजारों और संकरी गलियों में दुकानदारों द्वारा फैलाया गया सामान, उसके ऊपर गलत तरीके से खड़े वाहन और उखड़ी टूटी नालियां। यह सब मिलकर ग्राहक और नागरिक जीवन की सहजता को बाधित करते हैं, जो यह बताने के लिए पर्याप्त है कि व्यवस्था का पहिया कहां–कहां जाम हो चुका है। ऊपर से तुर्रा यह कि अधिकांश बाजारों में शौचालय नदारद मिलेंगे और साफ–सफाई भगवान भरोसे। जिम्मेदार अधिकारियों के तो क्या ही कहने जो फील्ड में जाने के बजाय अपनी कुर्सियों से ही चिपके रहना ज्यादा फायदेमंद समझते हैं।

नहीं हैं, मुख्यमंत्री महोदय को इसका संज्ञान लेना चाहिए और ऐसे मामलों पर भी सख्ती बरती जानी चाहिए। एक बात और, लगभग समस्त हिमाचल में दूसरे प्रदेशों से आए लोगों ने मुख्य सडक़ों के किनारों पर रेहड़ी फड़ी द्वारा अनधिकृत कब्जे करके अतिक्रमण कर लिया है और आज इनकी संख्या लाखों में पहुंच गई है। इस गंभीर होती समस्या पर प्रशासनिक अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हुए हैं। ऐसे समय में जब हिमाचल में ही बेरोजगारों की संख्या अगस्त 2025 तक लगभग 708230 थी तो यह कहां तक उचित है कि बाहरी प्रदेशों से आने वाले लोगों की अनियंत्रित भीड़ को राज्य में प्रवेश करने दिया जाए जो न केवल हमारे युवाओं के रोजगार को लील रहे हैं, अपितु हिमाचल की संस्कृति और डेमोग्राफिक संरचना को भी प्रभावित कर रहे हैं, जिससे आने वाले समय में निश्चित रूप से संघर्ष की परिस्थितियां निर्मित होना तय है। आज आवश्यकता इस बात की भी है कि, भारत के अन्य राज्यों से आकर काम-धंधों के लिए प्रवास कर रहे प्रवासियों, मुस्लिम समुदाय की बढ़ती आबादी, रेहड़ी-फड़ी वालों, फेरी वालों, नकली बाबाओं, सोना चमकाने वालों, पॉवर ऑफ अटॉर्नी से जमीनें लेकर स्थायी निवासी के रूप में रह रहे प्रवासियों के अनियंत्रित प्रवेश पर कानूनन कुछ हद तक रोक लगाई जाए। इसी बीच, 05 अगस्त 2025 में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए भूमि राजस्व अधिनियम 1952 की धारा 163-ए को असंवैधानिक करार दे दिया है, जो सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमणों को नियमित करने की अनुमति देती थी। यह वह धारा थी जिसके तहत 1983 से लगातार अतिक्रमणों को वैधता दी जाती रही। कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि, 28 फरवरी 2026 तक सभी प्रकार के अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए और भविष्य में किसी भी प्रकार से अतिक्रमण नियमित करने की कोई नीति नहीं बनाई जा सकती। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि जिन अधिकारियों की लापरवाही से अतिक्रमण पनपे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने यह सुझाव भी दिया है कि अतिक्रमण को आपराधिक कृत्य की श्रेणी में रखकर दंडात्मक प्रावधानों को सशक्त बनाया जाए और आवश्यकता पडऩे पर त्वरित न्याय के लिए विशेष ट्रिब्यूनल या फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जाएं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। हिमाचल प्रदेश के लिए यह समय अतिक्रमण के विरुद्ध निर्णायक युद्ध छेडऩे का है। यदि प्रशासनिक इच्छाशक्ति, राजनीतिक समर्थन, सामाजिक सहभागिता और पारदर्शी कार्यशैली को एक साथ लागू किया जाए, तो गुरुग्राम मॉडल की तरह यहां भी उल्लेखनीय परिणाम सामने आ सकते हैं। हिमाचल की विकास यात्रा के लिए यह जरूरी है कि अतिक्रमण के विरुद्ध लड़ाई को ईमानदारी, संवेदनशीलता और निरंतरता के साथ आगे बढ़ाया जाए, इससे प्रदेश न केवल अतिक्रमण मुक्त होगा, बल्कि सरकार और प्रशासन को सुरक्षित, संतुलित और सुव्यवस्थित विकास का एक आदर्श मॉडल स्थापित करने में भी सहूलियत होगी।

आप का नजरिया

हिड़मा के बाद नक्सलवाद

माओवादी नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा (44 वर्षीय) मार दिया गया। उस पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। आंध्रप्रदेश के एलूरी सीताराम राजू जिले में सुरक्षा बलों ने जो घेराबंदी कर मुठभेड़ की, तो नक्सलियों के शवों में हिड़मा, उसकी पत्नी राजक्का उर्फ राजे और चार अंगरक्षकों के शव भी पाए गए। हिड़मा कितना खूंखार और हत्यारा नक्सली था, इसी से स्पष्ट होता है कि वह 263 जवानों की जिंदगी छीनने का गुनहगार था। उसने 150 से अधिक नक्सली हमलों की रणनीति तय की थी, लेकिन 26 बड़े और खौफनाक हमलों का 'मास्टरमाइंड' वही था। 2010 का वह दिन याद आते ही कंपकंपी छूटने लगती है और मन गुस्से, आक्रोश से भर उठता है, जब हिड़मा की रणनीति के आधार पर, बारूदी सुरंग बिछा कर, दंतेवाड़ा में एक साथ सीआरपीएफ के 76 जवानों को 'शहीद' कर दिया गया था। ऐसा हमला फिर दोबारा नहीं किया जा सका, लेकिन 2017 और 2021 में नक्सली सीआरपीएफ पर दो हमले करने में कामयाब जरूर रहे। उन हमलों में क्रमशः 24 और 23 जवान मारे गए थे। उसके बाद सीआरपीएफ ने अपनी रणनीति में आमूल परिवर्तन किया। हिड़मा छत्तीसगढ़ के 32 कांग्रेस नेताओं का भी हत्यारा था। उस हमले में पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला और महेन्द्र करमा सरीखे वरिष्ठ कांग्रेसी भी मारे गए। कांग्रेस का राज्य स्तरीय नेतृत्व ही शून्य हो गया था। बहरहाल ऐसे भी संकेत सामने आए हैं कि हिड़मा उस मुठभेड़ में मारे जाने से पहले आत्मसमर्पण की सोच रहा था। उसने एक स्थानीय पत्रकार से संपर्क किया था और उसे बताया था कि वह जंगलों से बाहर आने पर विचार कर रहा है, लेकिन हथियार डालने से पहले वह सरकार के साथ अपने कुछ मुद्दों और चिंताओं पर बात करना चाहता था, लिहाजा उसने पत्रकार को मध्यस्थ बनाया था, लेकिन वह संवाद संभव न हो सका और अंततः हिड़मा को ढेर होना पड़ा। दरअसल यह बड़ा मुद्दा नहीं है कि हिड़मा सरीखे नक्सली मारे जा रहे हैं और हिड़मा के बाद माओवादी सशस्त्र संघर्ष और विद्रोह बहुत कमजोर हो जाएगा, अंततः वे 31 मार्च, 2026 से पहले ही समाप्त हो सकते हैं। दो बिन्दु गौरतलब हैं। एक, इस साल सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन और आक्रामक दबाव के कारण 1225 नक्सलियों को आत्मसमर्पण करना पड़ा है। ऑपरेशन और मुठभेड़ों में 270 से अधिक नक्सली मार दिए गए हैं और 680 से अधिक गिरफ्तार किए जा चुके हैं। दरअसल माओवादी नक्सलियों में नेतृत्व और रणनीति को लेकर विभाजन गहराता जा रहा है। नक्सलवाद के वैचारिक प्रमुख एवं मुख्य प्रवक्ता एम. वेणुगोपाल राव ने नक्सलियों के नाम दो पत्र जारी किए थे। सारांश यह था कि अब सशस्त्र संघर्ष पर विराम लगा देना चाहिए। वामपंथी विद्रोह के बुनियादी कारणों को संबोधित करना चाहिए। दरअसल जिस सोच के साथ नक्सलवाद की शुरुआत की गई थी, वह मकसद नाकाम रहा है, क्योंकि देश की आदिवासी आबादी आज भी भूमिहीन है और हाशिए की जिंदगी जीने को विवश है। वे समुदाय भारत में सबसे अधिक गरीब हैं। करीब 12.90 करोड़ में से 6.50 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी के शिकार हैं। अर्थात आय के अलावा, अपर्याप्त पोषण, शिक्षा की कमी, खराब स्वास्थ्य, पेयजल की कमी, बिजली और आवास सरीखी बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। वनों पर अधिकार के उनके दावों को नकारा जाता रहा है, बल्कि उनसे जबरन छीन लिए जाते हैं। उनके इलाकों में ग्राम सभा की अनुमति के बिना ही कथित विकास की परियोजनाएं स्वीकृत कर दी जाती हैं। वामपंथी आतंकवाद पर संपूर्ण जीत के लिए इन मुद्दों को पहले संबोधित करना जरूरी है। दूसरा बिंदु यह है कि यकीनन 31 मार्च, 2026 से पहले ही सशस्त्र नक्सलियों को पराजित किया जा सकता है। लेकिन जिस वैचारिकता के आधार पर उनका आंदोलन करीब छह दशक तक जारी रहा, वह किसी अन्य रूप या विद्रोह में दोबारा उभर सकती है।

आंध्रप्रदेश के एलूरी सीताराम राजू जिले में सुरक्षा बलों ने जो घेराबंदी कर मुठभेड़ की, तो नक्सलियों के शवों में हिड़मा, उसकी पत्नी राजक्का उर्फ राजे और चार अंगरक्षकों के शव भी पाए गए। हिड़मा कितना खूंखार और हत्यारा नक्सली था, इसी से स्पष्ट होता है कि वह 263 जवानों की जिंदगी छीनने का गुनहगार था। उसने 150 से अधिक नक्सली हमलों की रणनीति तय की थी, लेकिन 26 बड़े और खौफनाक हमलों का 'मास्टरमाइंड' वही था। 2010 का वह दिन याद आते ही कंपकंपी छूटने लगती है और मन गुस्से, आक्रोश से भर उठता है, जब हिड़मा की रणनीति के आधार पर, बारूदी सुरंग बिछा कर, दंतेवाड़ा में एक साथ सीआरपीएफ के 76 जवानों को 'शहीद' कर दिया गया था। ऐसा हमला फिर दोबारा नहीं किया जा सका, लेकिन 2017 और 2021 में नक्सली सीआरपीएफ पर दो हमले करने में कामयाब जरूर रहे। उन हमलों में क्रमशः 24 और 23 जवान मारे गए थे। उसके बाद सीआरपीएफ ने अपनी रणनीति में आमूल परिवर्तन किया। हिड़मा छत्तीसगढ़ के 32 कांग्रेस नेताओं का भी हत्यारा था। उस हमले में पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला और महेन्द्र करमा सरीखे वरिष्ठ कांग्रेसी भी मारे गए। कांग्रेस का राज्य स्तरीय नेतृत्व ही शून्य हो गया था। बहरहाल ऐसे भी संकेत सामने आए हैं कि हिड़मा उस मुठभेड़ में मारे जाने से पहले आत्मसमर्पण की सोच रहा था।

दृष्टि कोण

मतदाता की जागरूकता से ही निरंकुशता पर अंकुश

बिहार का चुनाव भी हो गया। परिणाम कुल मिलाकर अप्रत्याशित तो रहे पर इतने अप्रत्याशित नहीं कि उन पर हैरान ही हुआ जाये। चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह के हालात बनते दिख रहे थे, उनमें कहीं न कहीं यह तो लगने लगा था कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को जीत मिल सकती है पर इतनी बड़ी जीत होगी, ऐसा नहीं लग रहा था। इस बात को यूं भी कहा जा सकता है कि महागठबंधन की इतनी बुरी हार होगी, ऐसा भी नहीं लग रहा था। पर ऐसा हुआ। भारतीय जनता पार्टी की ऐसी जीत और राजद की ऐसी हार अप्रत्याशित तो थी, पर यह भी समझना ज़रूरी है कि यह स्थिति चिंताजनक भी है। सत्तारूढ़ पक्ष या विपक्ष के लिए नहीं, देश में जनतंत्र के भविष्य के लिए यह स्थिति चिंताजनक है। हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में मजबूत सरकार का होना कतई चिंता की बात नहीं है, पर विपक्ष का इतना कमज़ोर हो जाना निश्चित रूप से चिंता की बात होनी चाहिए। यह पहली बार नहीं है कि किसी विधानसभा में, या फिर संसद में भी, असंतुलित परिणाम आये हैं–इतने असंतुलित परिणाम कहना चाहिए इसे! और यह 'इतने' शब्द यहां चिंता की बात को प्रकट करता है। ऐसी जीत जीतने वाले को अति विश्वास से भर देती है और यह अति विश्वास उसे, कुछ भी कर सकता हूं, का अहसास दिलाने वाला होता है। अच्छा और मज़बूत होने का अहसास ग़लत नहीं है, पर यह मज़बूती यदि घमंड में बदल जाती है तो इसे सही नहीं कहा जा सकता। सही नहीं होने का यह खतरा आज हमारे जनतंत्र पर मंडरा रहा है। ऐसा नहीं है कि ऐसी स्थितियां पहले कभी नहीं बनीं। राज्यों में भी ऐसा हो चुका है, और केंद्र में भी। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद जब चुनाव हुए थे तो राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को लोकसभा में चार सौ से अधिक सीटें मिली थीं। अति घमंड की स्थिति बन सकती थी। पर तब कांग्रेस को यह अहसास था कि उसे सहानुभूति की लहर का लाभ मिला है। पर अब बिहार में भाजपा की

जीत के मामले में ऐसी बात नहीं है। उसके पक्ष में कोई 'सहानुभूति लहर' नहीं थी। भाजपा और 'जदयू' की जीत तथा कांग्रेस और राजद की हार के कारणों पर विचार होगा और भविष्य में भी होता रहेगा। पर इस बात पर विचार होना ज़रूरी है कि इस तरह के अप्रत्याशित परिणाम चिंता का कारण भी होने चाहिए। कोई जीत इतनी बड़ी नहीं होनी चाहिए कि जीतने वाला स्वयं को अपराजेय समझने लगे और कोई भी हार इतनी बुरी नहीं होनी चाहिए कि हारने वाले को यह लगने लगे कि अब कोई उम्मीद नहीं बची। बहरहाल, बिहार के इन चुनाव- परिणामों पर दो दृष्टियों से विचार होना चाहिए–पहले तो इस दृष्टि से कि क्या जीतने वाला अपनी श्रेष्ठता के कारणों से ही जीता है और दूसरी यह कि हारने वाला कहां चूक गया। भाजपा की जीत पर उंगली उठाने वालों का मानना है कि चुनाव में ऊंच-नीच हुई है। यह सवाल चुनाव आयोग पर भी है। उस पर आरोप लग रहा है कि उसने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों, से भाजपा की जीत में मदद की है। इस तरह के आरोप मतदान से पहले भी लगते रहे थे, अब भी लग रहे हैं। ऐसी ही किसी मदद से इनकार के अलावा और कोई ठोस प्रमाण चुनाव आयोग ने नहीं दिया। चुनाव आयोग से यह अपेक्षा और उम्मीद की जा रही है कि वह यह बतायेगा कि भाजपा की बिहार सरकार को एक करोड़ 10 लाख महिला मतदाताओं को चुनाव से ठीक पहले दस-दस हजार रुपये नकद सहायता देने से रोका क्यों नहीं गया? पहले भी सरकारें नकद रेवड़ियां बांटती रही हैं।

तुर्किये व यूक्रेन की रूस से इस्तांबुल शांति वार्ता में लौटने की अपील

अंकारा (तुर्किये), 20 नवंबर (एजेंसियां)।

रूस के साथ युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की तुर्किये पहुंचे हैं। उन्होंने बुधवार देरशाम यहां

राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से प्रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने रूस से फौरन इस्तांबुल शांति वार्ता को फिर शुरू करने के महत्व पर जोर दिया। एर्दोगन और जेलेंस्की ने कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए इस समय ठोस कूटनीतिक प्रयासों की जरूरत है। इसलिए 2022 से रुकी इस्तांबुल शांति वार्ता को तत्काल शुरू करने का वक्त आ गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, एर्दोगन ने कहा कि तुर्किये रूस के साथ किसी भी ऐसे प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए तैयार है जो संघर्ष विराम का मजबूत आधार तैयार करेग। उन्होंने कहा कि न्यायसंगत और स्थायी शांति का रास्ता बातचीत से ही निकलेगा। जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें तुर्किये की मध्यस्थता पर पूरा भरोसा है। उन्हें यह भी उम्मीद है कि रूस इस मध्यस्थता को स्वीकार करेगा।

एर्दोगन ने कहा कि इस्तांबुल में तीन दौर की बातचीत में काफी प्रगति हुई थी। अचानक वार्ता में व्यवधान आ गया। जेलेंस्की ने कैदियों की अदला-बदली में तुर्किये की भूमिका पर कहा कि अंकारा ने इस मुद्दे पर बहुत अच्छा सहयोग किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस तरह की अदला-बदली साल के आखिर तक फिर से शुरू हो सकती है। इस्तांबुल वार्ता के दौरान 2,000 सैनिकों की वापसी हो चुकी है। सनद रहे, तुर्किये ने पूरे संघर्ष के दौरान यूक्रेन और रूस दोनों के साथ कूटनीतिक रिश्ते बनाए रखे हैं।

तुर्किये के राष्ट्रपति ने खून-खराबा खत्म करने की कोशिश कर रहे सभी सहयोगियों से इस्तांबुल वार्ता के प्रति सकारात्मक रुख अपनाने की अपील की है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि तुर्की के साथी शांति की कोशिशों में शामिल होंगे। इस दौरान जेलेंस्की और एर्दोगन ने आपसी रिश्तों पर भी चर्चा की। दोनों देशों ने आपसी व्यापार को 10 बिलियन डालर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप और पुतिन ने मिलकर बनाया सीक्रेट प्लान, अब रुकेगी रूस-यूक्रेन की जंग

वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन की जंग को लंबा समय हो गया है। कई प्रयासों के बाद भी ये युध्द थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक सीक्रेट प्लान तैयार किया गया है। हो सकता है कि आने वाले समय में इस प्लान सफल हो जाए और दोनों देशों की जंग रुक जाए। ट्रंप ने अपने कार्यकाल की शुरूआत में ही कहा था कि वे 6 महीने के अंदर रूस-यूक्रेन का युद्ध बंद करवा देंगे। हालांकि अब तक उनके कई प्रयास खाली जा चुके हैं, जबकि रूस-यूक्रेन समझौता करने को तैयार नहीं हुए हैं। हालांकि बता दें की यूक्रेन को लेकर ट्रंप-पुतिन की अलास्का वार्ता असफल होने की वजहें कई थीं। यूक्रेन की क्षेत्रीय संप्रभुता पर सहमति नहीं बन पाई क्योंकि रूस युद्धबंदी के लिए अपने कब्जे वाले क्षेत्रों की मान्यता चाहता था, जबकि अमेरिका यह स्वीकार नहीं कर सकता था। यूरोपीय देश इस मुद्दे पर यूक्रेन के साथ आ गए थे और किसी भी ऐसे मसौदे को मानने से इनकार कर दिया, जिसमें यूक्रेन शामिल न हो। रूस अपने ऊपर लगे प्रतिबंधों में ढील चाहता था, लेकिन अमेरिका युद्धविराम के लिए ठोस कदम चाहता था, जिस पर रूस तैयार नहीं था। अब अमेरिकी मीडिया के हवाले से खबर है कि ट्रम्प प्रशासन यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए एक नई योजना पर चुपचाप रूस से बात कर रहा है। दोनों मिलकर इसके लिए 28 सूत्रीय मसौदा भी तैयार कर लिया है।

अब जंग मानव-चलित जेट से नहीं, हाई-टेक एआई-संचालित ड्रोन से होंगी

सिडनी। दुनिया अब कॉम्बैट एविएशन के एक नए युग में प्रवेश करने जा रही है, जहां लड़ाई का मैदान किसी मानव-चलित जेट नहीं, बल्कि एक हाई-टेक एआई-संचालित ड्रोन तय करेगा। बोइंग ने पुष्टि की है कि उसका एमक्यु-28 घोस्ट बैट अगले महीने पहली बार असली एआईएम-120 एमरॉम मिसाइल दागने का परीक्षण करेगा और एक लाइव एयरबोर्न टारगेट को निशाना बनाएगा। यह सिर्फ एक तकनीकी ट्रायल नहीं, बल्कि मानव-रहित हवाई युद्ध की शुरुआत है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एयर वॉरफेयर की परिभाषा बदल देगा। रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स पहले से एमक्यु-28 का परीक्षण कर रही है और बोइंग इसे एक कॉम्बैट-रेडी, मल्टी-डोमेन फाइटर के रूप में वैश्विक मंच पर पेश कर रहा है। दुबई एयरशो से पहले कंपनी के डिफेंस प्रमुख स्टीव पार्कर ने घोषणा की कि ड्रोन लाइव-फायर के लिए तैयार है। इस बयान के बाद विशेषज्ञों के बीच यह सवाल उभरा है कि क्या अब पहली बार दुनिया एक ऐसे ड्रोन को देखेगी जो स्वयं लक्ष्य ढूंढेगा, विश्लेषण करेगा और पूरी हवाई लड़ाई को खुद संचालित करेगा। टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के विशाल वूमेरा रेंज कॉम्प्लेक्स में होगा, जहां एमक्यु-28 खुद लक्ष्य को लॉक कर एआईएम-120 से उसे गिराने की कोशिश करेगा। यह इतिहास का पहला मौका होगा जब किसी सीसीए श्रेणी के स्टील्थ एआई ड्रोन द्वारा वास्तविक लक्ष्य पर मिसाइल दागी जाएगी।

बलोचिस्तान में अगवा शिक्षक का शव नदी में मिला

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान प्रांत के केच जिले की बुलाइदा तहसील में शब रिको नदी में

मिले शव की पहचान निजी स्कूल के शिक्षक अयाज बलोच के रूप में हुई है। मोहम्मद अकबर के बेटे अयाज मिनाज के रहने वाले थे। उन्हें 12 नवंबर को अगवा किया गया था। उनका अंतिम संस्कार (सुपुर्द-ए-खाक) किया जाएगा। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पारिवारिक और क्षेत्रीय सूत्रों का कहना है कि अयाज बलोच को 12 नवंबर को स्कूल से घर लौटते समय सरकार समर्थित सशस्त्र समूह के लोगों ने जबरन गायब कर दिया था। परिवार ने घोषणा की है कि गुरुवार सुबह 11 बजे मिनाज में अंतिम संस्कार किया जाएगा। द बलोचिस्तान पोस्ट के अनुसार, सरकार समर्थित सशस्त्र समूहों को स्थानीय लोग मौत के दस्ते के नाम से संबोधित करते हैं। मौत के दस्ते में शामिल बदमाश और गुंडे अकसर नागरिकों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, मानवाधिकार प्रतिनिधियों या असंतुष्टों को निशाना बनाते हैं। राष्ट्रवादी हलकों का मानना है कि इन समूहों को न केवल सरकारी और सैन्य संस्थाओं का समर्थन प्राप्त है, बल्कि अधिकांश पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियां भी इनके खिलाफ कार्रवाई करने से बचती हैं। इन समूहों पर हत्या, अपहरण, बम हमले और नागरिकों को आतंकित करने का आरोप है।

नेपाल में जेन जी समूह ने गृहमंत्री से मांगा इस्तीफा, अरेस्ट मी कैंपेन चलाने की धमकी

काठमांडू, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

नेपाल में छह से अधिक जेन जी समूह ने गृह मंत्री ओमप्रकाश अर्याल के इस्तीफे की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ एक बार फिर विद्रोह की चेतावनी दी है। इन जेन जी समूहों ने आने वाले दिनों में अरेस्ट मी कैंपेन चलाने की धमकी दी है। जेन जी समूहों ने गृहमंत्री अर्याल पर जेन जी की मांग के मुताबिक एक भी काम नहीं करने और सितंबर में हुए विद्रोह में सहभागी युवाओं को गिरफ्तार कर माहौल को बिगाड़ने का आरोप लगाया है। यह समूह पिछले कई दिनों से गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। बारा जिले में जेन जी के शांतिपूर्ण कार्यक्रम के दौरान हुई हिंसाा के बाद आंदोलन के अगुवा तथा 'हामी नेपाल' के संस्थापक सुदन गुरुड ने 'मुझे भी गिरफ्तार करो' अभियान शुरू करने की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि बारा जिला संयोजक सम्राट उपाध्याय के नेतृत्व में हो रहे कार्यक्रम में एमाले समर्थित समूह ने घुसकर जेन जी युवाओं का अपमान करते हुए मारपीट की। सुदन ने गृहमंत्री पर मारपीट की शुरुआत करने वाले एमाले कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करवाने के बजाए शांतिपूर्ण तरीके से अपना कार्यक्रम कर रहे जेन जी युवाओं को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। सोशल मीडिया पर बुधवार को लिखे एक स्टेटस में गुरुड ने गृहमंत्री की देरी और 'असमर्थता' को इस घटना का मुख्य कारण बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि गृहमंत्री ने आंदोलन, सड़कों पर बहा खून और युवाओं के बलिदान को भुला दिया है। एक अन्य जेन जी नेता रक्षा बम ने कहा है कि यदि गृहमंत्री इस्तीफा नहीं देते, भ्रष्टाचारियों और हत्यारों पर कार्रवाई नहीं कर सकते, देश के परिवर्तन के लिए लड़ने वाले योद्धाओं पर हमला होने पर भी कानों में तेल डालकर और हाथ बांधकर बैठे रहते हैं, और उल्टे देशप्रेमी भाइयों-बहनों को गिरफ्तार करते हैं, तो मैं 'मुझे भी गिरफ्तार करो' राष्ट्रीय शुरू करने की चुनौती देती हूं। एक और जेन जी नेता मिराज ढुंगाना ने कहा कि यदि हत्यारे हमें खुली चुनौती देते रहेंगे और सरकार चुप रहेगी, तो यह ज्वालामुखी का विस्फोट और बड़ा होगा।यह सुशीला कार्की सरकार को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने देशव्यापी अरेस्ट मी कैंपेन चलाने का आह्वान किया है। जेनजी युवाओं ने एमाले नेताओं को रोकने के प्रयास में बुधवार को बारा जिले के सिमरा क्षेत्र में प्रदर्शन किया।

नेपाल में चुनाव के समय सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियों पर लगेगा प्रतिबंध

काठमांडू। निर्वाचन आयोग ने चुनाव से पहले सोशल मीडिया पर राजनीतिक नेताओं के खिलाफ गाली-गलौज और अपमानजनक टिप्पणियों पर रोक लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। फेसबुक, यू-ट्यूब, टिकटॉक और एक्स के बढ़ते दुरुपयोग को लेकर चिंतित आयोग ने आचार संहिता के मसौदे में विशेष प्रावधान शामिल किया है। प्रस्तावित आचार संहिता के लागू होने पर उम्मीदवारों और राजनीतिक नेताओं को इससे राहत मिलने की उम्मीद है। निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता नारायण भट्टराई ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुछ प्रावधान आचार संहिता में पहले से ही मौजूद हैं। नए प्रस्तावित मसौदे के अनुसार, सोशल मीडिया पर चुनाव को प्रभावित करने वाले, किसी को नीचा दिखाने वाले, अपमानजनक और घृणास्पद (हेट स्पीच) पोस्ट करना प्रतिबंधित होगा। केवल पोस्ट ही नहीं, बल्कि ऐसे कंटेंट को टैग करने, शेयर करने, उस पर टिप्पणी या प्रति कमेंट करने पर भी रोक रहेगी। सरकारी, अर्धसरकारी, संघीय, प्रांतीय और स्थानीय स्तर के कर्मचारियों के लिए आचार संहिता को और अधिक कड़ा बनाया गया है। सुरक्षा कर्मियों को भी फेसबुक सहित सोशल मीडिया का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतनी होगी। आचार संहिता की धारा 8 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 'सुरक्षा कर्मियों को सोशल मीडिया पर किसी भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार के पक्ष या विपक्ष में संदेश, सूचना, सामग्री पोस्ट या शेयर करने अथवा टिप्पणी लिखने की अनुमति नहीं होगी।' सरकारी, अर्धसरकारी, संघीय, प्रांतीय और स्थानीय निकायों के कर्मचारियों पर भी यही कठोर नियम लागू होंगे।

चीन में युवा लडके देते है महिलाओं को 5 मिनट की झप्पा

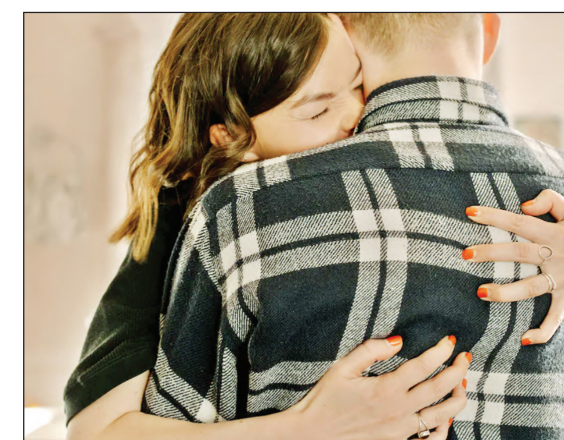

बीजिंग, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

पडोसी देश चीन में जिम जाने वाले युवा लड़के महिलाओं को 5 मिनट की झप्पी (हग) देकर इमोशनल सपोर्ट देते हैं। चीन में यह नया और अनोखा ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे 'मैन मम' कहा जा रहा है। यह कोई रोमांटिक डेट नहीं होती, बल्कि महिलाओं के मानसिक तनाव और काम या पढ़ाई के प्रेशर को कम करने के लिए यह सेवा दी जाती है।

इस काम के बदले युवाओं को 20 से 50 युआन, यानी करीब 250 से 600 रुपये मिलते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस ट्रेंड की शुरुआत एक कॉलेज छात्रा की सोशल मीडिया पोस्ट से हुई थी। उसने लिखा कि थिसिस का स्ट्रेस इतना बढ़ गया है कि बस किसी से गले लगना चाहती हूं। इस पोस्ट को लाखों लोगों ने पढ़ा और कमेंट किया, जिससे 'हग थैरेपी' तेजी से वायरल हो गई।

पहले यह फ्री में दोस्तों के बीच होती थी, लेकिन अब प्रोफेशनल सेवाओं के रूप में विकसित हो गई है। लड़कियां चैट ऐप्स के माध्यम से इन लड़कों से संपर्क करती हैं और पार्क, मेट्रो स्टेशन या शॉपिंग मॉल जैसी सार्वजनिक जगहों पर मिलती हैं। इस ट्रेंड में शामिल लड़के केवल मजबूत शरीर वाले नहीं होते, बल्कि धैर्यवान और मां जैसे भाव रखने वाले होते हैं। महिलाओं को इन्हें चुनते समय लुक, बिहेवियर, बातचीत करने का अंदाज और एटीट्यूड देखा जाता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, झोउ नाम के एक मैन मम ने 34 हग्स देकर 1758 युआन कमाए। अधिकांश लड़के इसे फुल-टाइम जॉब नहीं मानते, बल्कि साइड बिजनेस के तौर पर करते हैं।

'मैन मम' ट्रेंड का मुख्य मकसद पैसा कमाना नहीं, बल्कि महिलाओं को मानसिक राहत देना है। महिलाएं इसमें अपने वर्क स्ट्रेस, बॉडी इमेज प्रेशर और पारिवारिक परेशानियां साझा कर पाती हैं। कुछ महिलाएं इन लड़कों को कॉफी या किताबें भी गिफ्ट करती हैं। हालांकि, इस ट्रेंड को लेकर विवाद भी है। कुछ लोग इसे फिजिकल डिजायर का बहाना बताते हैं, जबकि एक वकील ने चेताया कि कुछ लोग इसे सेक्शुअल हैरासमेंट का जुगाड़ बना सकते हैं। फिर भी, चीन के बड़े शहरों में यह ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है।

बांग्लादेश का सुप्रीम कोर्ट खुद के 2011 के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका पर सुनाएगा निर्णय

ढाका। बांग्लादेश का उच्चतम न्यायालय अपने 2011 के फैसले के खिलाफ अपील और पुनर्विचार याचिका पर अपना निर्णय सुनाएगा। 2011 में न्यायालय ने कार्यवाहक सरकार प्रणाली (नॉन-पार्टी केयरटेकर गवर्नमेंट सिस्टम) को खत्म कर दिया था। न्यायालय की वेबसाइट पर 19 नवंबर की दोपहर अपलोड की गई सूचना के अनुसार, अपील और याचिका को 20 नवंबर को फैसले की घोषणा के लिए वाद सूची के क्रम एक और दो पर रखा गया है। रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि 11 नवंबर को मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद की अगुवाई वाली उच्चतम न्यायालय के सात सदस्यों वाली बेंच ने सुनवाई पूरी की और फैसला सुनाने के लिए तय किया। सुनवाई के दौरान अपील करने वालों और याचिकाकर्ताओं ने उच्चतम न्यायालय से अपने 2011 के फैसले को पलटने और देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने और लोकतंर्त स्थापित करने के लिए संविधान में कार्यवाहक सरकार प्रणाली को बहाल करने की अपील की। सनद रहे कार्यवाहक सरकार को कार्यवाहक शासन के रूप में भी जाना जाता है। यह एक अस्थायी तदर्थ सरकार होती है। यह कुछ सरकारी कर्तव्यों और कार्यों को तब तक करती है जब तक कि एक नियमित सरकार निर्वाचित या गठित नहीं हो जाती।

लातविया, लिथुआनिया और यूक्रेन में बढ़ रहा महिलाओं का अनुपात

लंदन, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

कई देशों में अब पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक हो चुकी है। दुनिया में एक और बड़ा जनसांख्यिकीय परिवर्तन चुपचाप आकार ले रहा है। विश्व बैंक के 2024 के आंकड़ों के अनुसार, पूर्वी यूरोप, एशिया के कुछ क्षेत्रों और दक्षिणी अफ्रीका में महिलाओं की हिस्सेदारी पुरुषों से स्पष्ट रूप से अधिक है।

यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि आबादी के बूढ़े होने, पुरुषों के प्रवासन और जीवनशैली संबंधी कारकों के चलते धीरे-धीरे विकसित हुआ है। यूरोप में यह बदलाव सबसे ज्यादा स्पष्ट दिखाई देता है। लातविया, लिथुआनिया और यूक्रेन में हर 100 पुरुषों पर 116 से 118 महिलाएं मौजूद हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक लैंगिक असमानता वाला अनुपात है।

इसके पीछे प्रमुख कारण पुरुषों की औसतन कम जीवन प्रत्याशा और बड़े पैमाने पर उनका विदेशों में रोजगार हेतु प्रवास है। उम्रदराज आबादी में भी महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक संख्या में बची रहती हैं। रूस और बेलारूस जैसे देशों में भी यही पैटर्न देखने को मिलता है। पश्चिमी यूरोप जैसे पुर्तगाल, फ्रांस और जर्मनी में भी महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक है, हालांकि यह अंतर अपेक्षाकृत कम है। यहां भी महिलाओं की औसत आयु पुरुषों से 4-6 वर्ष अधिक होना मुख्य वजह है। एशिया में नेपाल और हांगकांग दो प्रमुख उदाहरण हैं जहां यह लैंगिक असंतुलन साफ दिखता है। नेपाल में रोजगार के लिए पुरुषों का बड़े पैमाने पर विदेश जाना महिलाओं की आबादी को अनुपातिक रूप से अधिक बनाता है। हांगकांग में महिलाओं की लंबी आयु और पुरुषों की कम सर्वाइवल दर इस प्रवृत्ति को वर्षों से कायम रखे हुए है।

अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में भी यही रुझान उभर रहा है। लेसोथो और नामीबिया में पुरुषों का दक्षिण अफ्रीका की खदानों और उद्योगों में काम करने जाना आम बात है, जिससे स्थानीय आबादी में महिलाओं का प्रतिशत बढ़ जाता है। दक्षिण अमेरिका के अर्जेंटीना और उरुग्वे में उम्रदराज आबादी में महिलाओं की संख्या पुरुषों से काफी अधिक है क्योंकि बुजुर्ग आयु वर्ग में महिलाएं अधिक समय तक जीवित रहती हैं। वैश्विक स्तर पर हालांकि पुरुषों और महिलाओं का अनुपात लगभग संतुलित है हर 100 महिलाओं पर लगभग 101 पुरुष लेकिन उम्र बढ़ने के साथ यह संतुलन महिलाओं की ओर झुक जाता है।

ऑस्ट्रेलिया में अमेरिका के साथ हुए 368 अरब डॉलर के न्यूक्लियर पनडुब्बी सौदे को लेकर मचा हड़कंप

कैनबरा, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया में अमेरिका के साथ हुए 368 अरब डॉलर के न्यूक्लियर पनडुब्बी सौदे को लेकर हड़कंप मच गया है। दावा किया गया है कि इस सौदे में जासूसी का साया है। अमेरिका और ब्रिटेन के साथ ऑस्ट्रेलिया ने अकुस मंच के तहत आठ परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों के निर्माण को लेकर समझौता किया है। ऑस्ट्रेलिया का मकसद इंडो-पैसिफिक में चीन को काउंटर करना है। रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते के दो स्तंभ हैं। पहले स्तंभ के तहत ऑस्ट्रेलिया को अमेरिका से 3-5 वर्जीनिया-क्लास की एसएसएन पनडुब्बी खरीदना है और स्तंभ-2 के तहत ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम को संयुक्त रूप से एक नई एसएसएन-अकुस पनडुब्बी को डेवलप करना है। इसमें अमेरिका अपनी टेक्नोलॉजी देगा और इस प्रोजेक्ट के तहत साल 2040 के दशक की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया की नौसेना को पनडुब्बियों की सप्लाई शुरू कर दी

जाएगी। हालांकि करीब 4 साल पहले ही पनडुब्बियों के डेवलपमेंट के लिए तीनों देशों के बीच 368 अरब डॉलर का समझौता हुआ था, लेकिन अभी तक इसमें कुछ खास डेवलपमेंट नहीं हुआ है। वहीं, ट्रंप प्रशासन ने इस साल जून में इस कॉन्ट्रैक्ट की औपचारिक समीक्षा शुरू करने के भी आदेश दिए थे, लेकिन बाद में ट्रंप ने अक्टूबर महीने में समझौते को हरी झंडी दे दी और ऑस्ट्रेलिया को आश्वासन दिया कि उन्हें परमाणु पनडुब्बी मिल जाएगी। ट्रंप से हरी झंडी मिलने के कुछ ही हफ्तों बाद ऑस्ट्रेलिया में इस सौदे को लेकर नई चिंता का जिक्र किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में इन पनडुब्बियों को लेकर जासूसी की बात की जा रही है। ऑस्ट्रेलिया की कुछ एजेंसियों को आशंका है कि चीन समेत कुछ प्रतिद्वंद्वी देश संवेदनशील न्यूक्लियर प्रणोदन तकनीक हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि अकुस सबमरीन प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए योग्य आवेदकों में से हर दस में से एक व्यक्ति के एप्लीकेशन को सुरक्षा कारणों से खारिज कर दिया है। इसके पीछे बड़ी वजहों में संदिग्ध विदेशी संबंध और डुएल सिटिजनशिप को तो ध्यान में रखा जा रहा है, खासकर ऐसे एप्लीकेशन खास तौर पर खारिज किए जा रहे हैं, जिनके संबंध चीन या भारत से हैं। बता दें इस प्रोजेक्ट के लिए कम से कम 20 हजार योग्य इंजीनियरों और टेक्निकल लोगों की जरूरत है लेकिन अमेरिका के सख्त नियम और सख्त सुरक्षा जांच की वजह से भर्ती प्रक्रिया काफी मुश्किल हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा संस्थान ने चेतावनी दी है, कि विदेशी एजेंसियां लिंक्डइन जैसी साइटों पर फर्जी जॉब पोस्ट डालकर रक्षा-क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स के जरिए संवेदनशील जानकारी निकालने की कोशिश कर रही हैं। बर्गेस ने कहा कि करीब 7,000 ऑस्ट्रेलियाई डिफेंस प्रोफेशनल्स ने अपने प्रोफाइल लिंक्डइन पर शेयर किए हैं, जिनमें से 400 से ज्यादा ने अकुस प्रोजेक्ट का खुलकर जिक्र किया है। इसीलिए वे जासूसी नेटवर्क के आसान लक्ष्य बन जाते हैं। ऑस्ट्रेलियन मीडिया में चीन के साथ भारत का नाम आना चौंकाने वाला है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत और ऑस्ट्रेलिया खुद क्वाड पार्टनर्स हैं और दोनों देशों के बीच गहरे संबंध हैं, जिस वक्त ऑस्ट्रेलियन मीडिया ने इसका खुलासा किया है, उस वक्त भी भारत और ऑस्ट्रेलिया की नौसेना जापान की नौसेनाओं के साथ गुआम में युद्धाभ्यास कर रही हैं।

डेविस कप 2025 : इटली ने ऑस्ट्रिया को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह, अब बेल्जियम से भिड़ंत

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां) ।

बोलोनिया में खेले गए मुकाबले में इटली ने बुधवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ दोनों सिंगल्स मैच जीतकर डेविस कप 2025 के सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। अब इटली की टीम सेमीफाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगी।

जैनिक सिनर और लोरेंजो मुसेत्ती जैसे टॉप-10 खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद मात्तेओ बेरेटिनी और फ्लावियो कोबोली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीधे सेटों में जीत दर्ज की। घरेलू दर्शकों से भरे स्टेडियम में इटली ने अपने खिताब बचाव अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाया।

पूर्व विंबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी ने जूरिज रोडियोनोव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। दूसरे सेट में 2-5 से पीछे रहने और एरिना की लाइटिंग समस्या के कारण आधे घंटे के व्यवधान के बावजूद उन्होंने शानदार वापसी की। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने लगातार तीन गेम जीतते हुए तीन सेट प्वाइंट बचाए और टाई-ब्रेक जीतकर इटली को बढ़त दिलाई।

टीम कप्तान फिलिप्पो वोलांद्री ने कहा, 'मैं खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गर्व महसूस करता हूँ। मत्तेओ मुश्किल हालात में समाधान ढूंढने वाले खिलाड़ी हैं और ऐसे मुकाबलों के लिए ही बने हैं।'

दूसरे सिंगल्स में फ्लावियो कोबोली ने ऑस्ट्रिया के सबसे ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ी फिलिप मिसोलिक को 6-1, 6-3 से एकतरफा मुकाबले में हराया। 22वीं रैंक वाले कोबोली ने एक घंटे से थोड़े अधिक समय में जीत दर्ज की। 23 वर्षीय कोबोली ने इस साल हैम्बर्ग और बुकारेस्ट में अपने पहले खिताब जीते थे।

मैच के बाद कोबोली ने कहा, 'यह मेरे जीवन का सबसे खास दिन है। इटली की जर्सी पहनकर खेलना मेरा सपना था।'

इटली की दो सिंगल्स जीत के बाद सिमोने बोलेली और आंद्रिया वावासोरी को एरलर-मीडलर के खिलाफ अपना डबल्स मैच नहीं खेलना पड़ा। सेमीफाइनल लाइन-अप गुरुवार को पूरा होगा, जब अर्जेंटीना का मुकाबला जर्मनी से और स्पेन का सामना चेक गणराज्य से होगा। विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्कराज हैमस्ट्रिंग चोट के कारण स्पेन टीम से हट चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

जयपुर पोलो टीम ने कनोटा पोलो को 8-7 से हराया, कश्मीर चैलेंज कप की विजयी शुरुआत

जयपुर। जयपुर पोलो टीम ने कश्मीर चैलेंज कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए कनोटा पोलो को रोमांचक मुकाबले में 8-7 से मात दी। मुकाबले की शुरुआत से अंत तक दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। जयपुर की ओर से लांस वॉटसन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार गोल दागे, जबकि एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ऑफ जयपुर ने भी चार गोल कर टीम को लगातार बढ़त दिलाई। कनोटा पोलो की ओर से हुर्र अली ने चार गोल करते हुए टीम की उम्मीदों को बनाए रखा। वहीं, डिनो धनखड़ ने दो और कंवर प्रताप सिंह कनोटा ने एक गोल दागा, जिससे मैच आखिरी पलों तक रोमांचक बना रहा। पहले चक्कर में जयपुर ने 3-1 की बढ़त हासिल की और दूसरे चक्कर के बाद भी 6-5 की मामूली बढ़त बनाए रखी। अंतिम चक्कर में दोनों टीमों ने तेज खेल दिखाया, लेकिन जयपुर ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए 8-7 से जीत दर्ज की।इस जीत के साथ जयपुर पोलो टीम ने अपने दमदार खेल, अनुशासन और दृढ़ता को एक बार फिर साबित किया है और वे कश्मीर चैलेंज कप में आगे बढ़ते हुए मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले एशेज टेस्ट के लिए घोषित की प्लेइंग 11, स्मिथ करेंगे कप्तानी; वेदराल्ड और डॉगेट करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को पर्थ में होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए अपनी अंतिम एकादश की घोषणा कर दी है। नियमित कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड के चोटिल होने के चलते अनुपस्थित रहने पर स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालेंगे। ओपनर जेक वेदराल्ड और तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉगेट को पहली बार टेस्ट कैप मिली है। वेदराल्ड, उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे, जबकि डॉगेट मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के साथ तेज़ आक्रमण में शामिल होंगे। इससे पहले इंग्लैंड अपनी 12 सदस्यीय टीम की घोषणा कर चुका है, जिसमें शोएब बशीर को एकमात्र स्पिनर के रूप में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज़ जोफ्रा आर्चर, ब्राइडन कार्स, गस एटकिंसन और मार्क वुड भी इंग्लैंड के दल का हिस्सा हैं। ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 : उस्मान ख्वाजा, जेक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, ब्रेंडन डॉगेट, स्कॉट बोलैंड, नाथन लायन।

महित संधू ने 50 मीटर राइफल प्रोन में सिल्वर जीता, डेफलिंपिक्स में दिलाया तीसरा पदक

टोक्यो/नई दिल्ली। भारत की स्टार राइफल शूटर महित संधू ने टोक्यो में चल रहे 25वें समर

डेफलिंपिक्स में 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। यह इस टूर्नामेंट में उनका तीसरा पदक है। महित ने क्वालिफिकेशन में वर्ल्ड डेफ रिकॉर्ड भी तोड़ा और फाइनल में 246.1 अंक के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। चेकिया की एलिस्का स्वोबोदावा ने 247.2 अंकों के साथ स्वर्ण जीता, जबकि हंगरी की मीरा ज़सज़ाना बियातोव्स्की ने 225.0 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारत की नताशा जोशी फाइनल में शूट-ऑफ के बाद आठवें स्थान पर रहीं। फाइनल में महित पहले 14 शॉट्स के बाद चौथे स्थान पर थीं। अगले दो शॉट्स की सीरीज में उन्होंने यूक्रेन की वायोलेटा लिकोवा को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर जगह बनाई और 20 शॉट्स तक इसी पोजिशन पर बनी रहीं। इसके बाद 9.8 और 10.2 के स्कोर के साथ उन्होंने बढ़त बनाई, जबकि हंगरी की शूटर के 9.4 और 9.8 के स्कोर ने महित को सिल्वर पोज़िशन में पहुंचा दिया। अंतिम दो शॉट्स में महित ने 10.0 और 10.7 के अच्छे स्कोर लगाए, लेकिन चेक शूटर स्वोबोदावा के लगातार 10 के स्कोर को पार नहीं कर सकीं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में शुभमन और श्रेयस के खेलने की संभावना नहीं

यशस्वी , तिलक को मिल सकता है अवसर

मुम्बई, 20 नवंबर (एजेंसियां) ।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस माह के अंत में शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम बदलावों के साथ उतर सकती है। इस सीरीज में एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल और उपकपतान श्रेयस अय्यर के खेलने की संभावना नहीं है। शुभमन की गर्दन में अकड़न आयी हुई है। इस कारण उनका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेलना तय नहीं है। माना जा रहा है भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शुभमन को पूरी तरह से फिट होने के लिए आराम दे सकता है। ऐसे में उनकी जगह सलामी बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल को अवसर मिलना तय माना जा रहा है। वहीं श्रेयस पसलियों की चोट से उबर रहे हैं। उन्हें ऑस्टेलिया में एकदिवसीय सीरीज में ये चोट लगी थी। इसी कारण वह आईसीयू में भी भर्ती रहे थे। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई उनकी फिटनेस को लेकर जोखिम नहीं लेते हुए उन्हें आराम का अवसर देगा। ऐसे में श्रेयस की जगह तिलक वर्मा को शामिल किया जा सकता है। अभी तिलक भारत ए की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय टीम के लिए चार एकदिवसीय खेले हैं। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ऋषभ पंत को शामिल किया जाएगा जबकि ध्रुव जुरेल को बैकअप विकेटकीपर के तौर पर रखा गया है। ऋषभ पंत चोटिल थे पर अब अब ऋषभ पूरी तरह फिट हो गये हैं। शुभमन की जगह इस एकदिवसीय सीरीज के लिए एल राहुल को अंतरिम एकदिवसीय कप्तान बनाया जा सकता है। रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी इस टीम में शामिल किया जा सकता है। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी इस सीरीज से वापसी करेंगे। उप-कप्तान की जिम्मेदारी अक्षर पटेल को मिल सकती है। सीरीज में स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती को जगह मिल सकती है।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत का संभावित दल : केएल राहुल (अंतरिम कप्तान)विराट कोहली, रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, , ऋषभ पंत, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज।

भारतीय महिला क्रिकेटर प्रतिका रावल की तस्वीरें सोशल मीडिया में छायीं

मुम्बई। हाल में महिला विश्वकप क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों में शामिल रही भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल काफी स्टायलिश भी हैं। इसका अंदाजा उनकी तस्वीरों से मिलता है। हाल में प्रतीका ने सोशल मीडिया में अपनी जो तस्वीरें जारी की हैं उसमें वह मॉडल या अभिनेत्री जैसी नजर आती हैं। सेमीफाइनल से ठीक पहले इंजर्ड होकर टूर्नामेंट से बाहर हुईं प्रतिका की वो तस्वीरें तो सबने देखी थी, जब व्हीलचेयर पर सवाल होकर वह ट्रॉफी लेने मंच पर पहुंचीं थीं। वहीं अब वह एक नये अंदाज में दिखीं हैं। प्रतिका ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया में साझा की हैं। इसमें उनकी जमकर प्रशंसा हुई है। अपनी ताजा सोशल मीडिया पोस्ट में प्रतिका सहज और आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही हैं। उनकी तस्वीरें प्रशंसकों ने जमकर साझा की हैं। विश्वकप में वह एक शतक और एक अर्धशतक के साथ ही भारत की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज थीं। साल 2022 में डेब्यू करने के बाद से ही प्रतिका रावल ने 24 एकदिवसीय मैचों में दो शतकों, सात अर्द्धशतकों और 50.45 की शानदार औसत के साथ 1,100 से ज्यादा रन बनाए हैं।

मुशिफकुर रहीम बने 100वां टेस्ट खेलते हुए शतक जड़ने वाले 11वें बल्लेबाज़

नई दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ मुश्फिकुर रहीमन गुरुवार को आयरलैंड के खिलाफ मीरपुर में खेले जा रहे दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन एक खास उपलब्धि हासिल की। 38 वर्षीय रहीम ने अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वह यह कारनामा करने वाले बांग्लादेश के पहले, और दुनियाभर के 11वें खिलाड़ी बन गए। सबसे अधिक टेस्ट खेलने वाले बांग्लादेशी खिलाड़ी रहीम ने अपनी पारी में कई आकर्षक चौके लगाए और 195 गेंदों में शतक पूरा किया। उनके इस शतक ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के उन चुनिंदा दिग्गजों की सूची में शामिल कर दिया, जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट में शतकीय पारी खेली है।

100वें टेस्ट में शतक जड़ने वाले बल्लेबाज़ों की पूरी सूची:

कॉलिन कौड्रे (इंग्लैंड) - 104 बनाम ऑस्ट्रेलिया, बर्मिंघम, 11 जुलाई 1968

जावेद मियांदाद (पाकिस्तान) - 145 बनाम भारत, लाहौर, 1 दिसंबर 1989

गॉर्डन ग्रीनिज (वेस्टइंडीज) - 149 बनाम इंग्लैंड, सेंट जॉन्ज़, 12 अप्रैल 1990

एलेक स्टीवर्ट (इंग्लैंड) - 105 बनाम वेस्टइंडीज, मैनचेस्टर, 3 अगस्त 2000

इंजमाम-उल-हक़ (पाक) - 184 बनाम भारत, बेंगलुरु, 24 मार्च 2005

रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया) - 120 और 143* बनाम दक्षिण अफ्रीका, सिडनी, 2 जनवरी 2006

ग्रेम स्मिथ (दक्षिण अफ्रीका) - 131 बनाम इंग्लैंड, लंदन, 19 जुलाई 2012

हाशिम अमला (दक्षिण अफ्रीका) - 134 बनाम श्रीलंका, जोहान्सबर्ग, 12 जनवरी 2017

जो रूट (इंग्लैंड) - 218 बनाम भारत, चेन्नई, 5 फरवरी 2021

डेविड वॉर्नर (ऑस्ट्रेलिया) - 200 बनाम दक्षिण अफ्रीका, मेलबर्न, 26 दिसंबर 2022

मुशिफकुर रहिम (बांग्लादेश) - 100* बनाम आयरलैंड, मिरपुर, 19 नवंबर 2025

मुशिफकुर का यह शतक न सिर्फ उनकी काबिलियत और अनुभव का प्रमाण है, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक पल भी है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ: ग्वाडलाहारा और मोंटेरे होंगे मेजबान

मेक्सिको सिटी। फीफा ने बुधवार को घोषणा की कि फीफा विश्व कप 2026 के इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ मुकाबले मेक्सिको के दो प्रमुख शहरों — ग्वाडलाहारा और मोंटेरे — में आयोजित किए जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 23 मार्च से होगी, जिसमें पाँच अलग-अलग परिसंघों की छह टीमें दो विश्व कप स्थानों के लिए भिड़ेंगी। इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के लिए इराक, डीआर कांगो, जमैका, सूरीनाम, बोलीविया और न्यू कैलेडोनिया ने क्वालिफाई किया है। ड्रा गुरुवार को ज्यूरिख में आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद मैच शेड्यूल जारी किया जाएगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, 'ये प्रतिष्ठित स्टेडियम जुनून, रोमांच और उत्साह से भरे एक शानदार आयोजन के लिए बिल्कुल उपयुक्त मंच हैं।' ग्वाडलाहारा और मोंटेरे के स्टेडियम विश्व कप 2026 के दौरान भी मैचों की मेजबानी करेंगे। ग्वाडलाहारा स्टेडियम में चार ग्रुप-स्टेज मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि मोंटेरे स्टेडियम में तीन ग्रुप मैच और एक राउंड-ऑफ-32 मुकाबला होगा। इसके अलावा, मेक्सिको का तीसरा विश्व कप स्थल होगा हाल ही में पुनर्निर्मित एस्टाडियो एज़्टेका, जो टूर्नामेंट के प्रमुख मैचों की मेजबानी करेगा।

एशेज में सबसे विवादित रही थी बॉडीलाइन सीरीज

एमससी को रोक लगाने बदलना पड़ा था नियम

पर्थ, 20 नवंबर (एजेंसियां) ।

एशेज सीरीज की शुरुआत शुक्रवार से होने जा रही है। इसमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता रहती है। दोनो ही टीम जीत के लिए अपन सब कुछ झौंक देती है। एशेज में अधिकतर बार ऑस्ट्रेलियाई टीम जीतती रही है। साल 1882 में एशेज सीरीज की शुरुआत से ही इसमें कई रोमांचक मुकाबले हुए हैं पर साल 1932-33 में खेली गई सीरीज सबसे विवादित रही।

ये जेंटलमैन खेलों के इतिहास में एक काले धब्बे की तरह देखी जाती है क्योंकि इस दौरान इंग्लैंड के गेंदबाजों ने मेजबान बल्लेबाजों को घायल करने का प्रयास तक किया। इस कारण ये बॉडीलाइन सीरीज के नाम से बदनाम है। इस सीरीज के बाद दोबारा ऐसा होने से रोकने के लिए क्रिकेट नियमों में बदलाव किया गया। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) को इस रणनीति के खिलाफ विरोध भी जताया था।

तब इंग्लैंड के कप्तान डगलस जार्डिन ने विश्व के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन को रोकने के लिए बॉडीलाइन रणनीति अपनायी थी। इसमें गेंदबाज का लक्ष्य विकेट की जगह बल्लेबाजों के शरीर पर गेंदाबाजी करनी थी। इस सीरीज में इंग्लैंड के गेंदबाज हेरोल्ड लॉरवुड और बिल वोज अपनी तेज गति की गेंदों को मेजबान बल्लेबाज के शरीर को लक्ष्य कर गेंदबाजी कर रहे थे। ताकि बल्लेबाज या तो रक्षात्मक खेले, या फिर गलत शॉट खेलकर कैच आउट हो जाए। लेग साइड पर कई फील्डर्स रखे गये थे, ताकि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज रन नहीं बना सके।

इस प्रकार की गेंदबाजी खेल भावना के खिलाफ थी क्योंकि इसमें बल्लेबाजों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो गया था क्योंकि कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी गंभीर रुप से घायल हुए थे। इस पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए और आखिरकार इंग्लैंड ने सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली। इंग्लैंड ने सीरीज का पहला मैच 10 विकेट से जीता। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने वापसी करते हुए दूसरे टेस्ट को 111 रन से जीतकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। इंग्लैंड ने तीसरा मुकाबला 338 रन से जीतकर फिर से बढ़त बनाई। इसके बाद बिस्बेन में खेले गए चौथे टेस्ट को 6 विकेट से जीता और सिडनी में पांचवां और अंतिम मुकाबला 8 विकेट से अपने नाम किया था।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन 11 वें स्थान, यशस्वी सातवें नंबर पर पहुंचे

पहली बार शीर्ष पांच में पहुंचे बावुमा

गेंदबाजी में बुमराह, बल्लेबाजी में रुट शीर्ष पर बरकरार

दुबई, 20 नवंबर (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के कप्तान कप्तान शुभमन गिल एक स्थान के लाभ के साथ ही 11 वें स्थान पर पहुंच गये हैं। शुभमन के खाते में 737 रेटिंग अंक हैं। शुभमन कोलकाता में खेले गए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में चार रन बनाकर ही गर्दन में अकड़न के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गये थे। वहीं दूसरी पारी में वह नहीं खेल पाये थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा 794 अंक लेकर पांचवे नंबर पर पहुंच गये हैं। वह शीर्ष पांच में पहली बार पहुंचे हैं। बावुमा ने दूसरी पारी में नाबाद 55 रन बनाये थे। वहीं यशस्वी जायसवाल 749 अंक लेकर सातवें स्थान पर हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 734 अंक लेकर 12 वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के जो रूट 908 अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नंबर-1 पर बने हुए हैं। उनके 895 अंक हैं। बुमराह ने कोलकाता टेस्ट में छह विकेट लिए थे जिसका लाभ उन्हें मिला है। वहीं स्पिनर कुलदीप यादव दो स्थान के लाभ के साथ ही 13वें स्थान पर हैं। वहीं ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा चार विकेट लेने के बाद 15वें पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्को यान्सेन एक स्थान ऊपर आकर 11वें पर और साइमन हार्मर 20 स्थान के लाभ के साथ ही 24वें नंबर पर हैं। हार्मर ने पहले टेस्ट में आठ विकेट लिए थे। वहीं यान्सेन 254 अंक लेकर ऑलराउंडर्स की सूची में पांचवें स्थान पर चले गए हैं। ऑलराउंडारों में भारतीय टीम के जडेजा 437 अंक लेकर नंबर-1 पर बने हुए हैं।

आईपीएल में सीएसके की पारी शुरु करें रुतुराज : कुंबले

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा है कि चेन्नई सुपरकिंग्स को आईपीएल 2026 में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपनी रणनीति बदलनी होगी। इसके अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को पारी की शुरुआत करनी होगी। कुंबले के के अनुसार रुतुराज को टीम को अच्छी शुरुआत भी देनी होगी ताकि आगे के बल्लेबाज बिना किसी दबाव के खेल सकें। कुंबले का मानना है कि संजू सैमसन के टीम में आने का बल्लेबाजी मजबूत हई है क्योंकि सैमसन पारी की शुरुआत के साथ ही अन्य स्थानों पर भी अच्छी बल्लोजी कर लेते है हालांकि टीम का अधिक लाभ रुतुराज जैसे भरोसेमंद बल्लेबाज के पारी शुरु करने से होगा। उन्होंने टीम में शामिल युवा बल्लेबाज आयुष महात्रे की भी जमकर प्रशंसा की और कहा कि उसने पिछले सत्र में ही अपनी प्रतिभा दिखायी थी। वह भविष्य में टीम का एक बेहतर सलामी बल्लेबाज बन सकता है पर अभी गायकवाड़ पर ही टीम निर्भर है। वहीं कुंबले ने राजस्थान रॉयल्स की की कप्तानी पर भी अपनी बात रखी है। जडेजा के रॉयल्स में शामिल होने पर उन्होंने हैरानी जतायी है और कहा है कि टीम में वह कप्तानी के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

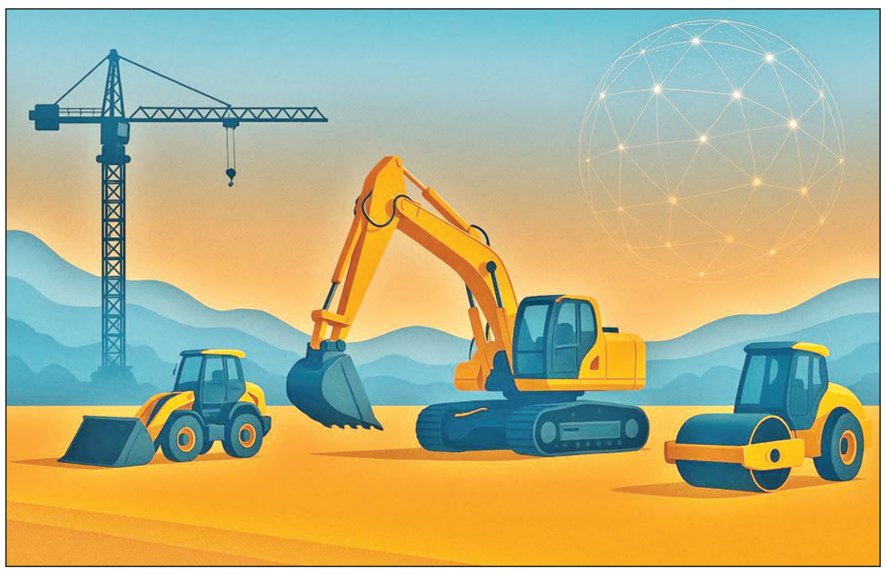

उत्सर्जन मानदंडों पर एकमत है निर्माण उपकरण उद्योग: जेसीबी इंडिया

नयी दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय निर्माण उपकरण विनिर्माता संघ (आईसीएमए) में उत्सर्जन मानदंडों को लेकर किसी भी प्रकार का मतभेद नहीं है। यह बात जेसीबी इंडिया के एक प्रमुख अधिकारी एक संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने बताया कि उद्योग लंबे समय से प्रगतिशील रुख अपनाता आया है और नए पर्यावरणीय नियमों को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहा है। उन्होंने कहा कि आईसीएमए ने स्वयं केंद्र सरकार से अनुरोध किया था कि बिना पहियों

आईसीईएमए ने सरकार से बिना पहियों वाली मशीनों पर नियम लागू करने का अनुरोध किया

वाली निर्माण मशीनों से क्रॉलर एक्सकेवेटर, ट्रैक्ड पेवर्स, मोबाइल क्रेन, डोज़र और मोटर ग्रेडर पर उत्सर्जन मानदंड लागू किए जाएं। फिलहाल, इन मशीनों पर कोई उत्सर्जन मानदंड लागू नहीं है, जबकि पहियों वाली मशीनों पर कड़े नियम पहले से प्रभावी हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उद्योग के भीतर इस विषय पर कभी कोई भिन्न राय नहीं रही और सभी कंपनियां उत्सर्जन नियंत्रण के महत्व को समझती हैं। इसके विपरीत, यात्री वाहन उद्योग वर्तमान में कैफे-3 और कैफे-4 नियमों के कुछ प्रावधानों पर एकमत नहीं हो सका है। ये नियम अप्रैल 2027 से लागू होने वाले हैं और कार निर्माताओं को बेड़े के औसत के आधार पर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन सीमाओं का पालन करना होगा। छोटे वाहनों के लिए भार आधारित छूट के प्रस्ताव पर वाहन कंपनियों के बीच मतभेद बने हुए हैं। निर्माण उपकरण क्षेत्र में 1 जनवरी से भारत स्टेज सीईवी यानी स्टेज 5 मानदंड लागू हो चुके हैं, जो केवल पहियों वाले उपकरण वाहनों पर लागू होते हैं। ये मानदंड पार्टिकुलेट मैटर और पार्टिकल नंबर उत्सर्जन पर काफी सख्ती लाते हैं और निर्माताओं को डीज़ल पार्टिकुलेट फ़िल्टर जैसी उन्नत तकनीक अपनाने की आवश्यकता पड़ती है। हालांकि, बिना पहियों वाली या ट्रैक्ड मशीनें अभी भी इन नियमों के दायरे से बाहर हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बड़े प्रोजेक्ट्स को राहत, पोस्ट फैक्टो पर्यावरण मंजूरी पर विशेषज्ञों की सहमति

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के पोस्ट-फैक्टो यानी परियोजना शुरू अथवा पूरी होने के बाद पर्यावरण मंजूरी को प्रतिबंधित करने का फैसला बदलने को कानून विशेषज्ञों ने उचित बताया है। उनका मानना है कि इससे रियल एस्टेट, बुनियादी ढांचा, सार्वजनिक उपक्रमों की बड़ी परियोजनाओं और खनन क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी। कानून फर्म एसकेवी लॉ ऑफिसेस में एक भागीदार ने इसे महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे 2017 और 2021 की सरकारी अधिसूचनाएं पुनः प्रभावी हो गई हैं, जो पूर्वव्यापी पर्यावरण मंजूरी की अनुमति देती थीं। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं पर निकट भविष्य में संकट के बादल छाए थे, वे अब दोबारा अपने आप आगे बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट और निर्माण परियोजनाओं आदि पर इस फैसले के दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि एम्स अस्पतालों और ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों सहित प्रमुख सार्वजनिक इन्फ्रा को इससे काफी फायदा होगा।

ट्राई ने वित्तीय कंपनियों को 1600 सीरीज अपनाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) सेक्टर के लिए 1600 नंबरिंग सीरीज अपनाने को अनिवार्य कर दिया है, जिससे उनकी सेवा और लेन-देन संबंधी कॉल को अन्य कमर्शियल कम्युनिकेशन से स्पष्ट रूप से अलग किया जा सके। इसका उद्देश्य स्पैम कॉल और वॉइस कॉल के जरिए होने वाले फ्रॉड को रोकना है, जिससे देश में व्यापक स्तर पर वित्तीय धोखाधड़ी को रोक जा सके और यूजर्स के लिए वित्तीय माहौल और सुरक्षित हो सके। आधिकारिक बयान में कहा गया कि ट्राई की पहल के तहत 1600 नंबर की सीरीज दूरसंचार विभाग द्वारा बीएफएसआई सेक्टर को आवंटित की गई है। इससे लोगों को वित्तीय संस्थाओं से सही और विश्वसनीय कॉल मिलेंगी दिशानिर्देशों में कहा गया कि सभी म्यूचुअल फंड्स और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) को 15 फरवरी, 2026 तक 1600 नंबरिंग सीरीज को अपनाना अनिवार्य है। वहीं, क्वालिफाइड स्टॉकब्रोकर्स (क्यूएसबी) को 1600 नंबर की सीरीज को 15 मार्च, 2026 तक अपनाना होगा।

न्यू रेनो डस्टर कार अगले साल होगी भारत में लॉन्च

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी रेनो इंडिया अपनी नई रेनो डस्टर कार 26 जनवरी को भारतीय बाजार में पेश करने वाली है, जिसके बाद यह देशभर के शोरूम में उपलब्ध होने लगेगी। नई डस्टर को कंपनी के इंटरनेशनल मॉडल डेसिया के प्लेटफॉर्म पर विकसित किया गया है। रेनो का बड़ा ग्लोबल प्लान 2027 तक एक नई 7-सीटर एसयूवी और उभरते बाजारों के लिए बजट इलेक्ट्रिक सिटी कार लाने का भी है। भारत में इसकी टक्कर मारुति ग्रैंड विटारा, होंडा एलिवेट, किआ सेल्टोस और मारुति फ्रोंक्स-आधारित वैरिएंट्स जैसी लोकप्रिय एसयूवी से होगी। नई डस्टर के एक्सटीरियर में इस बार बड़े बदलाव देखने को मिलते हैं। खासतौर पर इसका फ्रंट लुक पूरी तरह बदला गया है। इसमें रेनो की नई बैजिंग के साथ मॉडर्न ग्रिल दी गई है, जो कंपनी के पारंपरिक रोम्बस लोगो की जगह लेती है। इसके बावजूद डस्टर अपनी दमदार पहचान बनाए रखती है। इसका आकार भी प्रभावी है 4343 मिमी की लंबाई और 2657 मिमी का व्हीलबेस इसे सेगमेंट की मजबूत एसयूवी में शामिल करता है। इंटीरियर की बात करें तो यह मॉडल अपने डेसिया वर्जन से काफी मेल खाता है। दोनों को अलग करने वाला मुख्य तत्व इसका स्टीयरिंग व्हील है। हाई ट्रिम में 7-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 10.1-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो डैशबोर्ड से ऊपर की ओर निकला हुआ लगता है। यह ड्राइवर-केंद्रित डिजाइन अनुभव को और बेहतर बनाता है। इंजन विकल्पों में भी यह एसयूवी काफी विविधता रखती है। इंटरनेशनल मार्केट में यह 1.0 टीसीई तीन-सिलेंडर इंजन के साथ आती है, जो 100एचपी की ताकत देता है। इसके साथ 1.2 टीसीई टर्बो पेट्रोल इंजन का माइल्ड-हाइब्रिड सेटअप भी उपलब्ध है, जो 130एचपी आउटपुट देता है और 48-वोल्ट स्टार्टर-जनरेटर के साथ ऑल-व्हील ड्राइव का सपोर्ट करता है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नयी दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना 1,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में 3,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछाल दर्ज की गई है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,24,870 रुपये से लेकर 1,25,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,14,460 रुपये से लेकर 1,14,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,25,020 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,24,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,24,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,24,870 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,14,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,24,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,24,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,14,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,25,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,14,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,24,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,14,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,25,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

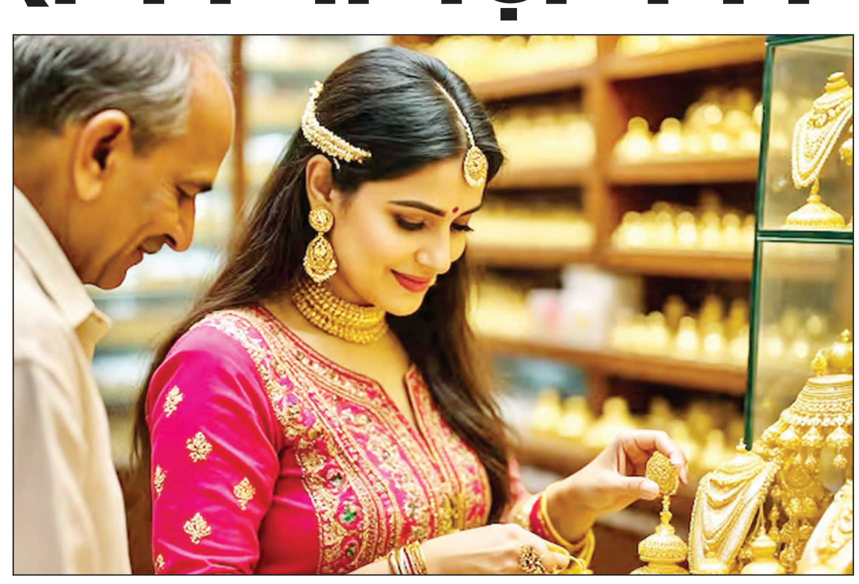

बियाणी बहनों की नई पहल- 'फूडस्टोरीज़' से प्रीमियम फूड रिटेल में वापसी

नई दिल्ली। पिछले कुछ वर्षों में देश के खुदरा क्षेत्र में तेज़ी से बदलाव आया है। पारंपरिक किराना दुकानों की जगह जहाँ सुपरमार्केट ने तेजी से पकड़ बनाई, वहीं अब क्विक कॉमर्स कंपनियाँ मिनटों में घरेलू सामान से लेकर खाद्य उत्पादों तक पहुंचाकर प्रतिस्पर्धा को नए स्तर पर ले आई हैं। ऐसे बदलते दौर में खुदरा उद्योग के दिग्गज किशोर बियाणी की बेटियां अवनि बियाणी और आशनी बियाणी मानती हैं कि अब केवल बेहतर गुणवत्ता ही नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक अनूठा और यादगार अनुभव देना खुदरा विक्रेताओं के लिए अनिवार्य बन चुका है। इसी दिशा में दोनों बहनों ने पिछले वर्ष प्रीमियम और स्वादिष्ट खाद्य उत्पादों का रिटेल प्लेटफॉर्म 'फूडस्टोरीज' शुरू किया। आशनी के अनुसार आज का ग्राहक अधिक जागरूक है और वह यह समझना चाहता है कि वह क्या खा रहा है। उपभोक्ता घर से बाहर होने पर भी अलग और उच्च गुणवत्ता वाला अनुभव चाहते हैं, और फूडस्टोरीज़ इसी ज़रूरत को पूरा करने पर केंद्रित है। यह बियाणी बहनों का प्रीमियम फूड रिटेल में दूसरा बड़ा प्रयास है। इससे पहले अवनि ने 2011 में 'फूडहॉल' की शुरुआत की थी, जो 2023 में फ्यूचर रिटेल की दिवाला प्रक्रिया के बाद बंद हो गया। नई दिल्ली के वसंत कुंज स्थित एम्बिएंस मॉल में पहला स्टोर खोलने के बाद फूडस्टोरीज़ अब बेंगलूरु की लावैल रोड और हैदराबाद के बंजारा हिल्स तक पहुंच गया है।

फेडरल रिजर्व चेयरमैन पद पर स्कॉट बेसेंट का नाम फिर चर्चा में

वाशिंगटन, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि वह देश के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को फेडरल रिजर्व के अगले चेयरमैन के रूप में नियुक्त करना चाहते हैं। सऊदी अरब में आयोजित अमेरिका-सऊदी निवेश मंच के दौरान अपने संबोधन में ट्रंप ने कहा कि बेसेंट इस पद के लिए उनकी पहली पसंद हैं, लेकिन वह स्वयं यह जिम्मेदारी संभालने के इच्छुक नहीं हैं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि बेसेंट वित्त मंत्री के रूप में ही काम जारी रखना चाहते हैं, इसलिए उनका नाम अभी केवल विचाराधीन है।

ट्रंप लंबे समय से फेडरल रिजर्व के मौजूदा चेयरमैन जेरोम पॉवेल की आलोचना करते रहे हैं, विशेष रूप से ब्याज दरों में तेजी से कटौती न करने

ट्रंप ने दो दिनों में दूसरी बार जताई इच्छा

को लेकर। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप जिस भी उम्मीदवार को चेयरमैन बनाएंगे, उससे उम्मीद होगी कि वह ब्याज दरों में तेज कटौती का समर्थन करेगा और फेडरल रिजर्व की नीति-प्रक्रियाओं में उल्लेखनीय बदलाव ला सकता है। स्कॉट बेसेंट ने इस साल की शुरुआत में 2008-2009 की आर्थिक मंदी और कोविड महामारी के दौरान फेड के कदमों की कड़ी आलोचना की थी। यही वजह है कि भले ही वे स्वयं इस पद से दूरी बना रहे हों, विशेषज्ञ उन्हें संभावित चेयरमैन पद के सबसे मजबूत दावेदारों में शुमार कर रहे हैं। बेसेंट ने खुद इस पद के लिए कई नाम सुझाए हैं, जिनमें फेड के मौजूदा अधिकारी क्रिस्टोफर वॉलर और मिशेल बोमन के साथ व्हाइट हाउस के आर्थिक सलाहकार केविन हैसेट, फेड के पूर्व गवर्नर केविन वार्श और ब्लैकरॉक के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक रिक रीडर शामिल हैं। ट्रंप के अगले निर्णय पर अब वॉल स्ट्रीट और वैश्विक वित्तीय बाजारों की नजरें टिकी हुई हैं।

अप्रैल-अक्टूबर में भारत का तेल-गैस आयात बिल 12 फीसदी घटा

नई दिल्ली। भारत का तेल और गैस का शुद्ध आयात बिल चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-अक्टूबर में 12 प्रतिशत कम हो गया। पेट्रोलियम योजना व विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार यह गिरावट कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और प्राकृतिक गैस की मांग में गिरावट के बीच आई है। वित्त वर्ष 2026 के पहले सात महीनों में इन दोनों का आयात बिल घटकर 69.9 अरब डॉलर रह गया जबकि यह बीते साल की इस अवधि में 75.9 अरब डॉलर था। भारत घरेलू कच्चे तेल के लिए 90 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस के लिए 50 प्रतिशत आयात करता है। भारत ने इस वर्ष कच्चे तेल का आयात पहले जितना किया था। लेकिन कच्चे तेल की कीमतें गिरने के कारण बचत हुई। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान कच्चे तेल का बिल 13 प्रतिशत घटकर 71.2 अरब डॉलर रह गया जबकि पिछले वर्ष यह 81.9 अरब डॉलर था।

फुजियामा पावर के शेयर बाजार में कमजोर लिस्टिंग के बाद रिकवरी

ग्रे मार्केट की उम्मीदों से नीचे रहा प्रदर्शन, क्यूआईबी की मजबूत मांग से सब्सक्रिप्शन पूरा हुआ

नयी दिल्ली,20 नवंबर (एजेंसियां)।

फुजियामा पावर सिस्टम्स का आईपीओ गुरुवार को शेयर बाजार में हल्की गिरावट के साथ लिस्ट हुआ। कंपनी के शेयर बीएसई पर 218.40 रुपए पर खुले, जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 228 रुपए से करीब 4 फीसदी कम रहा। एनएसई पर भी शेयर 220 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो इश्यू प्राइस से लगभग 3.51 फीसदी डिस्काउंट दर्शाता है। ग्रे मार्केट में भी आईपीओ को बेहद मामूली सपोर्ट मिला था, जहां शेयर केवल 228.50 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। लिस्टिंग के बाद हालांकि शेयर में तेजी देखने को मिली। बीएसई पर यह 3.85 फीसदी चढ़कर 226.80 रुपए पर पहुंच गया, जबकि एनएसई पर 3.25 फीसदी की बढ़त के साथ 227 रुपए के आसपास कारोबार करने लगा। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, शुरुआती दबाव के बावजूद शेयर में रिकवरी इस बात का संकेत है कि निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी में रुचि दिखाई। आईपीओ की शुरुआत बाजार की सतर्क धारणा के बीच कमजोर रही थी, लेकिन अंतिम दिन मांग में सुधार ने इश्यू को संभाल लिया।

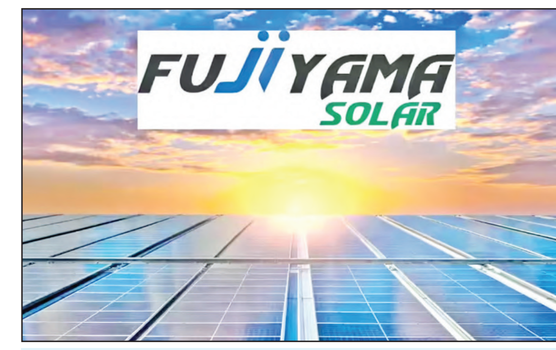

आयकर जांच की खबर के बाद वारी एनर्जीज में भारी गिरावट

नई दिल्ली। एनर्जी सेक्टर की प्रमुख कंपनी वारी एनर्जीज के कई कार्यालयों और प्रतिष्ठानों पर आयकर विभाग की जांच-पड़ताल शुरू होने के बाद कंपनी के शेयर में तेज गिरावट दर्ज की गई। बाजार खुलते ही निवेशकों में बेचैनी बढ़ी और कंपनी का स्टॉक करीब 6 फीसदी टूटकर 3,085 रुपये के स्तर पर आ गया। जबकि सितंबर 2025 में यह शेयर 3,864.40 रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका था, जो इसका 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर है। वहीं इसका 52 सप्ताह का निचला स्तर 1,808.65 रुपये है। शेयर में आई यह अचानक गिरावट निवेशकों की बढ़ती चिंता को दर्शाती है। कंपनी ने पुष्टि की कि आयकर अधिनियम, 1961 के तहत जांच के लिए आईटी विभाग के अधिकारी भारत में उसके कई कार्यालयों और सुविधाओं में पहुंचे हैं। वारी एनर्जीज ने कहा है कि जांच प्रक्रिया जारी है और कंपनी पूरी तरह से सहयोग कर रही है। इससे पहले सितंबर में कंपनी ने बताया था कि वह अमेरिकी सरकार के साथ भी सहयोग कर रही है, जहां सौर ऊर्जा आयात शुल्क की कथित चोरी को लेकर जांच चल रही है। कंपनी की सब्सिडियरी, वारी सोलर अमेरिकाज, टेक्सास में 1.6 गीगावाट क्षमता वाली मॉड्यूल विनिर्माण यूनिट का संचालन करती है, जिसे 3.2 गीगावाट तक बढ़ाया जा रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नयी दिल्ली, 20 नवंबर (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली होती रही। वहीं एशियाई बाजार में चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिका में एनवीडीया के शानदार नतीजे की वजह से अमेरिकी बाजारों के मूड में पिछले सत्र के दौरान सुधार होता हुआ नजर आया। मार्केट सेंटीमेंट्स में सुधार होने के कारण वॉल स्ट्रीट में चार दिनों से जारी गिरावट के सिलसिले पर ब्रेक लग गया। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,642.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 130.10 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,562.95 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 276.37 अंक यानी 0.60 प्रतिशत उछल कर 46,415.14 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिका के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 9,507.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,953.77 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.08 प्रतिशत टूट कर 23,162.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में चौतरफा मजबूती का रुख बना हुआ है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,111 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,518.66 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

कोस्पी इंडेक्स और ताईवान वेटेड इंडेक्स में जोरदार उछाल नजर आ रही है। ताइवान वेटेड इंडेक्स 816.74 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 27,396.86 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 119.48 अंक यानी 3.04 प्रतिशत उछल कर 4,048.99 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। वहीं निक्केई इंडेक्स 1,357.30 अंक यानी 2.80 प्रतिशत कि छलांग लगा कर 49,895 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,293.11 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.79 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,472.92 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की उछाल के साथ 3,961.71 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,867 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

देवी लक्ष्मी की कृपा से वृषभ, मकर समेत पांच राशियों के जातक पाएंगे लाभ

आज यानी 21 नवंबर दिन शुक्रवार है और आज तिथि है मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा। और आज चंद्रमा का गोचर दिन रात मंगल की राशि वृश्चिक में होने जा रहा है। चंद्रमा में गोचर में आज मंगल, सूर्य और बुध के साथ संचार करेंगे। ऐसे में आज सूर्य और मंगल की युति से जहां आदित्य मंगल योग बनेगा वहीं आज चंद्रमा और मंगल युति में होने से लक्ष्मी योग बनाएंगे। इस पर आज अनुराधा उपरांत ज्येष्ठा नक्षत्र के संयोग में सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। साथ ही आज शुक्रवार को मालव्य राजयोग भी बन रहा है। ऐसे मे आज का दिन देवी लक्ष्मी की कृपा से लक्ष्मी योग में वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक और मकर राशि के जातको के लिए भाग्यशाली रहेगा,

वृषभ राशि –वृषभ राशि के लोगों के लिए आज का दिन बिजनेस और कामकाज के लिहाज से अच्छा है। आपको आज कारोबार में खूब लाभ मिलेगा। आपका पेमेंट कहीं फंसा है तो वह आपको वापस मिल सकता है। नौकरी में भी आज का दिन आपका अनुकूल बीतेगा। कोई योजना जो आपकी काफी समय से अटकी हुई है वह पूरी हो सकती है। आप आज विदेशी क्षेत्र से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपको शिक्षा के मामले मं भी आज भाग्य का सपोर्ट मिलेगा। आपने किसी योजना में धन लगाया हुआ है तो वहां से भी आपके लिए लाभ का संयोग बनता दिख रहा है। आर्थिक पक्ष आज आपका संतुलित रहेगा। उपहार भी मिल सकता है।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर कनकधारा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

कर्क राशि – कर्क राशि के लिए आज सितारे उत्तम स्थिति को दर्शा रहे हैं। आपको आज किसी शुभ काम में भाग लेने का मौका मिलेगा। कुछ नए लोगों से भी आपके संपर्क बनेंगे। कोई सोचा हुआ जरूरी काम पूरा होने से आपका मनोबल बढ़ेगा और मन में प्रसन्नता भी बनी रहेगी। आपको आज भाग्य कहीं से अचानक लाभ दिला सकता है। नौकरी में आपका दिन आज अनुकूल बीतेगा। आप कोई नया काम शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी के काम में आपको लाभ मिलने का योग बना हुआ है। सामाजिक क्षेत्र में आप सम्मान प्राप्त कर पाएंगे। विपरीतलिंगी सहकर्मियों और संबंधियों से सहयोग का अच्छा संयोग बना हुआ है।

उपाय : कर्क राशि के जातकों को को आज उपाय के तौर पर देवी लक्ष्मी को बतासे और लौंग अर्पित करना चाहिए।

सिंह राशि –सिंह राशि के जातको के लिए आज शुक्रवार का दिन शुभ फलदायी रहेगा। आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। नौकरी में आपको कोई नई और बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। आपको आज किसी मित्र या संबंधी से मिलने का संयोग बन सकता है। कारोबार में आज आपको अपेक्षा से बढ़कर लाभ मिलेगा। कैटरिंग और होटल के काम से जुड़े जातकों की व्यस्तता बनी रहेगी लेकिन कमाई में भी इजाफा होगा। आपको आज लव लाइफ में भी भाग्य का साथ प्राप्त होगा। कोई निकट संबंधी आपको खुशखबरी दे सकता है। बच्चो के साथ आपको मनोरंजक समय बिताने का मौका मिलेगा। राजनीतिक संपर्क का आप लाभ प्राप्त कर पाएंगे।

उपाय : सिंह राशि के जातकों को आज उपाय के तौर पर चावल का दान करना चाहिए।

वृश्चिक राशि –आज शुक्रवार का दिन वृश्चिक राशि के लोगों के लिए शुभ लाभदायक होगा। आप आज साहस और आत्मविश्वास से अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता पाएंगे। जो लोग नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको कोई अच्छा मौका मिल सकता है। बिजनेस में आपको आज कोई बड़ी डील मिल सकती है। आपका कोई काम जो काफी समय से अटका हुआ था वह पूरा हो सकता है। नौकरी में अधिकारियों से आपको सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लव लाइफ में आपको प्रेमी से उपहार मिल सकता है। प्रेम संबंध में प्रगाढ़ता आएगी। सुख साधनों में वृद्धि का भी संयोग बना हुआ है। आपको आज प्रॉपर्टी का भी लाभ मिल सकता है।

उपाय : आज आपको उपाय के तौर पर हनुमानजी को तुलसी की माला भेंट करना चाहिए।

मकर राशि – मकर राशि के जातको के लिए आज शुक्रवार का दिन सुखद रहेगा। आपको आज किसी अप्रत्याशित स्रोत से आर्थिक लाभ मिलेगा। किसी अपरिचित व्यक्ति के द्वारा आपको आज सहयोग मिलने का भी योग बना हुआ है। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज किसी और मांगलिक काम में भाग लेने का मौका मिल सकता है। पारिवारिक जीवन में आपको सुख सहयोग मिलेगा। कोई कानूनी मामला चल रहा है तो उसमें आपको सफलता मिल सकती है। आपकी राशि में आज वाहन और सुख साधन मिलने का भी योग बनता दिख रहा है। जो लोग नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं उनको प्रयास तेज कर देना चाहिए।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर मिश्री और लौंग देवी लक्ष्मी को अर्पित करना चाहिए। चावल का दान भी शुभ रहेगा।

घर में कछुआ रखने से पहले जान लें ये बातें, बढ़ेगा बैंक बैलेंस, नौकरी और व्यापार में मिलेगी तरक्की

फेंगशुई और वास्तुशास्त्र में घर में कछुआ रखने का खास महत्व होता है। इसे कई लोग अपने घर में सुख-समृद्धि के लिए लाकर रखते हैं। फेंगशुई के अनुसार, घर में कछुआ रखने से परिवार के सभी सदस्यों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, कछुए को अपने ऑफिस में रखना भी शुभ माना गया है। इससे जातक को नौकरी और व्यापार में तरक्की मिल सकती है। लेकिन घर या दफ्तर में कछुआ रखने से पहले कुछ नियमों का ध्यान रखना जरूरी होता है। इसे गलत स्थान या दिशा में रखने से पूर्ण फल की प्राप्ति नहीं होती है।

घर में कैसे और कहां रखें कछुआ

फेंगशुई के अनुसार, कछुए को सही स्थान और सही प्रकार रखना सबसे महत्वपूर्ण होता है। पौराणिक ग्रंथों और हिंदू धर्म में कछुए को सुख-समृद्धि देने वाला माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, विष्णुजी ने स्वयं कच्छप अवतार लिया था। साथ ही, कछुए को शांत जीव माना जाता है। ऐसे में आप इसकी फोटो अपने मंदिर में लगा सकते हैं। इसके अलावा, कछुए की छोटी प्रतिमा को पानी से भरे पीतल या अष्टधातु के पात्र में रखना चाहिए। इस प्रकार घर या अपने मंदिर में कछुआ रखने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है।

सही दिशा में रखें कछुआ

अक्सर हम घर पर अपने अनुसार स्थान चुनकर कछुए को रख देते हैं। लेकिन फेंगशुई और वास्तु में इसे रखने की सही दिशा बताई गई है, जिसका ध्यान जरूर रखना चाहिए। मान्यता है कि उत्तर दिशा माता लक्ष्मी की होती है। ऐसे में कछुए को अपने घर में उत्तर दिशा में ही रखना चाहिए। ऐसा करने से धन की देवी माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और जातक का बैंक बैलेंस भी बढ़ सकता है। मान्यता है कि उत्तर दिशा में कछुआ रखने से शत्रुओं का भी नाश होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

पीतल का कछुआ दिलाएगा तरक्की

अगर आप व्यवसाय, बिजनेस या नौकरी में लगातार बाधाओं और समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो घर या कार्यस्थल पर पीतल का कछुआ लाकर रख सकते हैं। इससे कार्यों में आने वाली बाधाएं कम होने लगती हैं और सफलता के मार्ग खुलते हैं। वहीं, विद्यार्थियों के लिए भी पीतल का कछुआ बहुत शुभ फलदायी होता है। इससे आपको शिक्षा के क्षेत्र में लाभ मिल सकता है और मेहनत का फल भी प्राप्त होता है। पीतल का कछुआ घर में रखने से आसपास का माहौल हमेशा सकारात्मक बना रहता है।

धन प्राप्ति के लिए रखें ऐसा कछुआ

अगर आप आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो इसके लिए अपने घर या ऑफिस में क्रिस्टल से बना कछुआ लाकर रख सकते हैं। मान्यता है कि ऐसा कछुआ धन प्राप्ति का सूचक होता है। इससे आपको आर्थिक तंगी से राहत मिल सकती है और धन में वृद्धि होने की संभावनाएं बढ़ने लगती हैं। इसके अलावा, आप चाहें तो अपने घर या ऑफिस के मुख्य द्वार पर कछुए की फोटो भी लगा सकते हैं। इससे व्यापार में उन्नति के नए मार्ग खुलते हैं और जातक को नौकरी में भी सफलता प्राप्त हो सकती है।

घर में कब रखें 2 कछुए

फेंगशुई के अनुसार, घर में कछुआ रखने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। वहीं, अगर आपके घर में अक्सर छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होते रहते हैं या तनाव बना रहता है तो इसके लिए छोटा सा काम कर सकते हैं। इसके लिए अपने घर में कछुओं का जोड़ा यानी 2 कछुए लाकर रख लें। ऐसा करने से घर से नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मकता बढ़ती है। साथ ही, आपको गृह क्लेश से भी मुक्ति मिल सकती है और परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बना रहता है। घर में सुख-शांति और खुशनुमा माहौल बनाए रखने के लिए कछुओं का जोड़ा रखना सबसे उत्तम माना गया है।

कुछ भूखण्ड देते हैं सुख-सम्पत्ति तो कुछ लाते हैं जीवन में विपत्ति

अगर मकान वास्तु शास्त्र के अनुसार शुभ भूमि पर बना हो तो खराब ग्रह दशा होने पर भी अनिष्ट ग्रहों का प्रभाव उतना नहीं पड़ता, जितना कि वास्तु विपरीत भूमि पर निर्माण करने पर व्यक्ति को कष्ट सहना पड़ता है।

वर्गाकार भूखंड– जिस भूमि की लंबाई चौड़ाई समान हों, अंदर के चारों कोण 90 डिग्री के हो, इसे वर्गाकार भूमि कहते हैं, जो कि शुभ। अगर चारों दिशाओं और कोणों का ध्यान रखकर वास्तु सम्मत भवन बनाया जाए तो उसमें निवास करने वालों के जीवन में सुख-समृद्धि रहती है।

आयताकार भूखंड– जिस भूखंड की लंबाई अधिक, चौड़ाई कम हो, आमने-सामने की सीमाएं बराबर हो तथा चारों कोनों में समकोण 90 डिग्री बनाता हो, उसे आयताकार भूमि कहते हैं। वास्तु शास्त्र की दृष्टि से यह भूखंड श्रेष्ठ कहलाता है, इस पर भवन निर्माण करना धन, यश और सफलता का प्रतीक बनता है।

वृत्ताकार यानि गोलाकार भूखंड– गोल अर्थात् वृत के आकार की भूमि बहुत ही दुर्लभ होती है, अनेक लोग अपने बहुकोणीय भूखंड को गोलाई की परिधि में ले आते हैं। ऐसी भूमि पर मकान बनाकर रहने से धन का प्रचुर लाभ होता है, आमदनी के कई स्रोत खुलते हैं। घर में नाना प्रकार के सुख-साधन तथा सजावट की वस्तुएं रहती है।

त्रिकोणाकार भूखण्ड– त्रिकोणाकार भूमि बहुत कम देखने में आती हैं, जिस भूमि में तीन कोने एक त्रिकोण की आकृति लेते हों, उसे त्रिभुजाकार या त्रिकोणाकार भूमि कहते हैं। इस प्रकार की भूमि कष्ट, दुःख, क्लेश एवं कलहकारक मानी जाती है, इसमें रहने वाले को दैवी आपदा झेलनी पड़ती है, इसलिए इस तरह की भूमि में प्रायः मंदिर आदि का निर्माण ही फलप्रद रहता है। इस भूमि पर निवास करने पर कानूनी अड़चनें मुकदमा, राजभय तथा कारागार आदि का भय रहता है। अगर वास्तु नियमों के अनुसार इसकी काट-छांठ की जाए तो बहुत सी भूमि बेकार चली जाती है, इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करना आसान नहीं होता। जहां तक हो इसे मकान बनाने के लिए उपयोग में कदापि नहीं लाना चाहिए।

इस प्रकार चक्राकार भूखण्ड, शकटाकार भूखण्ड, पंखाकार भूखण्ड, तबलाकार भूखण्ड, शूर्पाकार भूखण्ड जैसे कई प्रकार के भूखण्ड लम्बाई-चौड़ाई के भेद से देखने को मिलते हैं।

महाभारत युद्ध से पहले दुर्योधन ने कर दी एक बड़ी गलती, कौरव सेना पर भारी पड़ गए अकेले अर्जुन, भीष्म कर्ण हुए अचेत

महाभारत युद्ध से पहले जब पांडव विराट राज्य में अज्ञातवास काट रहे थे तब कीचक के वध के बाद दुर्योधन ऐसी गलती कर बैठे की उनका सामना सीधा अर्जुन से हुआ। तब युद्ध के मैदान में कौरव सेना पर अर्जुन का 12 साल का क्रोध ज्वालामुखी बनकर फूटा। इसका परिणाम यह हुआ की दुर्योधन न तो पांडवों का अज्ञातवास भंग कर पाया और गोधन हरण करने में भी असफल रहा। अंत में कौरवों की सेना को वहां से अपमानित होकर वापस लौटना पड़ा। आइए विस्तार से जानते हैं कि आखिर दुर्योधन ने महाभारत युद्ध से पहले ऐसी क्या गलती की और अकेले अर्जुन कौरव सेना पर कैसे भारी पड़ गए...

भीम ने कीचक किया का वध

पांडव और द्रौपदी 12 साल के वनवास के बाद 1 वर्ष का अज्ञातवास अपना रूप बदलकर विराट राज्य में काट रहे थे। उस दौरान कीचक द्रौपदी के रूप पर मोहित हो गया और उनके साथ दुर्व्यवहार करने लगा। जिससे भीम बहुत क्रोधित हुए और उन्होंने कीचक का वध कर दिया। जब यह बात दुर्योधन को पता चला की कीचक का वध हो गया तब सभी चकित रह गए कि आखिर कीचक जैसे महारथी का वध कौन कर सकता है, वह तो अजय था। इस पर कर्ण ने कहा की कीचक का वध केवल भीष्म पितामह, स्वयं दुर्योधन, कर्ण और भीम कर सकते हैं। कौरवों ने तब अनुमान लगाया की कीचक का वध करने वाला भीम हो सकता है क्योंकि वह ही इस समय यहां नहीं है और उनके रहने का स्थान भी किसी को नहीं पता है।

दुर्योधन ने विराट राज्य पर आक्रमण करने की बनाई योजना

कौरवों द्वारा अनुमान लगाने के बाद कि पांडव विराट राज्य में छिपे हुए हैं, तब दुर्योधन ने पिता महाराज धृतराष्ट्र और भीष्म पितामह से कहा की कीचक का वध हो गया है और अब विराट राज्य को बचाने वाला कोई नहीं है। ऐसे में हमें उसे अब अपने संरक्षण में ले लेना चाहिए। इसके पश्चात कौरवों ने विराट राज्य पर आक्रमण करने और गोधन हरण करने का फैसला लिया। दुर्योधन का मानना था कि भीम ने ही कीचक का वध किया है। ऐसे में दुर्योधन ने पहले अपने मित्र सुशर्मा को विराट नगर पर आक्रमण करने के लिए भेजा। सुशर्मा त्रिगत का राजा था और विराट राज्य उसका दुश्मन था।

अर्जुन ने उत्तरा को दिया अपना असली परिचय

विराट नगर की सेना को कमजोर समझकर सुशर्मा और कौरव सेना ने विराट राज्य पर आक्रमण कर दिया। विराट और उनके पुत्र अपनी बची हुई सेना को लेकर युद्ध करने पहुंचे। लेकिन जब युवा राजकुमार उत्तरा ने

कौरवों की सेना देखी तो वह घबरा गया और उसे समझ नहीं आया की वह इतनी बड़ी सेना और इतने महारथियों का सामना कैसे करेगा। तब अर्जुन ने विराट के पुत्र उत्तरा को रोका और उन्हें अपने साथ एक वन में ले गए। वहां पांडवों ने अपने सारे अस्त्र-शस्त्र छुपाए हुए थे। जब अर्जुन सारे शस्त्र निकालने लगे तो उत्तरा चकित रह गए की जिन शस्त्रों को देखकर भी डर लगता हो वे आप पर कैसे मौजूद हैं। इस प्रश्न के उत्तर में अर्जुन ने अपना असली परिचय दिया और अपने रूपों के बारे में भी बताया।

अकेले अर्जुन कौरवों की सेना पर पड़े भारी

उत्तरा सत्य जानने के पश्चात अर्जुन के साथ युद्ध भूमि पर पहुंचे। अर्जुन बृहन्नला का रूप धारण करके विराट उत्तरा का के सारथी बनकर युद्ध करने गए थे। तब पूरी कौरवों की सेना पर अकेले अर्जुन भारी पड़ गए। दुर्योधन को इस बात का जरा भी अनुमान नहीं था की उसका सामना अर्जुन के साथ होगा। उस समय अर्जुन का 12 वर्षों का क्रोध ज्वालामुखी बनकर युद्ध की भूमि पर फूटा। इस युद्ध में भीष्म और कर्ण अचेत हो गए। ऐसे में सारे महारथी मिलकर उनपर हमला करने लगे। तब अर्जुन ने दिव्यास्त्र चलाया और सम्मोहन अस्त्र का प्रयोग करके कौरवों की सेना पर विजय प्राप्त की। इसका परिणाम यह हुआ की दुर्योधन न ही विराट राज्य को जीत पाया और न ही गोधन हरण करने में विजयी हुआ। दुर्योधन पांडवों के अज्ञातवास को भंग करने की इच्छा से भी विराट राज्य में पहुंचा था। लेकिन चंद्रमास के अनुसार, पांडवों का अज्ञातवास समाप्त हो चुका था। ऐसे में दुर्योधन पांडवों का अज्ञातवास भी भंग नहीं कर पाया।

सूर्य-चंद्रमा बन रहे अद्भुत शशि आदित्य राजयोग से निम्न राशियों को मिलेगा धन लाभ

आज यानी 21 नवंबर 2025, शुक्रवार को सूर्य और चंद्रमा की युति से शशि आदित्य योग बन रहा है। वैदिक ज्योतिष में इसे अत्यंत शुभ और प्रभावशाली राजयोग माना जाता है। सूर्य और चंद्रमा के एक-दूसरे के केंद्र भावों में स्थित होने से यह योग बनता है। यह अद्भुत योग व्यक्ति को नेतृत्व क्षमता और प्रतिष्ठा प्रदान करता है।

इस योग के प्रभाव से जातक प्रशासनिक क्षेत्रों, सरकारी कार्यों और समाज में प्रभावशाली पद दिलाता है। यह योग आर्थिक रूप से भी लाभकारी माना जाता है। इससे धन-संपत्ति और मान-सम्मान दोनों में वृद्धि होती है।

मेष –मेष राशि के जातकों के दांपत्य जीवन में आज के दिन कुछ उथल-पुथल देखने को मिल सकती है। शाम के बाद घर परिवार में मनमुटाव की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे में आपकी मनोदशा तनाव से ग्रस्त रहेगी। अपने प्रेम का खुलासा करना का आज सही दिन नहीं है। इससे पारिवारिक वातावरण परेशान करने वाला हो सकता है।

वृष –आज के दिन कामकाजी गतिविधियों को जरूरत के मुताबिक संचालित करने में आप सफल रहेंगे। आपके करीबी लोग आपकी मदद करने को तैयार रहेंगे, लेकिन उन पर पूरी तरह निर्भर होना ठीक नहीं रहेगा। किसी पर आंख बंद करके विश्वास करना आगे चलकर परेशानी का कारण बन सकता है। बेहतर होगा कि आप महत्वपूर्ण फैसले खुद लें।

मिथुन – मिथुन राशि के लोगों को आज के दिन थोड़ा सतर्क रहना होगा। अगर आप अपने करियर में बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं तो अभी परिस्थिति ठीक नहीं हैं। किसी भी काम में हाथ डालने से पहले अपने जीवनसाथी से सलाह ले लें। सोच-समझकर निर्णय लेकर आगे बढ़ना लाभदायक रहेगा। कुछ प्राप्त करने के लिए कुछ खोने की परिस्थितियां भी पैदा हो सकती हैं।

कर्क –आज आप व्यापार में कोई नई शुरुआत करने पर विचार कर सकते हैं। इस प्रयास में आपको कुछ पुराने मित्रों से आर्थिक सहयोग भी मिल सकता है। इससे आपका आत्मविश्वास और बढ़ेगा। आज के दिन मदद देना भी आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। इसका लाभ आपको भविष्य में देखने को मिलेगा।

सिंह –आज के दिन घूमने-फिरने या किसी छोटी यात्रा की योजना बन सकती है। इसके लिए पहले से तैयारी करना जरूरी होगा। बीच में कुछ अधूरे काम भी पूरे करने पड़ेंगे। दोपहर के बाद कामकाज और इधर-उधर की भागदौड़ अचानक बढ़ सकती है। ऐसे में जल्दबाजी में कोई निर्णय आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। आज धैर्य और सावधानी आपके लिए बेहद जरूरी है।

कन्या –आज के दिन आप जिस भी काम को करने का संकल्प लेंगे, उसके पूरे होने की संभावनाएं काफी मजबूत रहेगी। एडमिशन कराना हो, यात्रा पर जाना

हो या कोई जरूरी सामान खरीदना हो इन सभी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। इसके साथ ही अटका हुआ पैसा भी आपको मिलने की संभावना दिख रही है।

तुला –तुला राशि के जातकों को तीर्थ यात्रा पर जाने का अवसर प्राप्त हो सकता है। आज के दिन मित्रों के लिए कुछ धन की भी व्यवस्था करनी पड़ सकती है। किसी एग्जाम परीक्षा के लिए तैयारी करने वालों को सफलता मिलेगी। घर के वरिष्ठ सदस्य से टकराव की संभावना दिख रही है। ऐसे में किसी भी तरह का टकराव आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

वृश्चिक –आज आपको अपनी कार्ययोजना में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं। यह बदलाव आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। आर्थिक तौर पर आज दबाव कम रहेगा।

छोटी-मोटी देनदारियां चुकाने के बाद भी आपकी सेविंग्स पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। परिवार के सदस्यों की कुछ ज़रूरतें पूरी करनी पड़ सकती है।

धनु –घर-परिवार में किसी सदस्य की सेहत आपके लिए परेशानी का कारण बन सकती है। खराब स्वास्थ्य के कारण घर परिवार का वातावरण कुछ अवसादपूर्ण रहेगा। तनाव से उबरने का रास्ता यहीं है कि आज आप किसी मनोरंजक यात्रा पर निकल पड़ें। यदि आपके पास वाहन आदि नहीं भी हो तो सार्वजनिक वाहन का फायदा उठाया जा सकता है।

मकर –मकर राशि वालों की शारीरिक थकान धीरे-धीरे दूर होती दिखाई देगी। पिछले कई दिनों से आप जो एक्सरसाइज या योगाभ्यास कर रहे हैं उसका सकारात्मक असर दिखाई देगा। घर के छोटे सदस्यों या संतान की ओर से भी कोई अच्छा समाचार मन को प्रसन्न करेगा। इसके साथ ही आज वस्तु या किसी उपयोगी चीज का लाभ मिलने की भी संभावना है।

कुंभ –आज आपके कार्यक्षेत्र का माहौल पहले की तुलना में काफी बेहतर रहेगा। ऑफिस में हंसी-मजाक और हल्का-फुल्का मनोरंजन भी देखने को मिलेगा। किसी सहकर्मी की ओर से पार्टी मिल सकती है। कुल मिलाकर आज का दिन ऑफिस में सकारात्मक हेगा।

मीन –मीन राशि के जातकों का मूड थोड़ा खराब रह सकता है। विपरीत हालातों से मन परेशान रहेगा। युवा वर्ग को दाम्पत्य जीवन अथवा प्रेम संबंधों को लेकर शिकायत रहेगी। जीवन साथी का भरोसा जीतना जरूरी होगा। कुछ जरूरी खर्चे भी सामने आयेंगे। बुजुर्गों का सहयोग कुछ हद तक माहौल को ठीक करने में सहायक होगा।

कॉमेडी टाइमिंग की क्वीन गुड्डी मारुति ने दिखाई अपने बचपन की फोटो

हिंदी सिनेमा का हंसाने और गुदगुनाने पर मजबूर कर देने वाला चेहरा गुड्डी मारुति सभी को याद होगीं। डायलॉग बोलकर कॉमेडी करना आसान होता है, लेकिन गुड्डी के चेहरे के एक्सप्रेशन ही दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर देते थे। बुधवार को गुड्डी ने अपने बचपन की प्यारी सी फोटो फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिसे देखकर किसी के लिए भी उन्हें पहचान पाना मुश्किल होगा। कॉमेडी टाइमिंग की क्वीन गुड्डी मारुति ने अपना सोशल मीडिया अपडेट किया है और अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की है। एक्ट्रेस ने फोटो के कोलाज में एक तरफ अपने बचपन की तो दूसरी तरफ अपनी यंग एज की फोटो पोस्ट की है। बचपन की फोटो में गुड्डी खिलकर मुस्कुराती दिख रही हैं और माथे पर लाल बिंदी भी लगा रही हैं, जबकि दूसरी फोटो में वे बहुत शांत और प्यारी लग रही हैं। एक्ट्रेस ने फोटो के कैप्शन में लिखा, मेरी बचपन की तस्वीर,

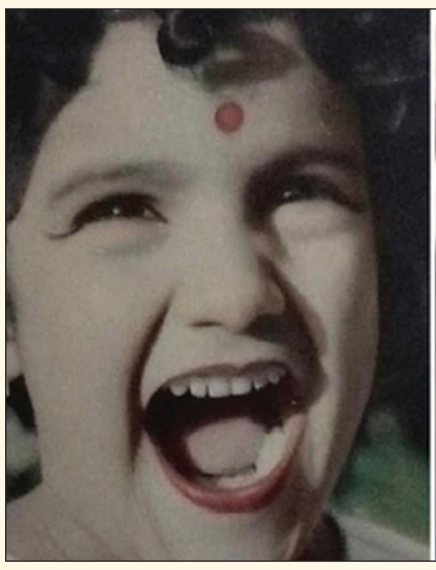

तब और अब।

गुड्डी मारुति भले ही पर्दे से दूर हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर हिंदी सिनेमा जगत की पुरानी यादों को ताजा करती रहती हैं। इससे पहले अपने पोस्ट में उन्होंने जूही चावला और अक्षय कुमार के साथ अपनी थ्रो-बैक फिल्मों का पोस्ट डाला था, जिस पर उन्होंने लिखा, एक 'किस' की कीमत तुम क्या जानो अक्षय बाबू।ये सीन 1992 में आई फिल्म 'खिलाड़ी'' का है, जिसमें वे अक्षय कुमार के साथ जबरदस्ती किस करती दिखी थीं।

गुड्डी मारुति ने हिंदी सिनेमा में लगभग हर बड़े स्टार के साथ स्क्रीन शेयर की थी। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'सौ दिन सास के' से की थी, जो साल 1980 में आई थी। जिसके बाद गुड्डी साल 1985 में आई 'बेवफाई', 'मां कसम', 1986 में आई 'आग और शोला', 'नगीना', 1987 में आई 'हुकूमत' समेत 'कसम', 'जैसी करनी वैसी भरनी' और 'बलवान' में दिखीं थी। फिलहाल एक्ट्रेस पर्दे से दूर हैं लेकिन सोशल मीडिया के जरिए आज भी अपने फैंस को गुदगुदाती रहती हैं।

त्रिशा कर मधु ने साड़ी में लगाए भोजपुरी ठुमके

भोजपुरी सिनेमा की चर्चित और खूबसूरत अभिनेत्री त्रिशा कर मधु ने मंगलवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो गानों पर रील्स बनाकर पोस्ट की, जो अब फैंस के बीच खूब चर्चा बटोर रही है। वीडियो में वह डांस और अभिनय का जलवा बखूबी दिखा रही है। पहले वीडियो में वह साड़ी में ठुमके लगाती दिख रही हैं, जबकि दूसरे वीडियो में वह गाड़ी में बैठकर अपने एक्सप्रेशन से दर्शकों को अपना कायल बना रही हैं। इन पोस्ट्स ने सोशल मीडिया पर उनके फॉलोअर्स का ध्यान खींचा और फैंस ने उनके अंदाज और परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की। पहले वीडियो में त्रिशा कर मधु 'पतरे कमरिया बा' गाने पर शानदार डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में वह साड़ी पहने हुए ठुमके लगा रही हैं। उनकी डांस स्टेप्स और अदाएं देखने लायक हैं, जो गाने के म्यूजिक और बीट के साथ पूरी तरह मेल खा रही हैं। यह गाना शैलेन्द्र गौतम और शिवानी सिंह ने गाया है, जबकि इसके बोल राहुल खरवार ने लिखे हैं। म्यूजिक श्याम साइम का है और इसका कंपोजिशन भी राहुल खरवार ने किया है। त्रिशा का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है। उनके फैंस कमेंट सेक्शन के जरिए जमकर तारीफ कर रही हैं। दूसरे वीडियो में त्रिशा कर 'शीला हउ का' गाने पर रील बनाती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में वह एक गाड़ी में बैठी हुई हैं और अपने एक्सप्रेशन्स के जरिए से गाने की भावनाओं को दर्शकों तक पहुंचा रही हैं। वीडियो में उनकी अदाओं और चेहरे के हावभाव ने गाने को और भी मजेदार बना दिया है। यह गाना चंद जी और शिल्पी राज ने गाया है, जबकि इसके बोल मनु साहू ने लिखे हैं। म्यूजिक सतेन्द्र जी का है और इसका कंपोजिशन और मिक्सिंग गौरव रोशन ने किया है।

सिंगर शेखर रवजियानी ने बिगबी को बताया अपना गुरु

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन से मिलने और उनसे बात करने का सपना हर किसी का होता है। सिंगर-कंपोजर शेखर रवजियानी का अमिताभ बच्चन से मिलने, बात करने और उनके साथ समय बिताने का सपना भी पूरा हो चुका है। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ कुछ फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। फोटो 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट की हैं। सिंगर-कंपोजर शेखर रवजियानी ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट से फोटोज पोस्ट की हैं, जिसमें वे अमिताभ बच्चन के साथ दिख रहे हैं। फोटो में वे कभी अमिताभ बच्चन को माइक दे रहे हैं, तो दूसरी फोटो में अमिताभ बच्चन सिंगर को आशीर्वाद दे रहे हैं। फोटोज देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि दोनों ने ही सेट पर ढेर सारी मस्ती की है। शेखर रवजियानी ने लिखा, जब मुझे केबीसी के डायरेक्टर का फोन आया और उन्होंने मुझे शो में आने के लिए कहा तो मैं अमिताभ बच्चन साहब के साथ केबीसी खेलने के लिए एक्साइटेड और घबराया हुआ था, क्योंकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या पहनूं।उन्होंने आगे लिखा, मैंने केबीसी के सेट पर पहले रिहर्सल की और क्रू मेंबर्स से मिला। फिर, बिगबी से मिलने का समय आ गया। मुझे उनसे आशीर्वाद और प्यार भरा हग मिला।

कर्म पर करें पूरा फोकस परिणाम पर नहीं

भगवदगीता के कोट्स शेयर कर रवीना टंडन ने किया फैंस को मोटिवेट

90 के दशक की एक्ट्रेस रवीना टंडन आज भी फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक छाई हुई हैं। एक्ट्रेस जल्द ही अक्षय कुमार के साथ 'वेलकम टू द जंगल' में दिखने वाली हैं, लेकिन इसी बीच रवीना ने सिंपल और अच्छी लाइफ जीने के लिए भगवद गीता के कुछ अनमोल वचन शेयर किए हैं। अभिनेत्री रवीना टंडन ने अपना इंस्टाग्राम अपडेट किया है और भगवद गीता के अच्छे वचनों को शेयर किया है। पोस्ट में लिखा है, अपने कर्म पर पूरा फोकस करें, ये जाने बिना कि आगे इसका परिणाम क्या होगा। कर्म पर फोकस करें न कि उसके रिजल्ट पर। दूसरे पोस्ट में लिखा, जीत होने पर ज्यादा खुशी जाहिर न करें और अपनी हार पर ज्यादा दुखी न हों, जिंदगी को संतुलन के साथ चलाएं। एक अन्य पोस्ट पर लिखा है, ईमानदारी और दयालुता ही इंसान की असली ताकत होती है, हमेशा वहीं चुनें जो सही है, न कि सरल।

फैंस को भी एक्ट्रेस के ये विचार काफी पसंद आ रहे हैं। रवीना टंडन एक्ट्रेस होने के समाज सेविका भी हैं। वे अक्सर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पशु-पक्षियों पर दया दिखाने की अपील फैंस से करती हैं। दिल्ली में सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर में बंद करने के आदेश पर एक्ट्रेस ने अपनी भड़ास निकाली थी और फैसले को असंवेदनशील बताया था। उन्होंने कहा था कि कुत्तों को शेल्टर होम में बंद कर देना कोई स्थाई समाधान नहीं है। इसके बदले आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण करने के बाद उन्हें छोड़ देना चाहिए।

रवीना टंडन को इसी महीने टेलीविजन सीरीज 'कर्मा कॉलिंग' में निगेटिव भूमिका के लिए दादा साहब फाल्के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पुरस्कार से नवाजा गया। इससे पहले उन्हें साल 2022 में भी 'अरण्यक' वेबसीरीज के लिए भी दादा साहब फाल्के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। उन्होंने सीरीज में कस्तूरी डोगरा के किरदार के लिए ये अवॉर्ड जीता था। उन्होंने अपने करियर में तमाम अवॉर्ड जीते हैं इतना ही नहीं। उनकी बेटी राशा टंडन भी फिल्मों में कदम रख चुकी हैं।

शिल्पा-मिथुन की ऑनस्क्रीन जोड़ी आज भी फेवरेट, प्रशंसकों की डिमांड पर की नौ फिल्में

1990 और 2000 के दशक के बीच बॉलीवुड में कई अभिनेत्री आईं और चली गईं, लेकिन कुछ नाम ऐसे हैं, जो आज भी दर्शकों के दिलों में बसे हैं। शिल्पा शिरोडकर उन्हीं में से एक हैं। अपनी खूबसूरती, अदाकारी और स्क्रीन पर सहज हाव-भाव के लिए प्रसिद्ध शिल्पा ने दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया। लोगों ने उनकी ऑनस्क्रीन जोड़ी अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के साथ बेहद पसंद की। उन्होंने कुल नौ फिल्मों में मिथुन के साथ काम किया और हर बार दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने सराहा। उनके परिवार का फिल्म इंडस्ट्री और थिएटर से गहरा ताल्लुक रहा है। उनकी दादी मीनाक्षी शिरोडकर मराठी फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री थीं और उनकी मां गंगू बाई भी अभिनय से जुड़ी थीं। इस तरह शिल्पा को बचपन से ही फिल्मों और अभिनय की दुनिया का अनुभव मिला। उनकी छोटी बहन नम्रता शिरोडकर भी फिल्मों में काम कर चुकी हैं और 1993 में 'मिस इंडिया' का खिताब जीत चुकी थीं।

शिल्पा ने करियर की शुरुआत 1989 में फिल्म 'भ्रष्टाचार' से की। इस फिल्म का निर्देशन रमेश सिप्पी ने किया था, जिन्होंने उन्हें मिथुन चक्रवर्ती और रेखा के साथ काम करने का मौका दिया। फिल्म में शिल्पा ने अंधी लड़की का किरदार निभाया। यह उनका पहला बड़ा ब्रेक था। हालांकि, इस फिल्म से उन्हें लोकप्रियता तो नहीं मिली, लेकिन उनके टैलेंट की सराहना हुई। उन्हें पहचान 1990 में आई 'किशन कन्हैया' से मिली। इस फिल्म में उनके साथ मुख्य अभिनेता अनिल कपूर थे और शिल्पा ने राधा का किरदार निभाया। दर्शकों ने उनके अभिनय को पसंद किया और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। इसी दौरान शिल्पा और मिथुन की जोड़ी पहली बार नजर आई और उनके बीच की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को खूब भाई। इसके बाद शिल्पा ने कई हिट फिल्मों में काम किया। इनमें 'योद्धा', 'खुदा गवाह', 'आंखें', 'गोपी किशन', 'बेवफा सनम' और 'मृत्युदंड' जैसी फिल्में शामिल हैं। मिथुन चक्रवर्ती के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों की सबसे पसंदीदा जोड़ी में से एक बन गई। दोनों ने साथ में कुल नौ फिल्मों में काम किया और हर बार उनकी परफॉर्मेंस की खूब तारीफ हुई।शिल्पा ने अपने करियर में कई पुरस्कारों के लिए नामांकन भी हासिल किए। उन्हें 1993 में फिल्म 'खुदा गवाह' में उनके रोल के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार में बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस के लिए नामांकित किया गया। उनकी मेहनत, दमदार अभिनय और स्क्रीन पर सहज अंदाज ने उन्हें दर्शकों के बीच खास पहचान दिलाई।

साल 2000 में शिल्पा ने यूके के बैंकर अपरेश रंजीत से शादी कर इंडस्ट्री से दूरी बना ली। इसके बाद उन्होंने करीब 13 साल तक अभिनय से ब्रेक लिया और परिवार के साथ समय बिताया। हालांकि, साल 2013 में उन्होंने टीवी शो 'एक मुट्ठी आसमान' के जरिए छोटे पर्दे पर वापसी की और फिर कई अन्य टीवी शोज में भी नजर आईं। वह कलर्स चैनल के रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' में भी बतौर कंटेस्टेंट नजर आई, लेकिन फिनाले से कुछ पहले टॉप 6 में रहते हुए बाहर हो गई।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वातावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रि से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने–जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर–की–उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच–बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 21 नवंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा दोपहर 02:49 तक
नक्षत्र : अनुराधा दोपहर 01:56 तक
योग : अतिगंड प्रातः 10:42 तक
करण : बव दोपहर 02:49 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:24, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:21, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल दोपहर 01:57 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

छात्रों के लिए अतिरिक्त बसें, निजी बसों में भी पास सुविधा अनिवार्य : सैनी

चंडीगढ़, 20 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बढ़ती छात्र संख्या को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि मॉर्निंग पीक टाइम में अतिरिक्त बसें उपलब्ध कराई जाएं। आवश्यकतानुसार बसों की संख्या बढ़ाई जाए और कम अंतराल पर बसें चलाकर विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। उन्होंने कहा कि निजी बसों में भी सरकारी बसों की तर्ज पर स्टूडेंट पास सुविधा अनिवार्य रूप से दी जाए तथा किसी शिकायत की स्थिति में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में सड़क सुरक्षा से संबंधित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्कूलों के बच्चों की सुरक्षा से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए। अधिकारी स्कूल बसों के सुरक्षा मानकों और बसों में लगे जीपीएस सिस्टम का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें।मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेश में मौजूद सभी ब्लैक स्पॉट्स को चिन्हित कर 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य को मिशन मोड में चलाते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की जाए, ताकि सड़क हादसों में स्पष्ट कमी लाई जा सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों के समाधान और विभागों के समन्वय के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए, जो सभी मामलों की नियमित निगरानी कर दुर्घटनाओं में कमी लाने के प्रयासों को तेज करे।

मुख्यमंत्री ने ओवरस्पीडिंग और ओवरलोडिंग पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि सीसीटीवी कैमरों की मदद से स्पीड मॉनिटरिंग को मजबूत किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों का तुरंत चालान किया जाए। उन्होंने कहा कि तेज गति और लापरवाही हादसों के प्रमुख कारण हैं, इसलिए इनके खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि लिंक रोड से मुख्य सड़क पर जुड़ने वाले स्थानों पर आवश्यकतानुसार स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग ऐप के माध्यम से की जाए और जहां ठेकेदार लापरवाही बरत रहे हों, वहां पेनल्टी लगाई जाए। उन्होंने गड्ढों को तत्काल भरने, डार्क स्पॉट्स पर तुरंत लाइटिंग सहित आवश्यक सुरक्षा सुधार करने और सड़क संकेतकों व चिह्नों को दोबारा स्पष्ट करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बसों के रुकने के लिए चिन्हित स्थानों पर बस क्यू–शेल्टर बनाए जाएं, ताकि बस सेवा व्यवस्थित रूप से संचालित हो सके। उन्होंने नशे में गाड़ी चलाने पर रोक लगाने के लिए ड्रिंक एंड ड्राइव के विरुद्ध कड़े प्रवर्तन और जागरूकता स्लोगन लगाने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सभी वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाना अनिवार्य करने के निर्देश दिए तथा कहा कि धुंध के मौसम को देखते हुए इस पर विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिफ्लेक्टर लगाने के लिए नागरिकों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा और जिला सड़क सुरक्षा समितियां इसे गंभीरता से लागू करें।

मुख्यमंत्री ने सड़कों पर छोड़े जाने वाले गोवंश की समस्या पर चिंता जताई और अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पशुओं को सुरक्षित अभयारण्यों में रखा जाए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सड़क दुर्घटनाओं में स्पष्ट कमी दिखनी चाहिए। उन्होंने सभी विभागों से अपेक्षा की कि वे गंभीरता और तत्परता से कार्य करें, ताकि प्रदेश की सड़कें अधिक सुरक्षित, बेहतर और जनहित में अधिक प्रभावी बन सकें।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, हरियाणा परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल, डीजीपी ओ.पी. सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़, 20 नवंबर (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा और परिणाम में सामने आई अनेक गड़बड़ियों को लेकर तुरंत जांच और स्पष्टीकरण देने की मांग भाजपा सरकार से की है। उन्होंने कहा कि यह मामला रातों–रात रिजल्ट बदलने और अपने चेहतों को परीक्षा में पास करवाने का लग रहा है। दिग्विजय ने कहा कि दोबारा रिजल्ट तैयार करने और 1284 नए कैंडिडेट पास किए जाने की खबरें सामने आई है, आखिर अतिरिक्त जोड़े गए ये कैंडिडेट कौन है और कैसे इनको बाद के रिजल्ट में जोड़ा गया? यह बेहद गंभीर विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि एक तरफ तो भाजपा सरकार नई भर्तियां निकालने की बजाय घोषित भर्तियों को भी रद्द करने में लगी हुई है और ऊपर से इस तरह से एचटेट की परीक्षा में गड़बड़ियां करके रोजगार की आस में बैठे बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि एचटेट रिजल्ट के बारे में मीडिया तक को जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि रिजल्ट जारी होने के 90 दिन तक ओएमआर शीट निकलवाने का प्रावधान होता है, लेकिन इसमें केवल 10 दिन का ही समय दिया गया। दिग्विजय ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि सिक्योरिटी ऑडिट का बहाना करके नया रिजल्ट तैयार करवाया गया। उन्होंने कहा कि अगर पहले तैयार रिजल्ट में कमी थी तो उस पर कार्रवाई की जानी चाहिए और नया रिजल्ट किस फर्म से तैयार करवाया गया, ये भी जांच का विषय है।

दिग्विजय ने आगे कई सवाल पूछते हुए कहा कि पहले से तैयार परिणाम को आखिर संशोधित करने की नौबत क्यों आई ? तीन से चार बार रिजल्ट को वेरीफाई किया गया तो नए सिरे से परिणाम किस लिए तैयार किया गया? सिक्योरिटी ऑडिट के नाम पर भारी राशि किस लिए खर्च की जाती है? ऑडिट किसका किया गया, जब सारी फर्म बाहर की ही थी तो संशय किस बात का था ? परिणाम तैयार करके जब सचिव कार्यालय ने अध्यक्ष को 31 अगस्त को सुपुर्द कर दिया था तो परिणाम जारी करने में देरी किस वजह से की गई? गुपचुप तरीके से रिजल्ट घोषित करने के क्या मायने निकाले जाएं? अधिकांश सेंटरों पर केंद्र अधीक्षक के कमरे में मॉनीटर क्यों नहीं लगाए गए ? दिग्विजय चौटाला ने कहा कि युवाओं से जुड़ी इस महत्वपूर्ण परीक्षा में इतने ज्यादा गंभीर सवाल खड़े हो रहे है इसलिए सरकार को तुरंत जांच करवानी चाहिए और सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

नागरिकों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करवाएं अधिकारी : आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 20 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने आज जिला लोक संपर्क एवं परिवाद समिति पलवल की मासिक बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने बैठक के एजेंडा में शामिल 14 में से 10 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नागरिकों की हर एक समस्या को गंभीरता से लेकर उनका समाधान करवाना सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बैठक में आये एक मामले में भानू प्रकाश निवासी गांव लुलवाड़ी, प्रभु दयाल निवासी खचेरू, उषा रानी निवासी बल्लभगढ़, समस्त किसान गांव सीहा और गांव अल्लीका, डालचंद निवासी गांव खांबी, शिवकुमार निवासी गांव धतीर, चरण सिंह निवासी गांव कटेसरा, रोहताश निवासी गांव बढराम जयंती निवासी गांव बाजपुर कलां, त्रिलोक निवासी हथीन, असलम निवासी गांव पहाड़पुर, मंजू वशिष्ठ निवासी पलवल व विद्या सागर निवासी गांव बहरौला की शिकायतों की सुनवाई की। उन्होंने विद्या सागर की शिकायत की सुनवाई करते हुए 60 दिन के अंदर–अंदर सूअर फार्म को आवास क्षेत्र से हटवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एक अन्य परिवादी असलम की जिला शिक्षा विभाग से संबंधित एक शिकायत की सुनवाई करते हुए आरोपी अध्यापकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस केस में बिजली विभाग के अधिकारी दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्यवाही की जाएगी।

वोट चोरी का मुद्दा बेबुनियाद, कांग्रेस एक भी शिकायत नहीं दे सकी : अनिल विज

चंडीगढ़, 20 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने नीतिश कुमार द्वारा दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह जनता के भरोसे और विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने स्पष्ट रूप से एनडीए की राजनीति पर अपनी मोहर लगाई है, जबकि चुनाव परिणामों के बाद एनडीए के विरोध में खड़ी हुई अन्य पार्टियों के दफ्तर बंद पड़े हैं। जनता ने झूठ और फरेब की राजनीति को पूरी तरह नकार दिया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए विज ने कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे वोट चोरी के मुद्दे को पूरी तरह बेबुनियाद बताया।

उन्होंने कहा कि आज तक कांग्रेस एक भी लिखित शिकायत दर्ज नहीं करवा सकी है। वे कहते हैं कि एक से अधिक वोट बने, लेकिन यह नहीं बताते कि वह वोट किसने बनाए और किसके नाम पर डाले गए। विज ने उदाहरण देते हुए कहा कि अंबाला जिले के मुलाना विधानसभा क्षेत्र के एक गांव में एक महिला के 232 वोट बने हुए मिले थे और वहां से कांग्रेस के विधायक और सांसद दोनों जीते हैं। ऐसे में यह कैसे तय होगा कि फर्जी वोटों का लाभ किसे मिला? उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिना तथ्य के विवाद पैदा कर, जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है। बिहार चुनाव के बाद महागठबंधन में दिखाई दे रही टूट पर विज ने टिप्पणी की कि परिणाम आने के बाद उनके सभी दफ्तर बंद हो गए हैं और जनता ने झूठ फैलाने वालों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव अभियान के दौरान राहुल गांधी का मछलियां पकड़ने वाला दृश्य अधिक चर्चित रहा, और अब उन्हें उसी काम में ध्यान देना चाहिए।विज ने कहा कि कांग्रेस एसआईआर के मुद्दे पर पूरी तरह असफल हो चुकी है। जनता समझ चुकी है कि कांग्रेस अपनी हार छिपाने के लिए केवल नौटंकी कर रही है।

शहर का सर्वांगीण विकास हमारी पहली प्राथमिकता : इसरानी

निवाई, 20 नवंबर (एजेंसियां)। पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि निवाई कस्बे का काया कल्प कर जन–जन के सम्मान की रक्षा करते हुए सर्वांगीण विकास हमारी पहली प्राथमिकता रही है। साथ ही आमजन को मूलभूत सुविधाओं के अलावा सरकार की मंशा के अनुरूप हर घर को उनका मालिकाना हक देने का भी संकल्प रहा है। पालिकाध्यक्ष इसरानी गुरूवार की देर शाम 8 फीट रोड पर 'निवाई सौन्दर्यकरण की ओर बढ़ते कदम' के तहत फाऊन्डेशन का फीता काट कर शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि जिस वार्ड में सडक़ पानी, बिजली एवं अन्य विकास के लिए उनसे मांग की गई। उसे पूरा किया है तथा शहर के सौन्दर्य के लिए भी कही कमी नही रखी जा रही है। इस अवसर पर भाजपा नेता एवं वित्त समिति के अध्यक्ष प्रमुख भामाशाह ओम प्रकाश गुप्ता ने कहा कि पालिका बोर्ड व अध्यक्ष इसरानी सकारात्मक सोच के साथ विकास के लिए कृत संकल्पितरहे है। उनका कार्यकाल सदैव जनता को समर्पित रहा है। कार्यक्रम में पालिका अधिशाषी अधिकारी डॉ. मनोहर लाल जाट ने कहा कि उक्त फाऊन्डेशन (फुव्वारा) सौन्दर्यकरण के लिए लगाया गया है जो सुबह व शाम को प्रतिदिन चलेगा एवं आमजन के आकर्षण का केन्द्र रहेगा। कार्यक्रम में पार्षद महेन्द्र जैन, मा. मदन लाल रैगर, बाबू लाल सैनी, गिर्राज चौधरी, शंकर लाल शर्मा, मंगलराम मीणा, भाजपा के जितेन्द्र धारवाल, सुरेश डोई, लक्ष्मीचन्द शर्मा, आलोक दाधिच के साथ–साथ सहायक अभियन्ता चन्द्र प्रकाश मीणा, कनिष्क अभियन्ता सीपी चौधरी, लालचन्द सैनी, पप्पू मीणा, प्रमुख समाजसेवी कैलाश विजयवर्गीय, जितेन्द्र विजयवर्गीय, रमेश सैनी, राजू मालावत, संजय वर्मा सहित अनेक समाजसेवी एवं मौहल्लेवासी उपस्थित थे। 80 फीट के वासिन्दों ने किया स्वागत 80 फीट रोड़ पर सौन्दर्यकरण से गद्गद् यहां के वासिन्दों ने पालिकाध्यक्ष एवं अधिशाषी अधिकारी का साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर अभिनन्दन भी किया।

पत्नी की खुदकुशी के बाद पति ने बेटे को मारा, फिर खुद भी फंदे पर झूला

उदयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के मसारो की ओवरी गांव में गुरुवार सुबह ऐसा दिल दहला देने वाला मंजर सामने आया कि पूरा इलाका सन्न रह गया। एक ही घर में पति–पत्नी और 7 साल के मासूम बेटे की लाशें मिलीं। दरवाज़ा अंदर से बंद था और बाहर खड़ी जगदीश की बाइक कुछ अनहोनी का संकेत दे रही थी। जब माता–पिता रिश्तेदारी से लौटकर आए और गेट नहीं खुला तो गांव के लोग जुटे, गेट तुड़वाया गया और भीतर जो देखा गया, उसने हर किसी की आंखें नम कर दीं। फर्श पर 27 साल की शारदा का शव पड़ा था। उसके कुछ कदम दूर ही दूसरे कमरे में 7 साल का हेमांशु उर्फ हेमू फंदे से लटका मिला। उसी कमरे में 30 वर्षीय जगदीश की लाश भी फंदे से लटकी थी। घर की दीवार पर एक सुसाइड नोट चिपका था, जिसमें लिखा था–मेरे घरवालों की कोई गलती नहीं है। मैं खुद मर रहा हूं। हेमू की मम्मी मेरे से पहले फंदा लगाकर मर गई थी। कोई भी मेरे मां–बाप को परेशान न करे। ये मरी, इसलिए हम दोनों भी मरे हैं। डीएसपी राजीव राहर बताते हैं कि घटना बुधवार शाम करीब 7 बजे की है। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि जगदीश काम से घर लौटा तो पत्नी का शव फंदे से लटका मिला। उसने उसे नीचे उतारा और फर्श पर रखा। इसके बाद उसने अपने बेटे को दूसरे कमरे में ले जाकर फंदे पर लटका दिया और उसकी मौत होने के बाद खुद भी फंदे से झूल गया। अभी पत्नी के आत्महत्या करने की वजह साफ नहीं है।

नीलामी से संचालन तक समय सीमा तय देरी पर दण्डात्मक प्रावधान: पीयूष गोयल

जयपुर, 20 नवंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय खान सचिव पीयूष गोयल ने कहा है कि विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने के लिए देश का माइनिंग सेक्टर नई उर्जा और गति के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि माइनिंग सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा लगातार कानून कायदों को व्यावहारिक बनाने के साथ ही टाइमलाईन तय की गई है जिससे खानों की नीलामी के बाद खानों के परिचालन में लाने में लगने वाले समय को कम किया जा सके। उन्होंने साफ किया कि इसके लिए सरकारी स्तर पर देरी होती है तो उसके लिए और एलओआई स्तर पर देरी होती है तो उसके लिए दण्डात्मक प्रावधान किये गये हैं। केन्द्रीय खान सचिव पीयूष गोयल गुरुवार को आरआईसी में प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त के साथ एलओआईधारकों से रुबरु हो रहे थे। उन्होंने कहा कि नए प्रावधानों में एलओआई धारकों द्वारा जितनी जल्दी खानों को परिचालन में लाया जाएगा उतना ही अधिक लाभ खानधारकों को होगा। उन्होने कहा कि इसके लिए प्रोत्साहन के प्रावधान किये गये हैं। गोयल ने राजस्थान में मेजर मिनरल माइंस के ऑक्शन और प्री एम्बेडेड खानों की ऑक्शन

प्रक्रिया शुरु करने की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले समय में राजस्थान माइनिंग सेक्टर से रेवेन्यू के क्षेत्र में भी अग्रणी प्रदेश बन जाएगा। उन्होंने आवश्यक अनुमतियां प्रदान करने वाली संस्थाओं से व्यावहारिक रुख अपनाने की आवश्यकता प्रतिपादित की वहीं प्रीएम्बेडेड की तर्ज पर ही पुरानी नीलाम खानों को परिचालन में लाने के लिए राज्य सरकार स्तर से भी सहयोग और मार्गदर्शन पर जोर दिया। उन्होंने एलओआईधारकों से भी आवश्यक औपचारिकता पूरी करने में अनावश्यक देरी नहीं करने का स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एलओआईधारकों से संवाद कायम करने के लिए यह बैठक आयोजित की गई है।

प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त ने बताया कि राजस्थान में 112 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी की जा चुकी है। भविष्य में नीलाम होने वाले माइनिंग ब्लॉकों के नीलामी से पहले ही चरागाह, वन कन्वर्जन आदि इसी तरह की आने वाली समस्याओं को दूर करते हुए ब्लॉक बनाने के प्रयास किए जाएंगे जिससे आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने मे एलओआई धारक अनावश्यक परेशानियों से बच सके।रविकान्त ने बताया कि इस वर्ष 21 ब्लॉकों की सफल नीलामी हो चुकी हैं और 8 प्री एम्बेडेड ब्लॉकों सहित 26 ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि राजस्थान विपुल और विविध प्रकार के खनिज संपदा वाला प्रदेश हैं।

कवलकट्टे मोड़ पर स्कूटर-कार एक्सीडेंट में इंजीनियरिंग स्टूडेंट की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बंटवाल तालुक के कवलकट्टे में बुधवार दोपहर एक कार और स्कूटर की टक्कर में एक युवा इंजीनियरिंग स्टूडेंट की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक की पहचान कडाबा के सुनील की बेटी अनन्या (21) के रूप में हुई है। दुर्घटना के समय वह स्कूटर चला रही थी। पीछे बैठी पृथ्वी, जो गुरुवायनाकेरे की रहने वाली है, गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे मेंगलूरु के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों मेंगलूरु के एक कॉलेज में इंजीनियरिंग के फाइनल ईयर के स्टूडेंट थे। यह दुर्घटना बंटवाल-बेल्टांगडी नेशनल हाईवे पर, कवलकट्टे से एनसी रोड तक जाने वाले हिस्से पर हुई। यह हिस्सा स्थानीय रूप से अपने खतरनाक और दुर्घटना-ग्रस्त मोड़ के लिए जाना जाता है। निवासियों का दावा है कि हाल के वर्षों में इस खतरनाक मोड़ के कारण यहां कई दुर्घटनाएं हुई हैं। बताया जा रहा है कि दोनों स्टूडेंट बेल्टांगडी से अपने कॉलेज जा रहे थे, तभी उनकी होंडा एक्टिवा और एक वैगनआर कार की टक्कर एक खतरनाक मोड़ पर हो गई। पुंजालकट्टे के सब-इंस्पेक्टर राजेश के वी ने मौके पर जाकर केस दर्ज कर लिया है।

जनता का पैसा लूट रहे लुटेरों को देखते ही गोली मार दी जाए: यतनाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
निष्कासित भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने सरकार से सार्वजनिक धन चुराने वाले लुटेरों के खिलाफ बिना किसी हिचकिचाहट के देखते ही गोली मारने का आदेश जारी करने का आग्रह किया है। जनता यह जानकर बैंकों में पैसा जमा करती है कि हमारा पैसा सुरक्षित है। इसे सुरक्षित रखना बैंक और सरकार का कर्तव्य है। एक अक्षम गृह मंत्री के शासन में, कर्नाटक बैंक लुटेरों के लिए पसंदीदा स्थान बन गया है। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि बिना किसी हिचकिचाहट के ऐसे समाजवादियों के खिलाफ देखते ही गोली मारने का आदेश जारी किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि बच्चों की पढ़ाई, शादी और अन्य खर्चों के लिए अगर बैंकों में पैसा जमा किया जाए तो यह सुरक्षित रहेगा। हालांकि, यतनाल ने आलोचना की कि जब जयनगर जैसे भीड़-भाड़ वाले इलाके में दिन के बीच में पैसे ले जा रहे वाहन को रोका जाता है और लूट लिया जाता है, तो यह दर्शाता है कि हमारा पुलिस विभाग कितना अप्रभावी है। उन्होंने अक्टूबर 2024 में दावणगेरे में एसबीआई बैंक की डकैती, जनवरी 2025 में मेंगलूरु में कोटेकर सहकारी संघ की डकैती, मई 2025 में विजयपुरा में केनरा बैंक की डकैती, सितंबर में विजयपुरा में एसबीआई बैंक की डकैती और अब बेंगलूरु में अशोक स्तंभ के पास एक बैंक की डकैती का उल्लेख किया।

2 लाख मरे हुए लोगों को भी मिल गई पेंशन!
अब बिहार सरकार करेगी पैसों की वसूली

पटना (एजेंसियां)।
बिहार में दो लाख लोग ऐसे मिले हैं, जो मर चुके हैं, लेकिन उनके खाते में पेंशन की राशि गई है। सरकार ने ऐसे नामों की पहचान कर ली है और अब उनके खाते से पैसे वापस लाने की तैयारी में है। जानिए कैसे पता चला ये सब कुछ

वृद्धावस्था पेंशन योजना के दो लाख से अधिक लाभार्थियों की मृत्यु हो जाने का पता चलने के बाद राज्य सरकार ने बुधवार को जिला अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस कार्यक्रम के तहत सभी लाभार्थियों का भौतिक सत्यापन पूरा करें और मृतकों के खातों में जमा की गई राशि की वसूली करें।

यह निर्णय बुधवार को समाज कल्याण विभाग की सचिव वंदना प्रेयसी ने एक समीक्षा बैठक में लिया। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को सत्यापन प्रक्रिया तुरंत पूरी करने, मृतकों के नाम सूची से हटाने और उनके खातों में हस्तांतरित धनराशि की शीघ्र वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में पेंशन, मृत्यु और विवाह अनुदान योजनाओं की प्रगति का आकलन किया गया। दिव्यांगजन, विधवा और वृद्धावस्था पेंशन योजनाओं के सत्यापन में तेजी लाने के लिए, प्रेयसी ने सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से भौतिक जांच कराने के आदेश दिए। जिला सामाजिक सुरक्षा प्रकोष्ठों के सहायक निदेशकों को सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) के जिला प्रबंधकों के साथ समन्वय स्थापित कर इस कार्य के लिए लगभग 80,000 कर्मियों की तैनाती करने का निर्देश दिया गया।

सचिव ने कहा कि तकनीकी समस्याओं के कारण पेंशनभोगियों को वंचित होने से बचाने के लिए, सीएससी को फिंगरप्रिंट प्रमाणीकरण, आईरिस स्कैन और चेहरे का प्रमाणीकरण सहित कई प्रमाणीकरण विकल्प प्रदान करने होंगे।

अन्य प्रमुख योजनाओं के लक्ष्यों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांगता पेंशन योजना के लिए वार्षिक लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके अंतर्गत वर्तमान में 1,10,863 लाभार्थी आते हैं, जबकि केंद्र सरकार की सीमा 1,27,100 है। कबीर अंत्येष्टि योजना (अंतिम संस्कार योजना) और राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, जिनमें क्रमशः केवल 26,141 और 8,566 लाभार्थी ही शामिल हैं, के लिए दिसंबर 2025 तक वार्षिक लक्ष्य का 50 प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

वंदना प्रेयसी ने कहा, सभी सहायक निदेशकों को पूरी पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ भौतिक सत्यापन करना होगा, यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में पेंशन का भुगतान मृतक को न मिले, और धन वसूली के लिए मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करना होगा। उन्होंने सभी लंबित आवेदनों के शत-प्रतिशत निपटान के साथ-साथ चल रही योजनाओं के लक्ष्यों की प्राप्ति के निर्देश भी दिए।

शादी का कार्ड बांटने निकले युवक की मौत

पटना (एजेंसियां)।
नालंदा जिले के रहुई थाना क्षेत्र में बुधवार की शाम एक सड़क हादसे में साले की मौत हो गई, जबकि बहनोई गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना बिहटा-सरमेरा टू-लेन के भेंडा मोड़ के पास हुई। हादसे में मृतक की पहचान अस्थावां थाना क्षेत्र के मालती गांव निवासी 25 वर्षीय अंबेडकर पासवान के रूप में की गई है, जो केशो पासवान के पुत्र थे। वहीं, गंभीर रूप से घायल व्यक्ति हिलसा थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव निवासी अनिकेत कुमार हैं।

घटना के संबंध में मृतक के चचेरे भाई जितेंद्र कुमार ने बताया कि अंबेडकर अपने बहनोई अनिकेत कुमार के साथ शादी के कार्ड बांटने के लिए अहियाचक गांव जा रहे थे। इसी दौरान भेंडा मोड़ के पास उनकी गाड़ी किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई। हादसे के बाद दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को पुलिस की मदद से बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने अंबेडकर को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अनिकेत को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। अंबेडकर की शादी अगले महीने 4 दिसंबर को होने वाली थी। वह दिल्ली में एसी तकनीशियन का काम करता था। हादसे के बाद शादी वाले घर में मातम पसरा है। अंबेडकर तीन भाई और एक बहन में सबसे बड़े थे। रहुई थाना अध्यक्ष ललित विजय ने बताया कि सड़क हादसे की सूचना पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएम सिद्धरामैया ने पत्नी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शहर के एक निजी अस्पताल का दौरा किया और अपनी पत्नी पार्वती के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। पार्वती को फेफड़ों की समस्या के कारण दो दिन पहले बेंगलूरु के शेषाद्रिपुरम स्थित अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस मौके पर दिल्ली में मौजूद सिद्धरामैया तुरंत एयरपोर्ट से अस्पताल गए और अपनी पत्नी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। पत्रकारों से बात करते हुए पार्वती की तबीयत स्थिर है। उन्होंने कहा कि वह दो-तीन दिन बाद अस्पताल से घर चली जाएंगी। दूसरी बार अस्पताल पहुंचे सिद्धरामैया ने डॉक्टर से चर्चा की और अपनी पत्नी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। डॉ. यतींद्र अस्पताल में ही रहकर अपनी मां की सेहत का ख्याल रख रहे हैं।

किशनगंज में रफ्तार का कहर, ट्रैक्टर ड्राइवर और उसमें बैठा युवक दबकर मरे

पूर्णिया (एजेंसियां)।
किशनगंज जिले के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र की पटेसरी पंचायत के भोलाभीट्ठा ग्रामीण सड़क पर बुधवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एक खाली ट्रैक्टर के अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट जाने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही पूरे इलाके में मातम छा गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए।

स्थानीय ग्रामीण दशरथ पंडित ने बताया कि तेज रफ्तार में जा रहा खाली ट्रैक्टर अचानक बेकाबू हो गया और खेत में पलट गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक और उसमें बैठे युवक ट्रैक्टर के नीचे बुरी तरह दब गए। ग्रामीणों की मदद से ट्रैक्टर चालक को किसी तरह बाहर निकाला गया, जबकि दूसरे युवक को निकालने के लिए जेसीबी मशीन का सहारा लेना पड़ा।

दशरथ पंडित के अनुसार, 18 वर्षीय ओमप्रकाश, जो भोलाभीट्ठा का निवासी था, की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल ट्रैक्टर चालक को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ठाकुरगंज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। ट्रैक्टर चालक ठाकुरगंज का ही निवासी बताया जा रहा है, हालांकि उसका नाम अभी पता नहीं चल सका है।

घटना की जानकारी मिलते ही ठाकुरगंज थाना अध्यक्ष मकसूद अशरफी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। थाना अध्यक्ष ने बताया कि दोनों शवों को गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

चंपारण के गांधी आश्रम में मौन पर जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर, हार के बाद आत्मचिंतन करने बैठे

बेतिया (एजेंसियां)।
हालिया चुनाव परिणामों के बाद आत्ममंथन की राह पर चल पड़े जन सुराज संस्थापक प्रशांत किशोर मंगलवार को पश्चिम चंपारण के भितिहरवा स्थित ऐतिहासिक गांधी आश्रम में सुबह 11 बजे से एक दिन के मौन उपवास पर बैठ गए। यह वही आश्रम है जहां महात्मा गांधी ने सत्य, तपस्या और आत्मशुद्धि के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला रखी थी।

इसी प्रतीकात्मक स्थल को चुनकर पीके ने संकेत दिया है कि उनकी राजनीति आने वाले दिनों में और अधिक जन-केंद्रित और आत्ममंथन आधारित होगी। उपवास में प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, वरिष्ठ नेता एवं भोजपुरी अभिनेता रितेश पांडे, जिलाध्यक्ष, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी और पार्टी के कई कार्यकर्ता शामिल हुए। सूबे के विभिन्न जिलों से लगभग 50 से अधिक समर्थक और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण प्रशांत किशोर को देखने और समर्थन देने आश्रम पहुंचे।

परिसर के बाहर लगभग 250 लोगों के ठहरने के लिए साधारण टेंट, बिछावन और कंबल की व्यवस्था की गई है। जन सुराज नेता व भोजपुरी अभिनेता रितेश पांडे ने चुनाव परिणामों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि कुछ दलों ने चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता को आहत करते हुए वोट खरीदने का सहारा लिया।उन्होंने कहा जिस बिहार में गरीबी विकराल है, वहां गरीबों की मजबूरी का राजनीतिक सौदा किया गया।

यह बिहारियों की अस्मिता के खिलाफ है। प्रशांत किशोर जी ने ईमानदारी से राजनीति की, लेकिन लोकतंत्र में पैसों की ताकत हावी हो गई। पांडे ने कहा कि पीके गांधीवादी मूल्यों से प्रभावित हैं और इसलिए उन्होंने अपनी रणनीतियों एवं संवाद शैली की समीक्षा के लिए गांधी परंपरा के अनुसार मौन साधने का निर्णय लिया।

रितेश पांडे ने आगे बताया कि चुनाव के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने फोन कर कहा कि वोट खरीदे गए, जिससे चुनाव की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा भले ही हम एक भी सीट न जीत पाए हों, लेकिन जनता के मुद्दों जैसे बेरोजगारी, शिक्षा, पलायन पर लड़ाई जारी रहेगी। 10 हजार रुपये की मदद कुछ दिन चल सकती है, लेकिन नौकरी मिलेगी तो हर महीने घर में उम्मीद जगेगी। प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने स्वीकार किया कि पार्टी तीन वर्षों से लगातार गांव-गांव जाकर बिहार की असली समस्याओं को समझाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन या तो जनता तक संदेश नहीं पहुंच पाया या पार्टी खुद अपनी बात स्पष्ट रूप से नहीं समझा सकी। उन्होंने कहा यह मौन उपवास केवल पीके का नहीं, बल्कि पूरे संगठन का आत्ममंथन है। हमें अपनी कमियों को पहचानना होगा ताकि आगे की लड़ाई और मजबूती से लड़ी जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपवास स्थल पर कोई विशेष प्रबंध या राजनीतिक प्रदर्शन नहीं किया गया है।

साधारण पंडाल और फर्श पर बिछे कंबल ही व्यवस्थाओं की तस्वीर बयां कर रहे हैं। उपवास के एक दिन पहले मीडिया से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा था कि यह कार्यक्रम किसी प्रकार की राजनीतिक रैली या शक्ति प्रदर्शन का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा जब आपका संदेश जनता तक अपेक्षित रूप से नहीं पहुंचता, तो नेतृत्व का धर्म है कि वह स्वयं का मूल्यांकन करे। यह उपवास मेरे लिए आत्ममंथन और जनता के प्रति जवाबदेही का प्रतीक है।

भितिहरवा गांधी आश्रम का चयन प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। गांधी ने यहीं पर स्वच्छता, शिक्षा, सत्य और सामाजिक सुधार की नींव रखी थी। पीके इन्हीं मूल्यों से जुड़कर अपनी राजनीतिक यात्रा का नए सिरे से मूल्यांकन कर रहे हैं। स्थानीय लोग भी इसे पीके के नैतिक संदेश के रूप में देख रहे हैं। उपवास में जन सुराज के वरिष्ठ पदाधिकारी, कई विधानसभा उम्मीदवार, पंचायत प्रतिनिधि और युवा कार्यकर्ता शामिल हुए। स्थानीय प्रशासन सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर मुस्तैद रहा।ग्रामीणों में जिज्ञासा और समर्थन दोनों देखने को मिले। कई लोग सुबह से ही आश्रम पहुंचकर पीके के मौन उपवास की गंभीरता को करीब से देखते रहे।

झारखंड के झरिया में युवक की हत्या के बाद सांसद पप्पू यादव छपरा पहुंचे

परिजनों को दी सांत्वना

छपरा (एजेंसियां)।
झारखंड के झरिया में प्रेम कुमार की हत्या के बाद गुरुवार को पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजीव रंजन उर्फ पप्पू यादव छपरा पहुंचे। उन्होंने गंडक नदी के रेवा घाट पर अंतिम संस्कार के दौरान प्रेम के पिता सुनील राय व परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी।

पप्पू यादव ने कहा कि छपरा का माहौल अब बदल गया है और राजनीतिक प्रेरणा से जाति विशेष को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने बिहार में बढ़ती हत्या की घटनाओं को चिंताजनक बताया। सांसद ने आरोप लगाया कि राजनीति की आड़ में गरीबों व कुछ जातियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने सरकार से निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। कहा कि यदि राजनीतिक प्रताड़ना बंद नहीं हुई तो वे सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ने को तैयार हैं।

एनडीए की जीत पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि यह जनता की नहीं वोट चोरी की जीत है। यह जीविका दीदी सरकार है, और चुनाव के दौरान किए गए वादों को अब पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि बिहार में जदयू की नहीं, बल्कि भाजपा की सरकार बन रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com